जबलपुर, बुधवार
18 मार्च 2026
वर्ष 31 अंक 261
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

'छोटा सा बदलाव ही जिंदगी की एक बड़ी कामयाबी का हिस्सा होता है'

2 अभाविप ने विश्वविद्यालय की...
5 भू-माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा...
7 मैं कुछ भी कर सकता हूं...ईरान के...
11 विद्यार्थी समाज और देश के विकास...

मध्यप्रदेश में पशुपालन विभाग का बदलेगा नाम

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियमों की अनुसूची में संशोधन की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग का नाम संशोधित कर गौपालन एवं पशुपालन विभाग और संचालनालय, पशुपालन एवं डेयरी का नाम परिवर्तित कर संचालनालय, गौपालन एवं पशुपालन किये जाने का अनुमोदन किया गया

विकास कार्यों के लिए पीडब्ल्यूडी को मिलेंगे 4525 करोड़ रुपये

है। इसी तरह मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत प्रदेश में विभिन्न विकास कार्यों और अनुरक्षण के लिए 4 हजार 525 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। साथ ही रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं पर 40 रूपये प्रति क्विंटल के मान से बोनस दिए जाने का निर्णय लिया है। मंत्रि-परिषद ने उज्जैन शहर में चिमनगंज मंडी से इंदौर गेट तक 4-लेन एवं निकास चौराहा से इंदौर गेट तक 2-लेन ऐलिवेटेड कॉरीडोर के निर्माण के लिए 945 करोड़ 20 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके साथ रीवा की पनवार माइक्रो सिंचाई परियोजना के लिए 228 करोड़ 42 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद के निर्णय अनुसार उपार्जित गेहूं में से भारत सरकार द्वारा स्वीकार न की जाने वाली सरप्लस मात्रा का निस्तारण मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन द्वारा खुली निविदा के माध्यम से किया जाकर इस पर होने वाला व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। किसानों को बोनस राशि का भुगतान विभागीय मद में बजट प्रावधान कराकर तथा सरप्लस मात्रा के निस्तारण व्यय की प्रतिपूर्ति मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता योजनांतर्गत आवंटित बजट से किया जाएगा। मंत्रि-परिषद द्वारा रीवा की पनवार माईक्रो सिंचाई परियोजना लागत राशि 228 करोड़ 42 लाख रूपयें, सैंच्य क्षेत्र 7350 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है। परियोजना से रीवा जिले की जवा एवं त्योंथर तहसील के 37 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

नियम में संशोधन की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन कर मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम को वित्त विभाग के अंतर्गत किए जाने का अनुमोदन दिया गया है। मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम को एमएसएमई से वित्त विभाग को आवंटित किये जाने से राज्य पर कोई वित्तीय भार नहीं आयेगा।

क्रॉस-वोटिंग : कांग्रेस में 'सियासी भूचाल'

हरियाणा के 5 विधायकों पर गिरेगी गाज, रामकिशन गुर्जर का इस्तीफा

चंडीगढ़

हरियाणा राज्यसभा चुनाव में मिली जीत के बावजूद कांग्रेस के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। क्रॉस वोटिंग के बाद अब पार्टी में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ रही है। कांग्रेस पांच विधायकों को नोटिस देने की तैयारी में है, वहीं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर के इस्तीफे ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गुर्जर ने प्रदेश अध्यक्ष को एक लाइन का इस्तीफा भेजकर पद छोड़ दिया है। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में महज 0.34 वोट के अंतर से मिली जीत ने कांग्रेस को राहत कम और संकट ज्यादा दिया है। चुनावी जीत के तुरंत बाद पार्टी अब 'डैमेज कंट्रोल' से आगे बढ़कर 'एक्शन मोड' में नजर आ रही है। क्रॉस वोटिंग और वोट निरस्त होने के मामलों ने संगठन की अंदरूनी स्थिति उजागर कर दी है, जिसके बाद अब हाईकमान सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, पांच विधायकों द्वारा की गई क्रॉस वोटिंग और चार विधायकों के वोट निरस्त होने का पूरा ब्योरा कांग्रेस हाईकमान तक पहुंच चुका है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तक भी इन विधायकों के नाम भेज दिए गए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी लाइन से हटकर काम करने वाले विधायकों पर किसी भी समय कार्रवाई हो सकती है। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस ने सीट तो बचा ली, लेकिन इसके बाद पार्टी के सामने सबसे बड़ी

चुनौती अपने संगठन को संभालने की है। क्रॉस वोटिंग, इस्तीफे, संभावित निष्कासन और अंदरूनी खींचतान ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी के भीतर सब कुछ सामान्य नहीं है। अब नजर इस बात पर है कि राहुल गांधी और कांग्रेस हाईकमान इस पूरे मामले में कितनी सख्ती दिखाते हैं। यह चुनाव खत्म जरूर हो गया है, लेकिन कांग्रेस के लिए असली राजनीतिक लड़ाई अब शुरू हुई है।

हुड्डा की रिपोर्ट से तेज हुई कार्रवाई की प्रक्रिया

विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उन विधायकों की सूची तैयार कर हाईकमान को सौंप दी है, जिनकी भूमिका संदिग्ध रही। रोचक बात यह है कि मतदान प्रक्रिया के दौरान हरियाणा मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद खुद भी मतदान केंद्र में मौजूद थे। ऐसे में वे खुद भी पार्टी नेतृत्व को पूरी रिपोर्ट देंगे। हुड्डा ने सार्वजनिक तौर पर नामों का खुलासा नहीं किया, लेकिन संकेत साफ हैं कि पार्टी अब अनुशासनहीनता को लेकर नरमी नहीं दिखाएगी। बताया जा रहा है कि पहले चरण में इन विधायकों से जवाब मांगा जाएगा और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें पार्टी से बाहर किया जा सकता है।

ओडिशा के 3 कांग्रेस विधायक निलंबित

ओडिशा में विपक्षी दल कांग्रेस ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के पक्ष में मतदान करने और उन्हें राज्यसभा चुनाव जीतने में मदद करने के लिए अपने तीन विधायकों को मंगलवार को निलंबित कर दिया। इन विधायकों में सनाखेमुंडी के रमेश चंद्र जेना, मोहना के दशरथी गोमांगो और बाराबती-कटक की सोफिया फिरदौस शामिल हैं। पार्टी के अनुसार, इन विधायकों ने सोमवार को राज्यसभा चुनाव के दौरान राय के पक्ष में वोट दिया था। निलंबन की घोषणा करते हुए कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जो लोग कांग्रेस के साथ विश्वासघात करते हैं, वे राष्ट्र के साथ विश्वासघात करते हैं। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अरबिंद दास ने कहा कि उनके कृत्यों की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया।

गोद लेने वाली हर माता को 12 हफ्ते का मैटरनिटी लीव मिलेगा

कानून की धारा रद्द, पितृत्व अवकाश पर भी अहम टिप्पणी

नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने गोद लेने वाली महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसला सुनाया है। अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने पर महिला को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश देना अनिवार्य होगा। पहले यह सुविधा केवल उन मामलों तक सीमित थी, जहां गोद लिया गया बच्चा तीन महीने से क म उम्र

का हो। अदालत ने इस शर्त को अब असंवैधानिक बताते हुए समाप्त कर दिया है। कोर्ट ने कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 की धारा 60(4) को निरस्त करते हुए कहा कि यह प्रावधान भारतीय संविधान के आर्टिकल 14 और 21 के खिलाफ है। अदालत का कहना है कि जैविक और गोद लेने वाली माताओं के बीच किसी भी तरह का अंतर करना उचित नहीं है। मातृत्व लाभ का उद्देश्य मां और बच्चे के बीच देखभाल और भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करना है। अदालत ने अपने फैसले में यह स्पष्ट किया कि माता-पिता बनने का अधिकार केवल जैविक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। गोद लेना भी इस अधिकार का हिस्सा है, जिससे पारिवारिक संरचना की समझ और अधिक व्यापक हो जाती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि बड़े बच्चों को न ए माहौल में ढलने में अधिक समय लगता है, इसलिए मां को पर्याप्त अवकाश मिलना बेहद जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को पितृत्व अवकाश पर भी नीति बनाने की सलाह दी है। अदालत ने कहा कि बच्चों की देखभाल को केवल मां की जिम्मेदारी मानना सही नहीं है, बल्कि इसे जेंडर-न्यूट्रल और समावेशी बनाना चाहिए।

सुक्खू ने कैबिनेट रैंक समाप्त किया

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने 'कैबिनेट रैंक' के दर्जे को वापस ले लिया है। अब बोर्ड, निगम और आयोगों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रधान सलाहकार और अन्य अधिकारियों के पास कैबिनेट रैंक नहीं रहा। इसे लेकर मंगलवार को आदेश जारी कर दिए है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशों के मुताबिक- इनके वेतन का 20 फीसदी हिस्सा भी 30 सितंबर 2026 तक कट जाएगा।

बंगाल में ममता ने 74 विधायकों के टिकट काटे

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की कुल 294 सीटों में से 291 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। बाकी 3 सीटें सहयोगी बीजीपीएम को दी हैं। ममता ने 74 विधायकों के टिकट काट दिए हैं। 15 विधायकों की सीटें बदली गई हैं। ममता बनर्जी भबानीपुर से चुनाव लड़ेंगी। उनका मुकाबला भाजपा नेता सुवेंद्र अधिकारी से होगा।

गुरु गोविंद सिंह जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश की मांग खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश संबंधी याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। यह जयंती प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की एक पीठ ने कहा कि वह अखिल भारतीय शिरोमणि सिंह सभा की याचिका पर विचार करने की इच्छुक नहीं है। याचिकाकर्ता ने देश में सार्वजनिक या राजपत्रित अवकाश घोषित करने के लिए विशेष दिशानिर्देश जारी करने की भी मांग की थी। पीठ ने कहा, खारिज। विस्तृत आदेश बाद में आएगा।

रोड एक्सीडेंट में बीजेपी नेता समेत तीन की मौत

उज्जैन। उज्जैन-नागदा मार्ग पर उन्हेल टोल नाके से 5 किलोमीटर पहले मंगलवार सुबह करीब 10.30 बजे एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार और आयशर ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान एक और घायल सुरेश नवलानी ने दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है।

क्या बदल जाएगी उद्योग की परिभाषा?

सुप्रीम कोर्ट ने 1978 पुराने फैसले पर उठाए सवाल, अब दोबारा करेगा समीक्षा

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ मंगलवार से उद्योग शब्द की परिभाषा से जुड़े एक महत्वपूर्ण और दशकों पुराने मामले की सुनवाई कर रही है। यह मामला 1978 के एक ऐतिहासिक फैसले की कानूनी वैधता की जांच करेगा, जिसने उद्योग की परिभाषा का विस्तार किया था और लाखों कर्मचारियों को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत सुरक्षा प्रदान की थी। इसके साथ ही कोर्ट यह तय करेगा कि सरकारी विभाग, अस्पताल, स्कूल और एनजीओ जैसी संस्थाएं उद्योग की कैटेगरी में आएंगी या नहीं और उनपर श्रम कानून लागू होंगे या नहीं। यह मामला 1978 में सात न्यायाधीशों की पीठ द्वारा दिए गए एक फैसले से उत्पन्न हुआ है, जिसने बंगलूरू जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के मामले में उद्योग शब्द की एक व्यापक व्याख्या प्रस्तुत की थी। इस व्याख्या के परिणामस्वरूप, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, क्लब और सरकारी कल्याणकारी विभागों जैसे विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारी भी औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के दायरे में आ गए थे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। पीठ का मुख्य उद्देश्य 1978 के फैसले की कानूनी शुद्धता का निर्धारण करना है। हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया है कि वह 1982 के औद्योगिक विवाद (संशोधन) अधिनियम या 2020 के औद्योगिक संबंध संहिता में उद्योग शब्द की परिभाषा पर विचार नहीं करेगी, क्योंकि ये कानून या तो लागू नहीं हुए या भविष्य में अदालती चुनौती का सामना कर सकते हैं। पीठ का ध्यान विशेष रूप से 1978 के बंगलूरू मामले में दिए गए मूल प्रावधान की व्याख्या पर केंद्रित है।

सीबीएसई : 10वीं की 'सेकेंड' परीक्षा मई में

नई दिल्ली

सीबीएसई बोर्ड ने 10वीं के छात्रों के लिए एक बहुत बड़ी राहत भरी खबर दी है। अगर आप मुख्य परीक्षा के रिजल्ट से खुश नहीं हैं या किसी विषय में नंबर कम रह जाते हैं, तो अब साल बर्बाद करने की जरूरत नहीं है। बोर्ड ने 'टू बोर्ड एग्जाम' पॉलिसी के तहत मई 2026 में होने वाली दूसरी बोर्ड परीक्षा का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। बता दें कि दूसरी परीक्षा में शामिल होने के लिए स्कूलों को उम्मीदवारों की सूची जमा करनी होगी। इसकी प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। पहला चरण 18 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 तक चलेगा। बोर्ड ने सलाह दी है कि जो छात्र परीक्षा देना चाहते हैं, वे इसी दौरान अपना नाम दर्ज करा दें। दूसरा चरण मुख्य परीक्षा का

आज से भरे जाएंगे फॉर्म

रिजल्ट आने के ठीक अगले दिन से शुरू होगा और 5 दिनों तक चलेगा। तीसरा चरण (लेट फीस) रिजल्ट आने के 7वें दिन से 2 दिनों के लिए पोर्टल खुलेगा, लेकिन इसके लिए भारी जुर्माना देना होगा। जो छात्र रिजल्ट आने के बाद फैसला लेना चाहते हैं, उन्हें रिजल्ट घोषित होने के बाद 5 दिनों का समय मिलेगा। दूसरी बोर्ड परीक्षा मई 2026 में आयोजित की जाएगी।

छात्रों के लिए 5 जरूरी बातें

- छात्र खुद सीधे फॉर्म नहीं भर सकते। आपको अपने स्कूल के जरिए ही आवेदन करना होगा।
- इस परीक्षा के लिए सेंटर बहुत कम होंगे। एक बार सेंटर मिलने पर वह बदला नहीं जाएगा।
- इस परीक्षा के लिए सिलेबस वही रहेगा जो आपकी पहली मुख्य परीक्षा के लिए था।
- छात्र पहले चरण में नाम लिखवा लें और रिजल्ट आने के बाद तय करें कि उन्हें फीस भरकर परीक्षा देनी है या नहीं।
- हर चरण के आखिरी दिन रात 11.59 बजे तक ही पोर्टल खुला रहेगा, इसलिए देरी न करें। समय का ध्यान रखें।

महिला तहसीलदार की मुश्किलें बढ़ी

श्योपुर बाढ़ घोटाले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली/श्योपुर

मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले की विजयपुर तहसील में पदस्थ तहसीलदार अमिता सिंह तोमर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वर्ष 2021 के बहुचर्चित बाढ़ राहत घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी है। कोर्ट ने माना कि मामले में राहत देने का कोई ठोस आधार नहीं बनता। इससे पहले हाईकोर्ट भी उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर चुका था, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। कोर्ट नंबर 13 में हुई सुनवाई में न्यायाधीशों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए राहत देने से इनकार कर दिया और संबंधित सभी लंबित आवेदनों को भी समाप्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब उनकी गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है। पुलिस और प्रशासनिक स्तर पर आगे की कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। साथ ही, इस मामले के तार अन्य अधिकारियों और बिचौलियों से जुड़े होने की आशंका के चलते राजस्व विभाग में भी हलचल है।

फर्जी खातों में ट्रांसफर हुए थे 2.57 करोड़

वर्ष 2021 में आई बाढ़ के बाद बड़ौदा तहसील में 794 हितग्राहियों के नुकसान का आकलन किया गया था। राहत वितरण के दौरान 127 फर्जी खातों में करीब 2.57 करोड़ रुपए ट्रांसफर होने का मामला सामने आया। ऑडिट में गड़बड़ी पकड़े जाने के बाद जांच शुरू हुई, जिसमें डिप्टी कलेक्टर ने कई लोगों को आरोपी बनाया और कुछ से राशि वसूल भी की गई।

परिजनों के खातों में भी लेन-देन

इसके बाद एसडीओपी बड़ौदा रहे प्रवीण अष्ठाना की जांच में 25 पटवारी समेत कुल 110 लोगों को आरोपी बनाया गया। इस सूची में अमिता सिंह तोमर का नाम भी शामिल है, जो उस समय बड़ौदा में तहसीलदार थीं। पुलिस विवेचना में उनके परिजनों के खातों में लेन-देन के संकेत भी सामने आए। जांच के बाद बड़ौदा थाना पुलिस ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। आरोप है कि उन्होंने पद का दुरुपयोग कर मुआवजा प्रक्रिया में अनियमितताएं कीं।

सरेंडर करना ही विकल्प

हाईकोर्ट के एडवोकेट वी.के. शर्मा ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद आरोपी के पास आत्मसमर्पण करना ही विकल्प बचता है। इसके बाद वह नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकता है, लेकिन प्रक्रिया के तहत उसे न्यायिक हिरासत में जाना पड़ता है।

लोकसभा से 8 विपक्षी सांसदों का निलंबन हटा

नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को पहले फेज के दौरान निलंबित किए गए 8 सांसदों पर लगा सस्पेंशन हटा दिया गया। इनमें कांग्रेस के 7 और लेफ्ट के एक सांसद हैं। ये आठ सांसद 4 फरवरी को लोकसभा से पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किए गए थे। उन पर हंगामा करने के दौरान स्पीकर पीठासीन कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की कुर्सी की ओर कागज फेंकने का आरोप लगा था। यह हंगामा उस समय हुआ था जब राहुल गांधी सदन में पूर्वी लद्दाख में 2020 के भारत-चीन सीमा तनाव का जिक्र कर रहे थे। कांग्रेस सांसद के. सुरेश समेत 3 सांसदों ने सस्पेंशन प्रस्ताव रखा। इसके बाद ध्वनि मत से इसे पास कर दिया गया। इससे पहले सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने इसका समर्थन किया। धर्मेंद यादव ने कहा कि सदन की मर्यादा में सत्ता पक्ष को भी मान रखना होगा। उन्होंने कहा कि खासकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे इसका ख्याल रखें। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से कहा, प्लेकार्ट और एआई से बनाई गई तस्वीरें प्रदर्शित न करें।

अभाविप ने विश्वविद्यालय की अनियमितताओं को लेकर पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु को सौंपा ज्ञापन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा विश्वविद्यालय में हो रही व्याप्त अनियमिताओं के विरोध में कुलगुरु को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देते हुए जिला संयोजक अमन त्रिपाठी ने बताया कि छात्र हितों में निम्नलिखित मांग कि गई जिसमें यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम के उपरांत रिवैल्युएशन का फॉर्म जो प्रारंभ किया गया विद्यार्थियों ने उसमें आवेदन तो किया परंतु आज दिनांक तक चार माह बीत जाने के उपरांत भी विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम जारी करने में असमर्थ है जिससे विद्यार्थियों को भविष्य अंधकार में नजर आ रहा है जिसको देखते हुए उचित कार्रवाई की जाए एवं विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम जल्द से जल्द जारी किया जाए। यह है कि पीएम उषा प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत छात्रों की सुविधा तथा गुणवत्ता सुधार के लिए यह योजना संचालित हो रही है इस योजना का उद्देश्य उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है, किंतु दुर्भागवश पीएम उषा के तहत कराए जा रहे कार्य सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए जैसे छात्रों को कंप्यूटर ट्रेनिंग एवं कई प्रकार के सेमिनार जो कि विश्वविद्यालय में हो रहे उसमें केवल खुद की वाह वाही लूटने के उद्देश्य से है। इससे विद्यार्थीयो का किसी भी प्रकार से कोई शैक्षणिक विकाश नहीं हो पा रहा है। नहीं इसका फायदा विश्वविद्यालय को हो पा रहा है अभी तक हुए सभी सेमिनार एवं वर्कशॉप की जांच की जाए एवं दोषियों पर उचित कार्रवाई की जाए। यह है कि विश्वविद्यालय में सन 2019 में आंदोलन के उपरांत बसों का संचालन किया गया जिसमें विद्यार्थयो के फीस में 500 रुपए की बढ़ोत्तरी के साथ बसों का संचालन प्रारंभ किया गया परंतु नवीन कुलपति आते ही 1500 रुपए की बढ़ोत्तरी करते हुए बस की फीस 2000 रुपए विद्यार्थियों के ट्यूशन फीस में जोड़ दिया गया जबकि शंभूनाथ स्थित कैंपस के विद्यार्थियों द्वारा बस की सुविधा भी नहीं ली जाती है जिसके बाद भी वो सभी विद्यार्थी साइंस के विद्यार्थियों के फीस के बराबर फीस देते है जिसको ध्यान में रखते हुए बस की फीस कम की जाए एवं शहडोल स्थित कैंपस के विद्यार्थियों से ली जाने वाली बस की फीस बंद की जाए। विश्वविद्यालय द्वारा आश्वासन के बाद भी आज दिनांक तक दोनों कंपसों के मुख्य द्वार पर सीसीटीव्ही कैमरे एवं पूरे शहडोल कैंपस में सीसीटीव्ही कैमरे नहीं लगवाए गए जिसपर तत्काल रूप से लगवाये जाएं। विश्वविद्यालय द्वारा आश्वासन के बाद भी आज दिनांक तक पुराने कैंपस में सभी पुराने भवनों का रेनोवेशन नहीं किया गया एवं सभी कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं में नहीं बदला गया जिसपर तत्काल रूप से कार्यवाही हो। विश्वविद्यालय द्वारा आश्वासन के बाद भी दोनों कैंपसों में नि:शुल्क वाई फाई सुविधा प्रारंभ नहीं किया गया जिसमें तत्काल रूप से कार्रवाई की जाए। विश्वविद्यालय द्वारा आश्वासन के बाद भी दोनों कैंपसों में छात्रों के लिये मेडिकल सुविधा एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था नहीं की गई जिसपर कार्यवाही की जाए। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद बैठक में विश्वविद्यालय के शहडोल स्थित कैंपस में खेल मैदान के चारों तरफ बाउंड्री वॉल की ऊंचाई बढ़ाने के लिए ओर पुराने छात्रावास के भवन के जीणोद्धार के लिए राशि का आवंटन होने के बाद भी आज दिनांक तक किसी भी रूप से कार्यवाही नहीं की गई जिसको संज्ञान में लेते हुए तत्काल कार्यवाही की जाए। विश्वविद्यालय द्वारा आश्वासन के बाद भी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थीयो को डिजिटल आईडी कार्ड उपलब्ध कराए जाने की बात कही गई परंतु आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे विश्वविद्यालय में आने वाले असामाजिक तत्वों को रोका नहीं जा सकता और कोई पहचान नहीं हो पाती है। विश्वविद्यालय के दोनों केंपसों में स्वच्छ पीने हेतु पानी की व्यवस्था की जाए एंव वॉटर कूलर, क्लास रूम एवं वॉशरूम की सफाई नियमित कराई जाए। विश्वविद्यालय के पुराने कैंपस में कैंटीन स्थापित कराई जाए। विश्वविद्यालय के दोनों केंपसों में विद्यार्थीयो हेतु कम्प्यूटर लैब एवं प्रैक्टिकल हेतु प्रायोगिक सामग्री एवं रासायनिक सामग्री उपलब्ध कराई जाए। विश्वविद्यालय शहडोल कैंपस में रोड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिस में आश्वासन के बाद भी आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जिसपर उचित कार्यवाही की जाए। 25 फरवरी को हुए पंचम दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दी जाने वाली फूड पैकेट जो की दूषित थी जिसमें से दुगंध आ रही थी आपके संज्ञान में आने के बाद भी आज दिनांक तक किसी प्रकार से कोई कार्रवाई नहीं की गई जिस पर तत्काल रूप से कार्रवाई की जाए। विश्वविद्यालय में पीएम उषा के तहत हो रहे नवीन भवनों का निर्माण गुणवत्ता विहीन हो रहा क्योंकि कोई भी नवीन भवन 2 माह में दो मंजिल पूर्ण हो जाता है जबकि छत को मजबूत करने के लिए पानी की आवश्यकता होती है एवं नवीन भावन में किसी प्रकार से पानी नहीं डाला जाता हैं जिस पर उचित कार्रवाई करते हुए उसकी जांच कराई जाए। विश्वविद्यालय में पर्याप्त प्राध्यापक होने के बाद भी नियमित कक्षायें संचालित नहीं होती जिसे संज्ञान में लेते हुए नियमित कक्षायें प्रारंभ की जाए एवं विशेषकर एग्रीकल्चर की नियमित कक्षायें व जो परीक्षा एक सेमेस्टर लेट चल रही उसे समय पर कराने का प्रयास किया जाए। विश्वविद्यालय द्वारा यूटीडी के विद्यार्थियों से नामांकन फीस 500 एवं सबद्धता के 43 महाविद्यालय से 750 रुपए लिया गया जो की 250 रुपए अधिक है ऐसा किसी विश्वविद्यालय में नहीं होता है जिसे तत्काल रूप से सही करते हुए अधिक ली गई फीस विद्यार्थियों को वापस की जाए। विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष शोध प्रवेश परीक्षा पीएचडी का आयोजन नियमित रूप से कराया जाए तथा इसके माध्यम से योग्य विद्यार्थियों को पीएचडी में प्रवेश प्रदान किया जाए। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा संपन्न होने के 8 माह पश्चात भी पूर्ण रूप से परीक्षा परिणाम जारी न किया जाना, विश्वविद्यालय के केंद्रीय मूल्यांकन प्रभारी की गंभीर लापरवाही एवं नाकामी को दर्शाता है। अत: इस विषय को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मूल्यांकन प्रभारी डॉ. पूर्णिमा शर्मा को तत्काल प्रभाव से प्रभारी पद से हटाया जाए तथा लंबित पुनर्मूल्यांकन के परीक्षा परिणाम शीघ्र जारी किए जाएं। विश्वविद्यालय में कई बार देखा गया है कि नियमित प्राध्यापक समय पर विश्वविद्यालय नहीं पहुंचते हैं। इस स्थिति की पुष्टि विश्वविद्यालय में स्थापित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है। अत: ऐसे प्राध्यापकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी प्राध्यापक नियमित रूप से एवं समय पर विश्वविद्यालय में उपस्थित हों, इसके लिए स्पष्ट आदेश जारी किए जाएं। इन सभी मांगो को लेकर विद्यार्थी परिषद द्वारा बताया गया की मांगे पूर्ण न होने पर विद्यार्थी परिषद रचनात्मक आंदोलन करेगी जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी क्योंकि विद्यार्थी परिषद छात्र के लिए सदैव तत्पर है विश्वविद्यालय कुलगुरु द्वारा दो दिवस का समय मांगा गया है ज्ञापन देते हुए।

मध्य क्षेत्र जनजाति कार्य प्रमुख रामाधार बैंस, प्रांत सहमंत्री शिवेंद्र चतुर्वेदी, विभाग संगठन मंत्री सावन सिंह, विभाग संयोजक अखिलेश सिंह, विभाग छात्रा प्रमुख अंजली पांडेय, विश्वविद्यालय मंत्री आकाश मिश्रा,भूमिका द्विवेदी, ओम सोनी, रोशनी पांडेय, हर्षिता मिश्रा, अनुराग पाठक, गोकुल पटेल, विक्रांत शर्मा, अमन तिवारी, एवं परिषद के अन्य कार्यकर्ता वा विश्वविद्यालय के छात्र उपस्थित रहे।

नगर का विकास नहीं, शासकीय राशि का हो रहा विनाश

अध्यक्ष और पार्षदों की जुगलबंदी में ठेकेदार काट रहे चांदी, करा रहे घटिया निर्माण कार्य

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)। नगर परिषद ब्यौहारी मे इन दिनों विकास के नाम पर शासकीय राशि के विनास का नया पठगाथा लिखा जा रहा है। टोपनदास तिराहा से नगरिया मंदिर की ओर बनी बैरिक कोट सड़क ठेकेदार द्वारा किये गये भ्रस्टाचार की चीख चीख कर गवाही दे रही है। उक्त सड़क को बने दो साल भी नहीं हुआ और उसके जगह जगह चीथड़े उड़ गये है। जो भी बचा था वो नाली निर्माण होने की वजह से पूरी तरह से अब वो नरक बन चुकी है लोगों को पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। वंहा की जनता गवाह है कि यंहा सड़क निर्माण मे दिन दहाड़े भ्रस्टाचार नियम कायदो को रौंदते हुए किया गया है। घटिया निर्माण को लेकर सीएमओ और अध्यक्ष को शिकायत की गयी थी पर नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदो की रहस्यमयी चुप्पी ने यह साबित कर दिया है कि यंहा विपक्ष और सत्ता के बीच जनता को लूटने का एक गुप्त अनुबंध हो चुका है। वार्ड 14 मुक्ति धाम पंहुच मार्ग, टोपन दास तिराहा से नगरिया मंदिर तक बैरिक कोट सड़क का निर्माण जिस तरीके से हुआ है, वह सीधे तौर पर लाखो के बंदर बांट का मामला है।

अध्यक्ष भी नहीं दे रहे ध्यान-लोगों का कहना है कि नगर परिषद अध्यक्ष नगर परिषद द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों के आलावा हर जगह ध्यान दे रहे है। कंही कोई मामला हो वो तुरंत वंहा पंहुच विरोध जताते है, पर पता नहीं क्यों नगर परिषद मे ठेकेदार द्वारा कराये जा रहे घटिया निर्माण पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे है इसके पीछे का राज क्या है वही जाने पर यंहा की जनता उनके क्रिया क्लापो को देख प्रश्न चिन्ह लगा रही है जो आने वाले समय मे उन्हें उसके दुस परिणाम देखने को मिल सकता है जिस पर नगर परिषद अध्यक्ष को गौर करने की जरूरत है।

टोपन दास और मुक्ति धाम पंहुच मार्ग की जांच कराकर कार्यवाही की मांग-जानकारों की माने तो पीसीसी सड़क मे 5 साल तक ठेकेदार को संधारण की जिम्मेदारी होती है यदि ये सही है तो फिर नगर परिषद का जिम्मेदार अमला इसे संज्ञान मे क्यों नहीं ले रहा है, इसकी जांच क्यों नहीं करायी जा रही है, क्यों ठेकेदार को सड़क की मरम्मत हेतु नोटिस जारी नही किया जा रहा है। लोगों ने टोपन दास तिराहे से लेकर नगरिया मंदिर की ओर कराये गये बैरिक कोट सड़क निर्माण और वार्ड नंबर 14 मे मेन रोड से मुक्तिधाम पंहुच मार्ग की जांच नवागत सीएमओ व उच्चधिकारियो से करा कर कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

इनका कहना है.....

पीसीसी सड़क निर्माण मे संधारण की अवधि होनी चाहिये मै अभी नयी आयूं हूँ मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है। मै पता करती हूँ। आप जो रोड बता रहे है दिखवाती हूँ जांच करा कर कार्यवाही की जायेगी। **शिवांगी पाण्डेय**
सीएमओ ब्यौहारी

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जिले के ग्राम ददरा टोला निवासी प्रियंका बाई ने शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोहपारू में अतिथि शिक्षक के रूप उपस्थित कराने, अनूपपुर जिले के अमलई के वार्ड नम्बर 4 निवासी संतोष कुमार केवट ने शराब भट्टी को अन्यंत्र जगह स्थानांतरित करने, ग्राम बिजुरी निवासी विकास सिंह ने बिजली कनेक्शन लगवाने, उमरिया जिले के ग्राम बाघन्नारा निवासी अवधलाल बैगा ने भूमि का सीमाकन, नक्शा तरमीम की जांच कराकर कब्जे की आराजी पर कब्जा दिलाएं जाने हेतु आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंहपुर में रेत माफिया बेलगाम : थाना प्रभारी के संरक्षण में अवैध खनन का बड़ा खेल

फोन-पे से वसूली के आरोप ईओडब्ल्यू में शिकायत की तैयारी, ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस प्रशासन मौन

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र में अवैध काले रेत के कारोबार को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। क्षेत्र में रेत माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे खुलेआम नदी-नालों से काला रेत निकालकर परिवहन कर रहे हैं, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही। आरोप है कि यह पूरा अवैध कारोबार थाना प्रभारी के कथित संरक्षण में संचालित हो रहा है।

रात के अंधेरे में धड़ल्ले से हो रहा खनन-स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, सिंहपुर, उधिया, बोड़री, मे रेत माफिया रात के समय सक्रिय हो जाते हैं और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन परिवहन किया जाता है। कई बार शिकायतों के बावजूद पुलिस की निष्क्रियता से लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

फोन-पे से लेन-देन, थानाप्रभारी की जांच की मांग तेज-सूत्रों के मुताबिक, इस अवैध कारोबार में मोबाइल फोन पे के माध्यमो का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। आरोप है कि माफियाओं द्वारा फोन-पे और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए थानाप्रभारी से मोटी रकम का लेन-देन किया जा रहा है।

इससे पूरे नेटवर्क के आर्थिक लेन-देन के सबूत मिलने की संभावना जताई जा रही है। अब इस मामले की शिकायत आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ईओडब्ल्यू में करने की तैयारी चल रही है।

प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल-ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि उन्होंने कई बार इस मामले की शिकायत की, लेकिन जिला पुलिस अधिकारियों द्वारा थाना प्रभारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर किसके दबाव में कार्रवाई टाली जा रही है।

सड़कों और पर्यावरण पर पड़ रहा असर-अवैध खनन के कारण क्षेत्र में भारी वाहनों की लगातार आवाजाही हो रही है, जिससे ग्रामीण सड़कों की हालत खराब होती जा रही है। वहीं, अनियंत्रित खनन से पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंच रहा है, जिससे आने वाले समय में बड़े संकट की आशंका है।

आंदोलन की चेतावनी, बड़ी कार्रवाई की उम्मीद-स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। वहीं, ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज होने के बाद पूरे रेत माफिया नेटवर्क और कथित संरक्षण देने वालों पर बड़ी कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। सिंहपुर थाना क्षेत्र में अवैध रेत खनन का मामला अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। यदि समय रहते इस पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह न केवल कानून व्यवस्था बल्कि पर्यावरण और स्थानीय व्यवस्था के लिए भी बड़ा खतरा बन सकता है।

इनका कहना है.....

शिकायत आयेगी तो जांच कर कार्यवाही जरूर कि जायेगी।
शिवाली चतुर्वेदी
उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा शाखा
जिला शहडोल

यदि रेत माफिया परिवहन करते मिलेगें तो आर्थिक दण्ड की कार्यवाही करूंगा एवं मेरे द्वारा पैसे का लेनदेन फोन-पे में नहीं किया गया। यदि ऐसा है तो जांच करवा लें।

एम एल रहंगडाले
थाना प्रभारी सिंहपुर

निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सूचना देना अनिवार्य,

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिले में निर्माण कार्य कराने वाले नियोजकों के लिए श्रम विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी भवन या अन्य निर्माण कार्य को प्रारंभ करने से पहले उसकी सूचना संबंधित अधिकारी को देना अनिवार्य है, अन्यथा कार्यवाही की जा सकती है। श्रम विभाग के अनुसार निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के तहत सभी निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षा अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने बताया कि श्रम सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्माण स्थल का पंजीयन, श्रमिकों की संख्या, स्थान (लोकेशन) सहित अन्य आवश्यक जानकारी दर्ज की जा रही है। इससे श्रमिकों को मिलने वाली सुविधाओं की निगरानी भी संभव होगी।

स्टांप पर वादा, फिर भी नहीं मिला पैसा-पंचायत के खिलाफ शिकायत

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिले के ग्राम सिमरिया निवासी एक स्थानीय व्यवसायी ने ग्राम पंचायत में किए गए कार्य का भुगतान लंबित होने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है। आवेदक राममनोज ठाकुर ने कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया कि उन्होंने समनापुर तिराहा स्थित अपने प्रतिष्ठान माँ नर्मदा कृपा वेल्डिंग वर्क एवं मटेरियल सप्लायर के माध्यम से ग्राम पंचायत गीधा में लगभग 1.85 लाख रुपये का सेग्रीगेशन कार्य 18 अप्रैल 2022 को किया था। आवेदक के अनुसार कार्य पूर्ण होने के बावजूद आज तक भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार मांग करने पर पंचायत के सरपंच और सचिव द्वारा उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। इतना ही नहीं, फरवरी 2026 तक भुगतान करने का लिखित आश्वासन स्टांप पेपर पर दिया गया था, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी राशि का भुगतान नहीं किया गया। राममनोज ठाकुर ने यह भी बताया कि उन्होंने इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन वहां भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उल्टा पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। आवेदक ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले में हस्तक्षेप कर शीघ्र लंबित भुगतान दिलाया जाए और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

रिश्वत मांगने और काम रोकने के आरोप में ग्राम रोजगार सहायक बरर्खास्त

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिला पंचायत डिंडौरी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए समनापुर जनपद की ग्राम पंचायत कुकर्रामठ में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक तुलाराम ठाकुर की संविदा सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है। यह निर्णय सरपंच द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों और विभागीय जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर लिया गया। मामले के अनुसार, सरपंच उर्मिला धुर्वे ने शिकायत में आरोप लगाया था कि मनरेगा के तहत स्वीकृत पुरनिहिया तालाब के पास पुलिया निर्माण कार्य (लगभग 6 लाख रुपये) को अपने रिश्तेदार ठेकेदार को दिलाने के लिए तुलाराम ठाकुर द्वारा दबाव बनाया जा रहा था। आरोप यह भी था कि कार्य के बदले 50 हजार रुपये की मांग की गई और राशि न देने पर निर्माण कार्य की फाइल (नस्ती) रोक दी गई, जिससे काम शुरू नहीं हो सका। जिला पंचायत द्वारा 17 फरवरी 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। 20 फरवरी को प्रस्तुत जवाब का परीक्षण करने पर यह पाया गया कि आरोपों में पर्याप्त सच्चाई है और संबंधित कर्मचारी का जवाब संतोषजनक नहीं है।

जांच में सामने आया कि कार्य वर्ष 2024 में स्वीकृत होने के बावजूद 2026 तक पूर्ण नहीं हो सका। साथ ही मस्टर रोल जारी करने और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में भी लापरवाही पाई गई, जो कि ग्राम रोजगार सहायक की जिम्मेदारी होती है। मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के दिशा-निर्देशों के तहत कार्रवाई करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डिंडौरी ने तुलाराम ठाकुर की संविदा सेवा समाप्त करने का आदेश जारी किया है। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को आदेश की तामील सुनिश्चित करने और ग्राम पंचायत में नए ग्राम रोजगार सहायक की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए हैं।

जनसुनवाई में 73 आवेदन प्राप्त, कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया गया। जनसुनवाई के दौरान कुल 73 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मेंहदवानी क्षेत्र के निवासी सुदामा प्रसाद साहू एवं रामचरन साहू ने मेंहदवानी से चकदेही मार्ग पर निर्माणाधीन पुलिया कार्य में अनियमितता और डायवर्सन रोड के मुआवजे का भुगतान न होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि निर्माण कंपनी द्वारा डीपीआर में छेड़छाड़ करते हुए कार्य किया जा रहा है तथा अभी तक पुलिया निर्माण पूरा नहीं होने से आमजन को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।

इसी प्रकार समनापुर निवासी भागरती बाई बघेल ने अपने पति, जो कि जल संसाधन विभाग में पदस्थ हैं, द्वारा भरण-पोषण राशि न देने की शिकायत करते हुए वेतन का आधा हिस्सा अपने खाते में दिलाने की मांग की।

ग्राम बरछा निवासी अंशुमन उद्दे ने अपने चार पहिया वाहन के लिए परमिट जारी न किए जाने की समस्या बताई। उन्होंने बताया कि आरटीओ कार्यालय द्वारा बार-बार परेशान किया जा रहा है, जिससे उनका वाहन खड़ा है और परिवार के भरण-पोषण में कठिनाई हो रही है।

साथ ही शहपुरा से बटौंधा मार्ग पर बस एवं टैक्सी किराया अधिक वसूले जाने को लेकर ग्रामीणों ने शिकायत की। उन्होंने परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित दर के अनुसार किराया लागू कराने की मांग की, जिससे आमजन, विशेषकर छात्र और मजदूर वर्ग को राहत मिल सके। इसी प्रकार ग्राम सिंगपुर निवासी सोमकुमार ने राशन कार्ड न बनने की समस्या बताई। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग द्वारा सर्वर की समस्या बताकर लगातार टालमटोल किया जा रहा है।

कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आए आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, एसडीएम सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियांशी जैन सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट घेरने जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प

पुलिस ने किया लाठी चार्ज, डेढ़ दर्जन से अधिक गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के पदाधिकारियों-कार्यकर्ता मंगलवार को लंबित छात्रसंघ चुनाव, किराए की इमतारतों में संचालित स्कूल, अवैध शराब व्यापार जैसी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट घेराव करने पहुंचे। इस दौरान घंटाघर चौक के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उनको रोकने का प्रयास किया। जिसके बाद भी एनएसयूआई कार्यकर्ता नहीं मांगे और आगे बढ़ते रहे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शन कारियों की जमकर झड़प हुई। जानकारी अनुसार बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता टाउन हॉल से कलेक्ट्रेट की ओर प्रदर्शन करते हुए निकले। घंटाघर के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ता बैरिकेड पार कर आगे बढने लगे। इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर उन्हें खदेड़ा और स्थिति नियंत्रित की। इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों को हल्की चोटें भी आई हैं।

बंद हो शिक्षा का व्यवसायीकरण

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सचिन रजक ने आरोप लगाया कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर कई लोग सरकारी विभागों में नौकरी कर रहे हैं, जिनकी जांच कर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा छात्रों को रेलवे और सरकारी बसों में रियायत देने, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और कॉलेजों के आसपास से शराब दुकानों को हटाने की भी मांग की गई। एनएसयूआई ने शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि स्कूल-कॉलेजों द्वारा की जा रही अवैध वसूली पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

इन्होंने कहा

एनएसयूआई द्वारा अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट जाने का प्रयास कर रहे थे। प्रशासन की ओर से एसडीएम को मौके पर बुलाकर बातचीत की कोशिश की गई, लेकिन जब कार्यकर्ता जबरन आगे बढने लगे तो पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा था।

सोनू कुर्मी, नगर पुलिस अधीक्षक ओमती

नवरात्रि के समय मिल सकती है गर्मी से हल्की राहत

प्रदेश के कई हिस्सों में दिख सकता है पश्चिमी विक्षोभ का असर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मार्च माह में ही तेज गर्मी पड़ने से आमजन आने वाले दिनों में भीषण गर्मी को लेकर चिंतित दिख रहे हैं। हालांकि मौसम विशेषज्ञों ने चैत्र नवरात्र के दौरान गर्मी से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान विभाग भोपाल केंद्र के अनुसार 18 मार्च से प्रभावी हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है।

बादलों के आने से कम होगी तपिश- बादलों की आवाजाही के कारण सूर्य की सीधी किरणें जमीन तक कम पहुंचेंगी, जिससे दिन के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इससे प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर लोगों को गर्मी से अस्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। स्थानीय मौसम वेधशाला के अनुसार मंगलवार को शहर का न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। वहीं अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि एक वर्ष पूर्व आज के दिन अधिकतम तापमान 33.9 ओर न्यूनतम तापमान 19.6 दर्ज किया गया था।

तीन दिवसीय एमपी ध्यान महायज्ञ का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में पहली बार तीन दिवसीय विशाल एमपी ध्यान महायज्ञ का आयोजन 20, 21 एवं 22 मार्च को मानस भवन में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटी मूवमेंट (पीएसएसएम) जबलपुर एवं पीएमसी हिंदी द्वारा किया जा रहा है। संस्था की अध्यक्ष, संगीता डोडानी ने बताया कि इस महायज्ञ में देशभर से लगभग 1000 से अधिक साधकों के शामिल होने की संभावना है, जो ध्यान के माध्यम से आंतरिक शांति और आत्मिक विकास का अनुभव करेंगे। इस संस्था के संस्थापक ब्रह्मऋषि पितामह सुभाष पत्री हैं, जिनके मार्गदर्शन में पूरे विश्व में ध्यान का प्रचार-प्रसार हो रहा है। कार्यक्रम में अनुभवी वक्ता देश के विभिन्न हिस्सों से आकर अपने ध्यान अनुभव साझा करेंगे और ध्यान के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डालेंगे।

एक सटोरिये के साथ पांच जुआरी भी पुलिस के हत्थे चढ़े

क्राईम ब्रांच की बेलबाग क्षेत्र में कार्रवाई, 63 सौ की नगदी जब्त

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

क्राईम ब्रांच की टीम ने बेलबाग पुलिस के साथ मिलकर दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। जहां से पुलिस ने एक सटोरिये को सट्टा पट्टी लिखते हुए दबोचा तो वहीं दूसरे स्थान पर इक्का-बली पर दांव लगा रहे पांच जुआरियों को हिरासत में लिया। पुलिस ने उक्त आरोपियों के पास से 63 सौ रुपये की नगदी, ताश के 52 पत्तें व सट्टा पट्टी जब्त की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम ने बेलबाग पुलिस के साथ मिलकर भानतलैया बप्पा स्टील के पीछे दबिश दी। जहां से दिलीप चौधरी उम्र 58 वर्ष निवासी भानतलैया सिंधी केम्प के पास हनुमानताल को हिरासत में लिया। जिसने सट्टा पट्टी लिखने के संबंध में बताया कि वह शेखर सोनकर निवासी खटीक मोहल्ला के कहने पर सट्टा पट्टी लिखता है। जिसके एवज में उसे तीन सौ रुपये की दिहाड़ी मिलती है। पुलिस ने आरोपी दिलीप चौधरी के कब्जे से सट्टा पट्टी स्लिप बुक जिसमें सट्टा के अंक लिखे हुये तथा नगदी 5 हजार रूपये जब्त किये। इसके बाद पुलिस टीम ने भानतलैया खटीक मोहल्ला पहाड़ी में दबिश दी। जहां से राहुल सोनकर निवासी खटीक मोहल्ला, शिवम सिंह ठाकुर निवासी नर्मदा स्कूल के पीछे कटंगा थाना केण्ट, अभिषेक सोनकर निवासी खटीक मोहल्ला, संजय चौधरी निवासी चौधरी मोहल्ला, अज्जू चौधरी निवासी सिंधी केम्प चौधरी मोहल्ला को पकड़ा। जिनके पास से ताश के 52 पत्तें व 13 सौ रुपये की नगदी जब्त की गई।

गड्ढों में तब्दील हुई सड़क ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

सिहोरा अंतर्गत ग्राम पंचायत घुघरी नवीन का मामला

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

ग्राम पंचायत घुघरी नवीन के पोषित तीन गांव को जोडने वाली सडक मौजूदा समय मे दुर्दशा के आंसू बहा रही है। ग्राम मुस्कुरा मुस्कुरी नेगई की सड़क जो एनएच 30 बघेला नाला के पहले लगभग सन 2019 में बनकर तैयार हुई थी। सड़क का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हुआ था अब वर्तमान स्थिति मे यह सडक जगह-जगह खराब हो चुकी है। गांव के लोगो का कहना है की सड़क में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं सड़क अनेक स्थानों मे क्रेक हो गई है पटरी झाड़ियां में गुम हो गई है सडक मे जगह-जगह गड्ढे हो गये है जो दुर्घटना को खुला आमंत्रण दे रहे है। जिससे लगभग तीन गांव के ग्रामीणों को आवागमन करने में परेशानी होती है। आपको बता दें की इस सड़क का निर्माण होने से इन तीन गांव के वांसिदों को आवागमन में काफी सुविधा होने लगी थी सड़क बनने के बाद से यहां के ग्रामीणों को तहसील मुख्यालय जिला मुख्यालय व नजदीकी कस्बा गोसलपुर आने जाने में सहूलियत होने लगी थी। परंतु सर्बंधित ठेकेदार की देखरेख के अभाव सडक जल्द खराब हो गई ग्राम के जागरूक लोगों ने सडक की गारंटी पीरियड मे ठेकेदार द्वारा समय-समय पर सड़क की मरम्मत की मांग की जाती रही

परंतु मांग को नजर अंदाज किया गया। विभाग के मुताबिक तय किए हुये नियम निर्देश के तहत मेंटेनेंस न करने के कारण यह सडक गड्ढों मे तब्दील हो गई। क्षेत्र के राघवेंद्र पालीवाल, सोहन श्रीवास, सुभाष पटेल ने बताया की यह तीन किलोमीटर की सडक से तीन गांव के लोगो के साथ स्कूली बच्चे आना जाना करते है, जिससे परेशानी बढ गई है। ग्रामीणों ने बताया की एनएच 30 से मुस्कुरा मसकुरी रोड पर आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित पुलिया का कुछ हिस्सा टूटने से सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है आधी सड़क धस चुकी है। जहां पर आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है फिर भी रात के घुप्प अंधेरे में चार पहिया दो पहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते है। लोगों ने इस संबंध में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों व जिला प्रशासन से ध्यान देने की मांग की है।

इन्होंने कहा

एनएच 30 बघेला नाला से मुस्कुरा मुस्कुरी नेगई सड़क का रिनुअल होना है जिसके तहत सड़क का डामरीकरण किया जावेगा। संबंधित ठेकेदार को निर्देश जारी किए जाएंगे।

श्रद्धा भार्गव, महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अंजुमन इस्लामिया महिला महाविद्यालय गोहलपुर में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाविधालय की एनएसएस इकाई, रेड रिबन क्लब और फेमिली प्लानिंग एसोसियेशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त तत्वाधान में स्वास्थ्य जारूकता के तहत एड्स जागरूकता एवं युवा स्वास्थ्य के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें मुक्ता भटेले ने महिला और उनसे जुड़े अधिकारो पर चर्चा की। किरण कालबे द्वारा छात्राओं को प्रजनन स्वास्थ्य एवं विभिन्न बीमारियों से बचाव के संबंध में प्रशिक्षित किया गया। यह कार्यक्रम महाविधालय की प्राचार्या डॉ. शबाना अंजुम एवं रेशमा शेखन के दिशानिर्देश पर आयोजित हुआ । कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ब्राह्मण प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों ने दिखाया अपना दमखम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

ब्राह्मण प्रीमियर लीग के 12 मार्च से 17 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन रानीताल स्टेडियम स्थित वेलोड्रम ग्राउंड पर किया जा रहा है, जिसमें संस्कारधानी जबलपुर की 16 टीमें स्पर्धा में भाग ले रही हैं। प्रतिदिन डे-नाईट के दो से चार मैच खेले जा रहे हैं। क्रिकेट खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। बीपीएल के पांचवें दिन तीन मैच खेले गए। ब्राह्मण प्रीमियर लीग के मंच पर बैठकर नगर की जानी-मानी साहित्यिक विभूतियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि आचार्य विजय तिवारी किसलय, विशिष्ट अतिथि राजेश पाठक प्रवीण, संतोष नेमा संतोष ने सिक्का उछालकर खेल का श्रीगणेश किया। अतिथियों ने आयोजन की

प्रशंसा करते हुए इसे युवाओं की प्रतिभाओं में निखार और एकता हेतु अनूठा कार्य बताया। महेश स्थापक, जागेश्वर दुबे, रमाकांत गौतम आदि भी मंचासीन रहे। सिद्धार्थ तिवारी, सुविल तिवारी संजय चौकसे, सतेंद्र दुबे द्वारा मैचों का आंखों देखा हाल सुनाया गया। लिटिल वर्ड स्कूल के खेल अधिकारी धीरज उपाध्याय स्पोर्ट्स ऑफिसर द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। अपने ब्राह्मण प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के छठवें दिन पहला मैच शिवान्या एकादश विरुद्ध श्री राम एकादश के बीच खेला गया जिसमें श्री राम एकादश ने पहले बैटिंग करते हुऐ, 10 ओवरों में 55 रन बनाए। इसके जवाब में शिवान्या एकादश ने अपने लक्ष्य को बड़ी आसानी से 4 ओवर में ही प्राप्त कर विजय हासिल की। शिवान्या एकादश के ऊदल को मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया। दूसरा मैच बालाजी एकादश विरुद्ध शौर्य एकादश के बीच खेला गया जिसमें बालाजी एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुऐ शौर्य एकादश को 68 रनों का लक्ष्य दिया, जिसे शौर्य एकादश ने मात्र 6 ओवरों में ही प्राप्त कर लिया। इस मैच के में ऑफ द मैच एस त्रिपाठी बने जिन्होंने मैच में ऑलराउंडर प्रदर्शन किया था। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्य सुविल तिवारी, सिद्धार्थ तिवारी, सतेंद्र पांडेय, अनुराग तिवारी, रितेश मिश्रा, पं. धीरेश उपाध्याय आदि का योगदान रहा।

श्रीमति सुशीला सिंह ठाकुर का निधन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ाफाटक निवासी श्रीमति सुशीला सिंह ठाकुर का मंगलवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनकी अंत्येष्टि दोपहर 12 बजे रानीताल मुक्ति धाम में संपन्न हुई। वह गढ़ाफाटक बड़ी महाकाली के पंडा विजय सिंह ठाकुर, विनोद सिंह ठाकुर, विश्वनाथ सिंह ठाकुर, नरेश सिंह ठाकुर, राजू सिंह, रामसिंह ठाकुर (बबलू) और श्याम सिंह ठाकुर की माता थीं। इस दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

धूमधाम से मनाया गया मां कर्मा देवी का जन्मोत्सव पर्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

साहू समाज की आराध्य मां कर्मा देवी का 1010वां जन्मोत्सव समाज द्वारा सोमवार 16 मार्च को मानस भवन में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मां कर्मा देवी के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर पूजन अर्चन कर पुष्पमाला, नारियल व खिचड़ी का भोग लगाते हुए समाज के समस्त लोगों ने पूजन का लाभ उठाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रविकरण साहू, आभा साहू, प्रभात साहू रहे। साथ ही विशिष्ठ अतिथियों में राधेश्याम साहू, डॉ. दीपक साहू, रजनी कैलाश साहू, अरूणा संजय साहू, अनुराग साहू , श्रद्धा साहू, नीतू आशीष साहू, सुधीर साहू, डॉ. पुरुषोत्तम साहू, राजकुमार साहू, राम कुमार साहू , अशोक साहू, रहे कार्यक्रम में मेघावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया एवं छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई एवं समस्त अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं माँ कर्मादेवी का तैलचित्र प्रदान कर पुष्पमाला से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष दीपक साहू, अनिल साहू, धीरज साहू, सतीश साहू, एड सुरेश साहू, संजय साहू, रंजीत साहू, एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जबलपुर-दमोह नई रेलवे लाइन जरूरी पमरे का बढ़ाया जाए कार्यक्षेत्रः सांसद दुबे

लोकसभा सत्र में सासंद अशीष दुबे ने उठाए रेल संबंधित विभिन्न मुद्दें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सांसद आशीष दुबे ने मंगलवार को लोकसभा में जबलपुर संसदीय क्षेत्र से जुड़ी रेल सेवाओं के उन्नयन की मांग जोरदार तरीके से उठाई। श्री दुबे ने लोकसभा में कहा कि पश्चिम मध्य रेल का मुख्यालय जबलपुर में स्थित है और क्षेत्रीय विकास के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये जबलपुर अंचल को केंद्र सरकार की ओर से और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के माध्यम से कई सौगातें मिली हैं परंतु अभी भी कुछ बिंदु ऐसे हैं जिन पर रेल मंत्री दृष्टि डालेंगे तो क्षेत्र के विकास की गति और बढ़ जायेगी। सांसद श्री दुबे ने कहा कि जबलपुर से दमोह के बीच नई रेलवे लाईन, पश्चिम मध्य रेल जोन के कार्यक्षेत्र में नये स्टेशनों को शामिल करना, जबलपुर से पुणे और अमृतसर सहित अन्य स्थानों के लिये प्रतिदिन ट्रेनों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जबलपुर से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की कनेक्टिविटी को वृहद आकार देते हुए रायपुर और नागपुर के लिये नई ट्रेनों का चलाया जाना जरूरी है और जबलपुर-

नैनपुर-बालाघाट-गोंदिया ब्रॉडगेज लाईन का काम पूरा होने के बाद अब इस मार्ग पर नई ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। सांसद श्री दुबे ने कहा कि जबलपुर से बेंगलुरू, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और तिरूअनंतपुरम के लिये भी सीधी ट्रेन चलाने की जरूरत है। सांसद श्री दुबे ने कहा कि पश्चिम मध्य रेल क्षेत्र जोन में ग्वारीघाट से लेकर गढ़ा रेलवे स्टेशन और आगे तक के कुछ अन्य स्टेशनों को शामिल किये जाने की आवश्यकता है।

जबलपर-दमोह की दूरी हो जाएगी कम

वर्तमान में ये सभी स्टेशन जबलपुर या जबलपुर के अत्यंत निकट स्थित हैं परंतु इनका कार्य संचालन एसईसीआर यानी दक्षिण पूर्व मध्य रेल जोन के अंतर्गत किया जा रहा है। अगर इन स्टेशनों को डब्ल्यूसीआर यानी पश्चिम मध्य रेल जोन में शामिल कर लिया जाये तो यात्री सुविधाएं भी बढ़ जायेंगी और रेल विभाग के लिये कार्य संचालन भी अत्यंत आसान हो जायेगा। सांसद श्री दुबे ने जबलपुर से दमोह व्हाया कुण्डलपुर नई रेलवे लाईन का विस्तृत विवरण दिया। जहां उन्होंने अपने उद्बोधन में इस रेल लाईन की मांग की वहीं विस्तृत जानकारी में कहा कि नई जबलपर-दमोह रेल लाईन दोनों शहरों के बीच की दूरी कई किमी कम कर देगी और यात्रा का समय भी वर्तमान 4 घंटा से घटकर लगभग आधा हो जायेगा।

हनुमान प्रतिमा में लगाई गई आग, भड़का आक्रोश

पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया अपराध, जांच विवेचना शुरू, धार्मिक संगठनों ने कटंगी बंद की दी चेतावनी

बालाघाट/कटंगी(स्वतंत्र मत)

बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम जाम में स्थित प्राचीन जामेश्वर मंदिर के भीतर मौजूद राम भक्त हनुमान की प्रतिमा को अज्ञात के द्वारा आटे का लेप लगाकर आग लगा दी गई। इस घटना से गांव में भयंकर आक्रोश भड़क गया। आगजनी की इस घटना को सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात्रि में अंजाम दिया गया है। मंगलवार की सुबह करीब 06 बजे मंदिर के पुजारी टोरूमल राहंगडाले की बहू ज्ञानता बाई राहंगडाले जो मंदिर में पानी लेने के लिए गई हुई थी। उन्होंने मूर्ति को जली हुई अवस्था में देखा और उल्टे पांव वापस घर की तरफ लौटकर सभी को पूरी बात बताई। जिसके बाद धीरे-धीरे पूरे गांव में मूर्ति में आग लगाने की खबर फैल गई। पुलिस को भी सूचना दी गई सूचना मिलने पर सबसे पहले कटंगी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए गांव में किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना हो इससे निपटने के लिए तिरोड़ी और अन्य थानों का पुलिस बल भी घटनास्थल पर बुलाया गया। इधर, बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर में एकत्रित हो गए। मंदिर परिसर में मूर्ति का हाल देखकर ग्रामीणों ने करीब 02 घंटे तक मंदिर परिसर और बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और सुबह करीब 08 बजे ग्रामीणों ने गांव से पैदल रैली निकालकर कटंगी थाने पहुंचे। यहां हिंदू धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ ग्रामीणों ने शीघ्र ही अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी करने की मांग रखी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल की बेहद सूक्ष्मता से जांच की है। जांच उपरांत ग्रामीणों की मौजूदगी में प्रतिमा को पुन: चोला अर्पित किया गया। इधर, थाने में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ ग्रामीणों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, एसडीएम के.एस.ठाकुर, एसडीओपी अभिषेक चौधरी, थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम से चर्चा करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने की मांग रखी। ग्रामीणों ने बिना जांच के ही प्रतिमा को चोला अर्पित करने पर भी विरोध जताया। एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 298 की कार्रवाई की गई है। हिंदू धार्मिक संगठनों ने विरोध जताते हुए कहा कि मूर्ति को आग लगाने वाले का पता नहीं लगाया गया तो विरोध में आगामी 20 मार्च को कटंगी बंद किया जाएगा। बता दें कि जिस मंदिर की यह घटना है वह काफी प्राचीन मंदिर है ग्रामीणों की मंदिर के प्रति गहरी आस्था है। यहां पर प्रति वर्ष महाशिवरात्रि का मेला भी लगता है और हर दिन ग्रामीण पूजा-अर्चना करने के लिए आते है। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रतिमा पर पहले आटे का लेप लगाया गया। प्रतिमा के पास में ही दो बड़े आटे के दीपक भी दिखाई दिए। यह दीपक भी आगजनी से जलकर प्रभावित हुए है। मंदिर परिसर के आस-पास कई सिंदूरी रंग से रंगा हुआ चांवल भी बिखरा हुआ दिखाई दिया। गांव में चर्चा है कि तांत्रिक प्रक्रिया करने वालों के द्वारा मंदिर की प्रतिमा को आग लगाई गई है। खैर, पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी कि मंदिर की प्रतिमा को आग किसने लगाई आगजनी के पीछे आखिरकार उसकी मंशा क्या थी। अब पुलिस को क्षेत्र का सामाजिक सौहार्द बना रहे इसलिए इस मामले की गंभीरता से जांच करते हुए तत्काल आरोपियों का पता लगाने की जरूरत है। धार्मिक संगठनों ने साफ कर दिया है कि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर धरना प्रदर्शन और कटंगी बंद किया जाएगा।

इनका कहना है

हनुमान जी की प्रतिमा को आग लगाई गई है अज्ञात के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 298 की कार्रवाई की गई है। जिसने घटना कारित है उसका पता लगाया जा रहा है।

अभिषेक चौधरी, एसडीओपी कटंगी

कथित चर्च की इमारत के निर्माण पर रोक लगाने की मांग

कटंगी(स्वतंत्र मत)। हिंदू धार्मिक संगठन विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के पदाधिकारियों और नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोसाई मोहल्ला के स्थानीय रहवासियों ने मंगलवार की दोपहर साढ़े 12 बजे थाना पहुंचकर एसडीएम और थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपकर वार्ड में बनने वाली कथित चर्च की इमारत के निर्माण पर रोक लगाने की मांग की है। एसडीएम ने शीघ्र जांच करवाकर कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। स्थानीय रहवासियों ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से चर्च का निर्माण किया जा रहा है। चर्च के निर्माण के संबंध में कोई अनुमति नहीं ली गई और निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। निर्माण का विरोध करने वाले लोगों का आरोप है कि इस कथित चर्च के निर्माण से आवासीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को भविष्य में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। बच्चों की शिक्षा, नैतिक विकास में बाधा उत्पन्न होने की भी पूर्ण संभावना जताई जा रही है। चर्च के निर्माण से धर्म परिवर्तन जैसी कुरीतियों को प्रोत्साहन मिलेगा और लोगों के पैतृक धर्म पर गलत प्रभाव होगा। वार्ड में सभी धर्म को मानने वाले लोग रहते है। ईसाई धर्म को मानने वाला कोई भी व्यक्ति निवास नहीं करता। प्रशासनिक अधिकारियों को जो ज्ञापन सौंपा गया है उसमें करीब 80 लोगों के हस्ताक्षर है। दरअसल, ज्ञापन में बताया गया है कि गोसाई मोहल्ला में ईसाई धर्म को मानने वाला कोई परिवार नहीं रहता किंतु रविवार को गोसाई मोहल्ला के ही सोनू ठाकरे के घर पर प्रार्थना सभा चल रही थी। जहां पर धर्म परिवर्तन किया जा रहा है ऐसा आरोप लगाते हुए धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों ने स्थानीय लोगों के साथ हंगामा किया था। पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि वहां केवल प्रार्थना सभा चल रही थी किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी प्रलोभन देकर धर्मांतरण नहीं करवाया जा रहा था जो लोग प्रार्थना सभा में शामिल हुए थे वह स्वेच्छा से वहां आए थे। हालांकि इसके बावजूद जब प्रार्थना सभा स्थल पर विवाद हुआ तो दोनों ही पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे के धर्म के प्रति अभद्र टिप्पणी की तो पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए प्रार्थना सभा में शामिल 08 लोगों के खिलाफ धार्मिक भावना आहत करने का मामला पंजीबद्ध कर लिया।

चेचपुर-समरकोइनी रोड में चल रहा है लीपापोती..!

पीडब्ल्यूडी की सड़क में ठेकेदार की मनमानी से हो रहा है गुणवत्ता विहीन निर्माण

मानपुर (स्वतंत्रमत)

क्षेत्रीय विकास में तेजी एवं सड़क दुर्घटना में कमी श्रेय सड़क के अच्छी ब्यवस्था पर जाता है, मानपुर विधायक के पहल से क्षेत्र में निमार्ण कार्यों की होड़ लगी रहती है, जहां कुछ विभाग के कमी और ठेकेदारों के मनमानी से गुणवत्ता विहीन निर्माण होना कोई नई बात नहीं है जिससे कोई अंजान भी नहीं है, यही दसा मानपुर से लगभग 14 किलोमीटर दूर हिरौली तिराहा से 12 किलो मीटर पीडब्ल्यूडी के द्वारा रोड़ पर डामर की परत चढ़ाने का काम तेजी से चल रहा है, कुछ वर्ष पहले इसी रोड का निर्माण बिभाग के लापरवाही के कारण घटिया तरीका से बनवाया गया था, जो जल्द ही उखड़ कर विशाल गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुका है, शाषन के द्वारा क्षेत्र की जनता की समस्या को देखते हुए पुन: मोटी बजट से स्वीकृत कर के डामरी करण करवाने का काम लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है, जो कार्य शहडोल के आसीष मिश्रा ठेकेदार द्वारा जल्दी बाजी में करवाया जा रहा है, जिसका निर्माण गुणवत्ता विहीन किया जा रहा है.! सूत्रों की माने तो तकरीबन क्रालिटी विहीन एक ड्रम इमर्सन में स्पीडर नहीं पानी मिलाकर एक किमी तक पूजाया जाता है, वहीं 20 मिमी गिट्टी युक्त बजरी के सांथ डामर के मिश्रण को फैलाया जाता है, जहां गड्ढों को छोड़कर लेविल वाले सड़क के ऊपर तकरीबन आधा इंच से भी कम मोटी परत चढ़ाई जा रही है, यहां निम्न क्रालिटी वाले ठंडे डामर मिश्रण का उपयोग हो रहा है, कई जगह की यह डामर परत उखड़ने लगी है। क्षेत्र वासियों का कहना है कि इस सड़क में 11 मार्च से निर्माण कार्य बड़े तेजी से हो रहा है, जिस स्थल पर स्टीमेट के सांथ उपस्थित होकर निर्माण कार्य करवाने वाले कोई उपयंत्री देखने को नही मिले हैं, यहां आज तक निरीक्षण के नाम पर किसी अधिकारी का आगमन तो दूर समस्या सुनने के लिये फोन तक नहीं उठाया जाता है, इस निर्माण में पूरी जवाबदारी के सांथ कोई गुप्ता जी हैं जो ठेकेदार इंचार्ज के नाम से जाने जाते हैं, यहां रोड नर्माण परत मापक और डामर नमी - हीट मापक जैसे कोई यंत्र उपयोग भी नहीं हो रहा है।

चार शावकों की मां बाघिन गौरा लापता या मौत!

भूख और डर से भटक रहे शावक, सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व का मामला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बाघों की दहाड़ के लिए जाना जाता है, आज वहां एक सन्नाटा पसरा हुआ है। यह सन्नाटा किसी शांति का प्रतीक नहीं, बल्कि एक अनहोनी की आहट दे रहा है। जंगल की शान और पर्यटकों का मन मोहने वाली मादा बाघ गौरा अपने एक शावक के साथ पिछले डेढ़ महीने से लापता है। चार शावकों की उम्र करीब सात से आठ वर्ष के बताए जा रहें है। क्या लालबर्रा वन विभाग की फाइलों में एक और बाघ की मौत दर्ज होने वाली है? जानकारी अनुसार, गौरा केवल एक बाघिन नहीं, बल्कि चार नन्हें शावकों की मां थी। वह मां जो अपने बच्चों को एक पल के लिए भी अकेला नहीं छोड़ती थी, आज उसी के बच्चे भूख और असुरक्षा से तड़प रहे हैं। 12 मार्च को जब तीन शावकों का वीडियो सामने आया, तो उनकी हालत देख कलेजा मुंह को आ गया। मां के बिना वे मासूम जंगल में भटक रहे हैं, और सबसे डरावना सच यह है कि चौथा शावक भी अब कहीं दिखाई नहीं दे रहा है।

सोता रहा विभाग, उजड़ गया कुनबा...

हैरानी की बात यह है कि जिस बाघिन की हर पल मॉनिटरिंग होनी चाहिए थी, विभाग को उसके लापता होने की खबर तक नहीं लगी। जब पर्यटक गाडियां जानकारी देतीं, तब विभाग जागता। जानकारों का कहना है कि अगर समय रहते कैमरा ट्रैप और प्रशिक्षित टीमें लगाई जातीं, तो शायद

आज गौरा सुरक्षित होती। वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट सिकन्दर मिश्रा का कहना है कि, बाघों की सुरक्षा केवल कागजों पर सिमट कर रह गई है। पुराने दागों से विभाग ने कोई सबक नहीं लिया, जिसका खामियाजा इन बेजुबानों को भुगतना पड़ रहा है।

विभाग की निगरानी में क्यों नहीं...

सूत्रों के मुताबिक हाल ही में नवागत डीएफओ नित्यानंथनम भी लालबर्रा के नवेगांव क्षेत्र पहुंचे थे और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए थे। बताया जा रहा है कि वे वन्यजीव संरक्षण को लेकर संवेदनशील हैं और विभागीय संसाधन बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बावजूद एक वयस्क बाघिन और उसका शावक लापता होना विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

क्या इतिहास फिर से दोहराया जा रहा है?

लालबर्रा का पिछला रिकॉर्ड दागदार रहा है। अभी कुछ समय पहले ही एक बाघ को जलाकर साक्ष्य मिटाने का शर्मनाक मामला सामने आया था। गौरा का लापता होना और शावकों की बदहाली उसी खौफनाक इतिहास की पुनरावृत्ति लग रही है। सोनेवानी वन्यजीव सुरक्षा समिति ने अब मोर्चा खोल दिया है। उनकी मांग स्पष्ट हैं-बचे हुए कमजोर शावकों को तत्काल रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित वातावरण दिया जाए और इस घोर लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो।

इनका कहना हैं

गौरा और उसके शावक की तलाश के लिए विशेष टीम गठित कर व्यापक सर्च अभियान चलाया जाए। साथ ही बचे हुए शावकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पडने पर उनका रेस्क्यू किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जंगल की इस अनमोल विरासत को बचाने के लिए त्वरित कदम उठाना अब बेहद जरूरी माना जा रहा है।

सिकंदर मिश्रा, वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट

मानपुर में आज दिव्यांग शिविर का आयोजन

मानपुर (स्वतंत्रमत)

सामाजिक सुरक्षा योजना दिब्योंगों के लिये बना वरदान, इस योजना से असहाय लोगों को सरकार के द्वारा बड़ा सहयोग मिलता रहता है, जिससे पात्र दिब्यांग सरकार के प्रति प्रशन्नता जाहिर करते मिला करते हैं, श्रीमती माधुरी पटेल ने कहा कि मैं गरीब गरीब और परित्यक्ता असहाय महिला हूं, तेंदू पत्ती तोड़ते वक्त पेड़ से गिर गई थी, तब मरे कमर से हड्डी के टूट जाने से उठने बैठने और रेंगने का प्रतिक्रिया पूरी तरह से बंद हो गया था, मेरा इलाज कई जगह हुआ पर मुझे पूर्ण राह नही मिला। कुछ दिन बाद जनपद पंचायत मानुपर में दिब्यांग शिविर की जानकारी पाकर वहां से मुझे प्रमाण पत्र, पेंशन और बैटरी वाली तिपहिया साइकिल मिला, जिसके सहारे मैं बाजार का काम एवं घरेलू अपने काम करने में सक्षम हुई, जिसमें मानपुर जनपद पंचायत के अमित बैगा का बहुत सहयोग मिला। वहीं मानपुर निवासी गुप्ता जी ने बताया कि मैं बहुत गरीब और बेसहारा परिवार से हूं मेरे शिर्फ एक पुत्र था जो जल प्रपात का शिकार हो गयाहै, उसी दरम्यान एक्सीडेंट से मेरा पैर टूट गयाथा तब से मेरी स्थित बहुत दयनीय और पीड़ित हो गई थी, तब मानपुर में लगे सिविर से मुझे बैटरी वाली साइकिल मिला जो मेरा सहारा बना, जिसके लिये मैं मानपुर जनपद के स्टॉप को एवं सरकार के सांथ क्षेत्रीय विधायक सुश्री मीना सिंह जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। जनपद पंचायत मानपुर के इंस्पेक्टर एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अमित जी ने बताया कि मानपुर में 18 मार्च को दिब्यांग शिविर है जिसमें सभी पात्रों के सादर आर्मंत्रित किया जा रहा है।उमरिया जिला के डिप्टी कलेक्टर एवं मानपुर जनपद पंचायत के सीईओ प्रत्यूश श्रीवास्तव जी ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के तहत कल बुधवार को जनपद पंचायत मानपुर के प्रांगण में कल दिब्यांग परिक्षण सिविर लगेगा।

आदर्श कालेज में तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के उच्चशिक्षा विभाग के अनुसार उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के परिपालन में शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संबंध में छात्र-छात्राओं को तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने एवं आत्महत्याओं को रोकने के लिए कार्यशाला का आयोजन व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ एवं एन.एस.एस. इकाई द्वारा संयुक्त रूप से 13 से 17 मार्च 2026 को

किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सी.बी. सोदिया के मार्गदर्शन में व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ नियाज अहमद अंसारी ने तनाव प्रबंधन से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 के महत्वपूर्ण प्रावधानों, भावना प्रबंधन एवं प्रसन्नचित जीवन शैली को रोचकपूर्ण तरीके से समझाया। कार्यक्रम संयोजक निशीकर्ण और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी रेम सिंह हटीला द्वारा छात्र-छात्राओं को सार्थक जीवन जीने के लिए अच्छी बातों को आत्मसात करने पर बल दिया। इसके साथ ही परीक्षार्थियों की आत्महत्याओं को रोकने,सकारात्मक जीवन शैली अपनाने, तनाव से बचने, भावना प्रबंधन आदि से संबंधित वीडियोज भी दिखाए गए। डॉ. हरेन्द्र कुमार ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकों सहित सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।

मार्च एवं अप्रैल माह की राशन सामग्री एकसाथ कराई जा रही वितरित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। एनएफएसए अंतर्गत समस्त पात्र परिवारों को शासन द्वारा मार्च एवं अप्रैल माह की राशन सामग्री एकसाथ वितरित कराई जा रही है। इसके लिए हितग्राही उचित मूल्य दुकानों पर लगायी गयी पीओएस मशीन से एकबार मार्च माह के लिए तथा दूसरी बार अप्रैल माह के लिए इस प्रकार कुल 2 बार मशीन पर अपना अंगूठा लगाकर बॉयोमेट्रिक सत्यापन करना होगा। 2 बार अंगूठा लगाने के बाद उचित मूल्य दुकान के विक्रेता द्वारा हितग्राही को दोनो माहों की राशन सामग्री एकसाथ दी जावेगी। एनएफएसए अंतर्गत समस्त पात्र परिवारों से अपील है कि उचित मूल्य दुकान से दो बार बॉयोमेट्रिक सत्यापन (अंगूठा लगाकर) करके अपनी मार्च एवं अप्रैल दोनो माह की पात्रतानुसार राशन सामग्री एवं मशीन से निकाली गई 02 पावती भी प्राप्त करें।

भाजपा ने 5 मंडलों की घोषित की कार्यकारिणी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सोमवार 16 मार्च को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जिले के अंतर्गत शेष रहे गए पांच मंडलों की कार्यकारिणी घोषित की है। भाजपा के संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया के निर्देशानुसार जिला प्रभारी राजेंद्र पांडे और भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल की सहमति से कार्यकारिणी घोषित की गई है।कार्यकारिणी घोषित होने वाले मंडलों में नगर मंडल उमरिया, मंडल करकेली,मंडल घुनघुटी,मंडल अमरपुर और मंडल इंदवार शामिल है।भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, वरिष्ठ नेता मिथिलेश पयासी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र तिवारी, उपाध्यक्ष धनुषधारी सिंह, सुमित गौतम, आदि उपस्थित रहे।

एक जंगल....दो दिन...और दो लाशें

प्रेम, शक और मौत की खामोश कहानी! 48 घंटे में पांढरीपाठ मंदिर के जंगल में मिली दो लाशें।

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के बहेला थाना क्षेत्र में स्थित पांढरीपाठ देवी मंदिर के पीछे का शांत जंगल अचानक एक सनसनीखेज मर्डर मिस्ट्री का केंद्र बन गया है। महज 48 घंटे के भीतर यहां दो शव मिलने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है और हर किसी के मन में एक ही सवाल है आखिर अचानक इस जंगल में हुआ क्या था? पहला खुलासा सोमवार को हुआ, जब जंगल में एक युवक का शव मिला। जिसकी पहचान 33 वर्षीय चरणगिरी जोगी के रूप में हुई, जो छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले का निवासी था। बताया गया कि वह पहले मंदिर की गौशाला में काम करता था, लेकिन कुछ महीनों पहले नौकरी छोड़ चुका था। हाल ही में वह फिर मंदिर लौटा था,लेकिन इस बार उसकी वापसी मौत में बदल गई। सूचना पर पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही पूरी की और शव को पीएम के लिये भेजा। साथ ही पुलिस इस मामले की जाच में जुट गई। अभी इस रहस्य से पर्दा भी नहीं उठा था कि अगले ही दिन मंगलवार को भी उसी जंगल ने एक और खौफनाक सच उगल दिया। झाड़ियों के बीच सड़ा-गला महिला का शव मिला। कपड़े बिखरे हुए थे और शरीर पर चोट के निशान। मानो महिला की मौत से पहले कोई वारदात हुई हो। महिला की पहचान जमुना यादव के रूप में हुई, जो छत्तीसगढ़ के बरसपुर की रहने वाली थी। लेकिन इन दोनो घटना के तार लिव-इन रिलेशन से जुड गये। जांच में सामने आया कि दोनों मृतक लिव-इन रिलेशन में थे। जो 13 मार्च को राजनांदगांव से निकले थे और इस जोड़े की आखिरी मंजिल बालाघाट का यह पांढरीपाठ मंदिर का जंगल बना। अब पुलिस शक की बुनियाद पर इस सवाल का जवाब तलाश रही है कि क्या ये प्रेम कहानी किसी साजिश का शिकार हो गई? सुचना पर पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और हर एंगल से जांच शुरू कर दी है। महिला के शरीर पर मिले चोट के निशान कई सवाल खड़े कर रहे हैं, वहीं युवक की मौत को लेकर भी रहस्य बरकरार है। क्या यह मर्डर है? या आत्महत्या? या फिर दोनो वारदातो के पीछे किसी तीसरे शख्स की एंट्री है? इन दोनो मामलो को लेकर स्थानीय लोगों से पूछताछ जारी है। वही मंदिर स्टाफ भी संदेह के घेरे में है। हर सुराग को खंगाला जा रहा है, लेकिन फिलहाल जवाब किसी के पास नहीं है। अब सबकी निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं, जो इस रहस्यमयी मौत की गुत्थी सुलझा सकती है या फिर इस पूरे प्रकरण पर कुछ और ही निकल आता है। फिलहाल यह मामला पुलिस जांच के उपरांत ही स्पष्ट होगा।

मां कर्मा जन्मोत्सव पर हुए आयोजन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला साहू समाज द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मां कर्मा जन्मोत्सव मनाया गया जिसमें साहू धर्मशाला उदय चौक से वाहन रैली निकाली गई एवं नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए वाहन रैली कार्यक्रम स्थल पहुंची। यहां पर मां कर्मा की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ एवं हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में अधिक अंक लाने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में साहू समाज द्वारा रक्तदान का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न रक्तदाताओं ने रक्तदान किया इसके पश्चात रक्तदाताओं को भी पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए कार्यक्रम में संतोष साहू राकेश साहू, देवेंद्र साहू, अभिषेक साहू, समीर साहू आकर्षित श्रीमति भावना साहू श्रीमति पूनम साहू श्रीमति राजेश्वरी साहू श्रीमति सुनीता साहू एवं समस्त साहू समाज के वरिष्ठ नागरिक अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर की पिटठ् स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का चयन 22 मार्च को नैनपुर में

नैनपुर (स्वतंत्र मत) । सब जूनियर एवं जूनियर बालक बालिका राष्ट्रीय पिट्ठू प्रतियोगिता का आयोजन 3 से 6 मई तक गुजरात के सूरत में आयोजित होना है। जिसके लिए ट्राइबल टीम का चयन 22 मार्च को नैनपुर में किया जाना है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक बालिका उक्त दिनांक को नैनपुर में उपस्थित होकर इस चयन ट्रायल में भाग ले सकेंगे। 14 वर्ष बालक बालिका के लिए खिलाड़ी 1 जुलाई 12 से 30 जून 2016 तक तथा 19 वर्ष बालक बालिका के लिए 1 जुलाई 2007 से 30 जून 2012 तक के बच्चे भाग ले सकते हैं । खिलाडियो को अपने साथ एक पासपोर्ट साइज की फोटो और आधार कार्ड लाना आवश्यक होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए 7089689409 एवं 9907630582 में संपर्क किया जा सकता है।

पशु क्रूरता पर तीन आरोपी गिरफ्तार

मण्डला/नैनपुर(स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले में अवैध पशु परिवहन एवं पशु कूरता की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत नैनपुर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। 16 मार्च को रात्रि लगभग 8बजे मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम डिठौरी से पाठासिहोरा रोड स्थित पहाड़ के पीछे ट्रक में मवेशियों को क्रूरता पूर्वक भरकर परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नैनपुर द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। मौके पर पुलिस वाहन को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगे जिन्हें घेराबंदी कर 3 आरोपियों को पकड़ लिया गया। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें 31 नग मवेशी भैंस एवं बछड़े को अमानवीय तरीके से ठूस-ठूस कर भरा पाया गया वहीं पास में 9 नग मवेशी पेड़ एवं झाड़ियों से बंधे मिले। पूछताछ में सामने आया कि भैंसवाही निवासी मुस्ताक कुरैशी का मवेशी अड्डा संचालित है। घटना के दौरान मुख्य आरोपी मुस्ताक कुरैशी एवं अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए जिनकी तलाश जारी है। आरोपियों के विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। कार्यवाही में निरीक्षक बलदेव सिंह मुजाल्दा, उपनिरीक्षक विनोद साव, उपनिरीक्षक के.के. विश्वकर्मा, उपनिरीक्षक जैनेन्द्र उपराडे, प्र.आर. राजन मरावी, आर.सुरेश जैतवार एवं थाना स्टाफ की भूमिका रही।

न्यायालय परिसर में सघन चेकिंग

मण्डला(स्वतंत्र मत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश अनुसार बीडीडीएस टीम का गठन किया गया है। उक्त टीम को जिले के संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित सर्चिंग एवं चेकिंग करने निर्देशित किया गया है। बीडीडीएस टीम द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मुख्य बाजार, न्यायालय परिसर एवं अन्य महत्वपूर्ण शासकीय संस्थानों में उपकरणों के माध्यम से संघन चेकिंग की जा रही है। 17 मार्च को चेकिंग अभियान चलाया गया।

प्रांतीय सम्मेलन में मैहर रवाना

मण्डला(स्वतंत्र मत)। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन का 17 मार्च को मां शारदा की नगरी मैहर में प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें पेंशनर्स की समस्याओं पर आगामी रणनीति तय करने तथा पेंशनर्स की मांगों पर विचार विमर्श कर अग्रिम कार्रवाई के निर्णय लिए जाएंगे। जिला से एक प्रतिनिधिमंडल मैहर के लिए रवाना हुआ। जिसमें वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष तथा जिला शाखा मंडला के अध्यक्ष बीके राय, जिला सचिव एनके के शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष एस के पटेल तथा जिले के पदाधिकारी अशोक नाविक, लखन बरमैया, एमएस परस्ते सम्मेलन में भाग लेने रवाना हुए।

भू–माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा: अवैध कॉलोनी का निर्माण करने वालों पर एफआईआर से मचा हड़कंप, क्रेताओं की फूली सांसें

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

मंडला जिले के नैनपुर क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भू-माफियाओं पर शिकंजा कस दिया है। ग्राम तुईयापानी (पिंडरई) में बिना वैध अनुमति के की जा रही प्लॉटिंग के मामले में थाना नैनपुर में विधिवत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस कार्रवाई ने क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और अवैध जमीन कारोबार में लगे लोगों के बीच खलबली मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 मार्च 2026 को राजस्व निरीक्षक (आरआई) शिवकुमार वरकड़े द्वारा थाना नैनपुर में तहसीलदार नैनपुर के पत्र के साथ विस्तृत आवेदन प्रस्तुत किया गया। इस आवेदन में 73 पृष्ठों के दस्तावेज संलग्न थे जिसमें ग्राम तुईयापानी स्थित भूमि पर अवैध कॉलोनी विकसित करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आवेदन प्राप्त होते ही थाना प्रभारी को मामले से अवगत कराया गया और आवक-जावक क्रमांक 675/2026 के तहत इसे दर्ज किया गया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित भूमि खसरा नंबर 267 के अंतर्गत आती है जिसमें कई हिस्सों में बंटवारा कर प्लॉटिंग की गई है। इस भूमि के प्रमुख मालिकों में नरेन्द्र जैन, मुस्तफा खान और अकरम अंसारी शामिल हैं। आरोप है कि इन तीनों ने बिना किसी वैध अनुमति के जमीन को छोटे-छोटे भूखंडों में विभाजित कर बेचने का काम शुरू कर दिया। न तो भूमि का डायवर्सन कराया और न ही टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसीपी) से कोई स्वीकृति ली गई। राजस्व विभाग द्वारा किए गए निरीक्षण में सामने आया कि खसरा नंबर 267 में कुल 35 हिस्सों में प्लॉटिंग की गई है। इनमें से कई प्लॉटों का विक्रय भी किया जा चुका है और कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। गौरव डोंगरे और गायत्री डोंगरे जैसे नाम भी इस अवैध प्लॉटिंग के खरीदारों में सामने आए हैं जहां निर्माण गतिविधियां जारी हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि संबंधित भूमि पर कॉलोनी विकसित करने के लिए न तो कॉलोनाइजर रजिस्ट्रेशन कराया गया और न ही किसी प्रकार की वैधानिक स्वीकृति ली गई। इसके बावजूद कच्चे रास्ते बनाकर और भूखंडों का सीमांकन कर खुलेआम प्लॉट बेचे जा रहे थे। यह पूरी प्रक्रिया म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 61 (क), 61 (ख) और 61 (घ) (3) का स्पष्ट उल्लंघन है।

तहसीलदार नैनपुर द्वारा इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना नैनपुर को पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने उल्लेख किया गया था। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम नैनपुर के निर्देश पर इस मामले की जांच की गई थी जिसमें अवैध कॉलोनी निर्माण के पर्याप्त साक्ष्य मिले।

इस पूरे मामले ने एक बार फिर जिले में तेजी से फैल रहे अवैध कॉलोनी कारोबार की पोल खोल दी है। दर्ज एफआईआर में बताया गया कि मै थाना नैनपुर मे सउनि के पद पर पदस्थ हुं कि दिनांक 16.03.2026 को आर.आई. (राजस्व) शिवकुमार वरकडे पिता सुपाल सिह वरकडे उम्र 38 साल निवासी वार्ड नं. 1 ढीमर मोहल्ला नैनपुर हाल पिंडरई सर्कल क्र. 03 द्वारा थाना नैनपुर उपस्थित आकर एक टाईप शुदा आवेदन पत्र कार्यालय तहसीलदार तहसील नैनपुर कार्यालय जिला मंडला (म.प्र.) का पत्र क्र./प्रवा./2026/196 नैनपुर दिनांक 16.03.2026 का इस आशय से आवेदन पत्र मय दस्तावेज पृष्ट क्र. 01 से 73 तक पेश किया थाना प्रभारी को आवेदन पत्र से अवगत कराया गया। जिसका थाना के आवक जावक अराज नं. 675/2026 दिनांक 16.03.2026 है कि अनावेदक नरेन्द्र जैन पिता मुलायमचंद जैन निवासी पिण्डरई के द्वारा खसरा नंबर 267/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.1739 हेक्टेयर भूमि का भूमि स्वामी है व अनावेदक मुस्तफा खान खसरा नं. 267/2 रकवा 0.55 हे. का भूमि स्वामी है एवं अनावेदक अकरम अंसारी खसरा नंबर 267/3/1 रकवा 0.425 हे. का भूमि स्वामी है उक्त भूमि का निरीक्षण राजस्व अधिकारी के द्वारा किया गया है आवेदन के अवलोकन के दौरान पाया गया कि अनावेदकगणो के द्वारा भूमि पर बिना किसी स्वीकृति डायवर्सन भूविकास अनुमति की प्राप्त किये अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा है भूखण्डो का विक्रय किया जा रहा है अनावेदकगणो का कृत्य म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 61 (क), 61 (ख), 61 (घ) (3) अपराध धारा सदर का पाया जाने से मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आवेदन पत्र नकल जेल है। कार्यालय तहसीलदार, तहसील नैनपुर, जिला मंडला (म.प्र.), क्रमाक/प्रवा./2026/196/ नैनपुर, दिनांक 16/03/2026 प्रति, थाना प्रभारी थाना नैनपुर, जिला मण्डला म.प्र., विषय: अवैध कालोनी के संबंध मे कार्यवाही किए जाने बावत । सन्दर्भ-न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर जिला मण्डला के पत्र क्र. प्र वा/प्र-2/अ.वि.अ./2025/1423 नैनपुर, दिनांक 06/12/2025 उपरोक्त विषयातर्गत निवेदन है कि ग्राम तुईयापानी (पिण्डरई) जिला मंडला में अवैध कलोनी के सन्दर्भ में जांच की गई जिसमे वर्तमान खसरा क्रमांक 265 रकवा 0.61 शेख कुर्बानी, नेमी प्रसाद पटेल के नाम शामिल खाते में दर्ज व काबिज है।

खसरा क्रमाक 267 के कुल 35 बटांक खसरे में दर्ज है। जिसमें खसरा नं 267/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.1739 हे, नरेन्द 3 पिता मुलायमचंद जैन व 267/2 रकबा 0.55हे. मुस्तफा खान, 267/3/1 रकबा 0.425हे. अकरम अंसारी के नाम भूमि स्वामी स्वत्व पर दर्ज है तथा 32 बटांक छोटे प्लाटिधारियों के रूप में खसरा क्रमांक 267 (के बटांक) के रूप में टर्ज होना पाया गया है। जिसमे बखसरा क 267/1/1/1/1/2 रकबा 0.009 है. गौरव डोंगरे व खसरा क्रमांक 267/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.017हे. गायत्री डोंगरे के नाम दर्ज है। उक्त प्लाट में निर्माण कार्य किया जा रहा है। खसरा क्रमांक 267 में प्लाटिंग की गई है।

श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले के ग्राम हिरदेनगर स्थित कालिका झरोपी कुंज में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ का भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर हवन-पूजन भंडारा के साथ प्रसादी वितरण किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किए।

कथा का आयोजन 10 मार्च से प्रारंभ होकर 17 मार्च तक चला जिसमें प्रतिदिन दोपहर से सायं तक श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए उपस्थित रहे। कथा के अंतिम दिवस यज्ञ, हवन एवं पूर्णाहुति के साथ पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। कथावाचक परम पूज्य संत प्रवर सिया बल्लभदास वेदांती जी महाराज अयोध्या धाम द्वारा श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म और मानव जीवन के मूल्यों का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा के दौरान महारास, श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह, गोवर्धन लीला एवं सुदामा चरित्र जैसे प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। समापन दिवस पर विधि-विधान से हवन-पूजन किया गया जिसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में डूबा नजर आया। इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान श्री प्रकाश-ज्योति मिश्रा परिवार रहे जिनके द्वारा पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

आयोजक भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, अनिल मिश्रा एव समस्त मिश्रा परिवार ने भागवत कथा के आयोजन में उपस्थित धर्मप्रेमियों का आभार व्यक्त किया है। वहीं कथा का श्रवण करने प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, सासंद फग्गन सिंह कुलस्ते, कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतिया उईके सहित अनेक जनप्रतिनिधि समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी पहुंचे।

घरेलू गैस सिलेंडर हुए जप्त

मण्डला/नारायणगंज

तहसील नारायणगंज क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक दुरुपयोग के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान विभिन्न होटल एवं ढाबों में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग पाया गया। जांच में निम्न प्रतिष्ठानों में सिलेंडर पाए गए राजपूत ढाबा - 1 सिलेंडर, ओम ढाबा 1 सिलेंडर, दीदी कैफे 03 सिलेंडर, राहुल भोजनालय - 1 सिलेंडर, कुल 10 घरेलू गैस सिलेंडर व्यवसायिक उपयोग में पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई तहसीलदार नारायणगंज संगम पटले, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अजय झारिया मुख्यालय पटवारी धर्मेंद्र आरमो आरक्षक प्रशांत बघेल के नेतृत्व में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

हाउसिंग लोन न चुकाने पर मिली 6 माह की सजा

मण्डला(स्वतंत्र मत)। चेक बाउंस के मामले में अभियुक्त को छः माह का साश्रम कारावास एवं चेक की राशि पर निर्णय दिनांक तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से बैंक को भुगतान करने के मंडला न्यायालय ने आदेश दिए हैं। महिन्द्रा रुरल हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड शाखा मंडला जिला मंडला की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता सचेन्द्र सराफ ने बताया कि अभियुक्त बंशीलाल साहू पिता देवलाल साहू निवासी बबैहा ग्राम बकौरी तहसील व जिला मंडला मप्र ने हाउसिंग लोन के अंतर्गत मकान के निर्माण के लिये रूपये 1,40,000 एक लाख चालीस हजार रूपये वर्ष 2018 में 12 प्रतिशत की ब्याज दर से 5 वर्ष के लिये महिन्द्रा रुरल हाउसिंग फायनेंस शाखा मंडला से ऋण प्राप्त किया था। अभियुक्त द्वारा मासिक किश्त 3788 प्रतिमाह अदा करने में लगातार चूक की जाती रही। जिसके लिए बैंक द्वारा कई बार तकादे किये गए जब बैंक द्वारा न्यायालय के माध्यम से कार्यवाही करने को कहा गया तो आरोपी ने ऋण राशि का भुगतान नगदी न करते हुए अपने बचत खाता का चैक एचडीएफसी शाखा मंडला तह. व जिला मंडला का चैक क्रमांक 000015 राशि 2,42,042 /- रूपये दिनांक 18.08.2022 का स्वयं हस्ताक्षरित कर कम्पनी के नाम से जारी किया जो खाते में निधि पर्याप्त न होना के कारण बैंक द्वारा अनादरित कर दिया गया। जिसके बाद बैंक द्वारा सक्षम न्यायालय में परकाम्य लिखित अधिनियम 1881 की धारा 138 के तहत कार्यवाही की गई जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री वत्सला प्रजापति द्वारा प्रकरण की सम्पूर्ण विवेचना के बाद अभियुक्त को चैक बाउंस के अपराध के लिए दोषसिद्ध पाया गया जिसके लिय अभियुक्त को छः माह का साश्रम कारावास एवं चेक की राशि सहित 3,13,626/- (रूपये तीन लाख तेरह हजार छः सौ छब्बीस) पर निर्णय दिनांक तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से ब्याज राशि अतिरिक्त प्रतिकर स्वरूप परिवादी महिन्द्रा रुरल हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड शाखा मंडला को भुगतान करने के आदेश प्रदान किये गए।

कलेक्टर ने किया संगम का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आगामी 19 मार्च को संगम घाट में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मंगलवार को कलेक्टर ने संगम घाट का निरीक्षण करते हुए तैयारियां जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आयोजन स्थल की स्वच्छता को लेकर कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम से पूर्व घाट और उसके आसपास के क्षेत्रों की सघन सफाई सुनिश्चित की जाए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि दुकानदारों ने अपनी निर्धारित सीमा से बाहर दुकानें बढ़ाकर लगाए है उन्हें तत्काल हटाया के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं और कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों को आवागमन में कोई असुविधा न हो।

पटवारी संघ का प्रांतीय सम्मेलन आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल द्वारा 15 मार्च को जिला दतिया में प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पटवारी वर्ग से जुड़े मुद्दों संगठन की आगामी कार्ययोजना विभिन्न जिलों की समस्याओं तथा उनके समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सम्मेलन के दौरान संघ के प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र सिंह बघेल ने सभी जिलों के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पटवारियों की समस्याओं के निराकरण तथा आगामी गतिविधियों की रणनीति पर विचार विमर्श किया। उन्होंने विभिन्न जिलों से आए

पदाधिकारियों से सुझाव भी प्राप्त किए ताकि संगठन की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाया जा सके। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा एवं स्थानीय विधायक दीपक अग्रवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। सम्मेलन में जिले की ओर से भी सक्रिय भागीदारी रही।

अपने वक्तव्य के दौरान जिले में संघ की सक्रियता और गतिविधियों का उल्लेख करते हुए उपस्थित पटवारियों को प्रेरित किया गया तथा प्रांतीय कार्यकारिणी को संगठन के सशक्त संचालन के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित स्वप्निल वानखेड़े कलेक्टर दतिया से भी मुलाकात कर चर्चा की गई। कर्मचारी हितों में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों और उनकी कार्यशैली की सराहना की गई। साथ ही उन्हें मां नर्मदा की नगरी मंडला आने का आमंत्रण देते हुए मां नर्मदा की महाआरती में शामिल होने का अनुरोध भी किया गया। कार्यक्रम में जिले से जिला कार्यकारी अध्यक्ष चंद्र प्रताप धुर्वे, संभाग अध्यक्ष योगेश तिवारी, नैनपुर तहसील अध्यक्ष अमरसिंह परते, निवास तहसील उपाध्यक्ष मुकेश हल्दकार, प्रांतीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष आलोक पाठक, रश्मि पाठक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मोटरसाईकिल की आपस में भिंड़त

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्र मत)। पुलिस थाना घुघरी के अंतर्गत आने वाली ग्राम खजरी बनेहरी से बिछिया जाने वाली सड़क पर ग्राम खजरी बनेहरी के बीच दो मोटरसाइकिल सवार आपस में टकरा गए तेज रफ्तार और आमने सामने की टक्कर होने के कारण मोटरसाइकिलों के परख्च्चे उड गए और मोटरसाइकिल सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए दो कि हालात गंभीर बताई जा रही है। जानकारी अनुसार बुधराम सैय्याम उम्र 30 वर्ष निवासी दानीटोला व रामप्रसाद साहू दानीटोला जो कि मोटरसाइकिल से घुघरी कि ओर से दानी टोला कि ओर जा रहे थे और संदीप यादव निवासी चाबी ठेभा जो कि बिछिया कि ओर से घुघरी तरफ आ रहा था तभी दोनो मोटरसाइकिल सवार ग्राम खजरी बनेहरी के बीच आपस में टकरा गए। घटना कि जानकारी लगते ही घुघरी पुलिस व डायल 112 तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों कि मदद से घुघरी पुलिस द्वारा सभी घायलों को डायल 112 में रखकर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी पहुंचाया गया और घुघरी पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

वनाधिकार समिति की बैठक सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कलेक्टर द्वारा वनाधिकार से जुड़े लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण एवं कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि वनग्रामों को राजस्व ग्राम में संपरिवर्तन की प्रक्रिया को गति दी जाए तथा प्रपत्र 01, 02, 03 पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही एम.पी. वनमित्र पोर्टल पर लंबित दावों की नियमित समीक्षा के लिए प्रत्येक शुक्रवार को बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए। कार्य में लापरवाही पाए

जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। कलेक्टर ने संपरिवर्तन प्रक्रिया के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों से दावा फार्म भरवाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए अमान्य दावों पर स्पष्ट कारण सहित अभिमत प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही पूर्व में निरस्त दावों के पुन: परीक्षण में लंबित 2 प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि वनमित्र पोर्टल पर दर्ज नवीन व्यक्तिगत दावों का निराकरण ग्राम एवं उपखंड स्तर पर समयबद्ध तरीके से किया जाए। वहीं सामुदायिक वन संसाधन से संबंधित प्राप्त दावों को ग्राम एवं उपखंड स्तरीय वनाधिकार समितियों की अनुशंसा के साथ जिला स्तरीय समिति को भेजा जाए। बिछिया से प्राप्त 51 मान्य एवं 54 अमान्य दावों के निराकरण के लिए भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहगांव माल जनपद पंचायत मोहगांव

पं.क्र./ग्रा.पं.2026-27 मोहगांव दिनांक 17.03.2026

बाजार नीलामी संसोधन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मोहगांव माल अंतर्गत वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक के लिए साप्ताहिक बाजार एवं मड़ई सहित नीलामी दिनांक 18.03.2026 दिन बुधवार को समय 12:00 बजे से ग्राम पंचायत भवन मोहगांव में की जानी थी जिसमें संसोधन करते हुए अब बाजार नीलामी 24.03.2026 दिन मंगलवार को समय दोपहर 1 बजे से ग्राम पंचायत भवन के सभाकक्ष में किया जाना सुनिश्चित किया गया है। जिसकी सूचना जारी की जाती है। बाजार नीलामी में भाग लेने के लिए इच्छुक बोलीदार निर्धारित समय में कार्यालय पहुंचकर नियमानुसार अमानत राशि 25000 (पच्चीस हजार रूपये) जमा कर नीलामी की बोली लगा सकते है। बोली समाप्त होने के पश्चात 50 प्रतिशत राशि तत्काल जमा करना अनिवार्य है। बाजार नीलामी के संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय ग्राम पंचायत मोहगांव माल में कार्यालीन समय में देखी जा सकती है।

नोट :- ग्राम पंचायत कमेटी का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

डी. एस. मरकाम	गुड्डीबाई भारतीया	किशोर अग्रवाल
सचिव	सरपंच	उपसरपंच
ग्राम पंचायत मोहगांव माल	ग्राम पंचायत मोहगांव माल	ग्राम पंचायत मोहगांव माल

समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मोहगांव माल

संपादकीय

महाभियोग का प्रयोग

संभवत: यह पहला अवसर है जब भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए संसद में महाभियोग लाया जा रहा है। चुनाव आयोग भारत की ऐसी स्वतन्त्र संवैधानिक संस्था है जो अपना कार्य सीधे संविधान से शक्ति लेकर करती है और उसके कामकाज पर सरकार का कोई नियन्त्रण नहीं रहता। भारत के लोकतन्त्र में राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी भागीदारी होती है अत: चुनाव आयोग को इन राजनीतिक दलों के नियमन का अधिकार भी दिया गया है और यह सुनिश्चित किया गया कि देश के लोकतन्त्र के कर्णधार इन दलों के भीतर भी पूरी तरह से लोकतन्त्र हो। लिहाजा, राजनीतिक दलों की जवाबदेही चुनाव आयोग के प्रति भी तय की गई। इसके साथ ही राजनीतिक दलों के विवादों को दूर करने के लिए चुनाव आयोग को कुछ न्यायिक अधिकार भी दिये गये। इसीलिए जब किसी राजनीतिक दल के भीतर बंटवारे या अन्य किसी आन्तरिक मुद्दे पर किसी प्रकार का विवाद होता है तो उसका निपटारा चुनाव आयोग द्वारा किया जाता है। भारत में ऐसा पहला मामला 1969 में तब आया था जब केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस का पहला विभाजन हुआ था और तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी कांग्रेस पार्टी को दो भागों में विभाजित कर दिया था। उस समय चुनाव आयोग में एक ही मुख्य चुनाव आयुक्त हुआ करते थे। तब इस पद पर स्व. एस.पी. सेनवर्मा थे। इस विवाद के दौरान कांग्रेस पार्टी की सम्पत्ति से लेकर उसके चुनाव निशान (दो बैलों की जोड़ी) तक पर पार्टी के दोनों गुटों ने अपना-अपना दावा चुनाव आयोग के समक्ष ठोका था। यह प्रकरण इसलिए इतिहास में दर्ज हो चुका है क्योंकि तब मुख्य चुनाव आयुक्त एस.पी. सेनवर्मा पर सत्ता पर काबिज इन्दिरा गांधी गुट के कांग्रेस धड़े का कोई प्रभाव नहीं चला था और उन्होंने अपना फैसला पूरी तरह निष्पक्ष रहते हुए हर मुद्दे पर दिया था। एस.पी. सेनवर्मा ने कांग्रेस के चुनाव निशान दो बैलों की जोड़ी को जब्त कर लिया था और इसके स्थान पर कांग्रेस के दोनों धड़ों को अलग-अलग चुनाव निशान दे दिये थे। यह समय उस दौर के इस फैसले की तफसील में जाने का नहीं है बल्कि मन्तव्य यह है कि चुनाव आयोग का काम इस तरह चलना चाहिए कि किसी भी राजनीतिक दल को उसकी नीयत पर शक करने की हिम्मत न हो। ठीक ऐसी ही स्वतन्त्र व निष्पक्ष भूमिका चुनाव आयोग ने तब भी निभाई थी जब इमरजेंसी समाप्त होने पर मार्च 1977 में चुनाव आयोग ने लोकसभा के चुनाव कराये थे जिनमें देश के प्रधानमन्त्री पद पर रहते हुए ही श्रीमती इन्दिरा गांधी उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से चुनाव हार गई थीं। इसके बाद 90 के दशक में मुख्य चुनाव आयुक्त स्व. टी.एन. शेषन बने और चुनावों की प्रक्रिया को लेकर कई प्रकार के संशोधन किये जिनकी वजह से वह अक्सर चर्चा में रहा करते थे। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए तृणमूल कांग्रेस की ओर से महाभियोग प्रस्ताव को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की गई जिस पर लोकसभा व राज्यसभा के मिला कर 193 सांसदों ने हस्ताक्षर कर दिये हैं। अब यह प्रस्ताव जो कि राष्ट्रपति को सम्बोधित है लोकसभा सचिवालय को सौंप दिया गया है। हालांकि, विपक्ष की यह सारी कवायद केवल सांकेतिक ही होगी क्योंकि संसद के दोनों सदनों में सत्ताधारी भाजपा के एनडीए समूह का पूर्ण बहुमत है। अभी हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिर चुका है, परन्तु यह भी हकीकत है कि लोकतन्त्र में सांकेतिक कृत्यों का कम महत्व नहीं होता क्योंकि इस प्रणाली में जन अवधारणा की महत्ता सबसे ऊपर मानी जाती है।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

> **इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है।**

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने

मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है।

निश्चित तसौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन चुनावों में राजनीतिक दल संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता बनाए रखे तथा मतदाता जागरूकता के साथ मतदान करें, तो यह लोकतंत्र की शक्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा। प्रश्न यह है कि क्या हम इन चुनावों के माध्यम से एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत कर पाएंगे, जिसमें लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित न रहकर शालीनता, सहिष्णुता और जनविश्वास की भावना को भी मजबूत करे। यही वह कसौटी है जिस पर इन चुनावों की सफलता या असफलता का वास्तविक मूल्यांकन किया जाएगा।

एक युद्ध यह भी

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पूरी दुनिया का ध्यान मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध की ओर लगा हुआ है। खबरिया चैनल दिनभर अमेरिका, इजराइल और ईरान के मध्य हमलों के वार-पलटवार की ब्रेकिंग न्यूज चलाते रहते हैं। युद्ध की आंच घरों की रसोई तक पहुंचने की आशंका मात्र से ही आम आदमी भी तनाव में है लेकिन दक्षिण एशिया में भारत के दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भी युद्ध चल रहा है लेकिन उस पर किसी का ध्यान नहीं है। दोनों पड़ोसी देशों में तनाव 21 फरवरी से ही बढ़ा हुआ है। जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हमले कर तालिबान से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया था। पाकिस्तान के हवाई हमलों के बाद अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। इसके बाद दोनों देशों की सीमा पर लगातार झड़पें, ड्रोन हमले और गोलाबारी की घटनाएं हो रही हैं। इस युद्ध में पिछले 48 घंटों में लगभग 300 रॉकेट दागे गए हैं। पाकिस्तानी हमलों के जवाब में बेगुनाह अफगानिस्तानी नागरिक मारे जाने के बाद तालिबान ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ड्रोन हमले कर 14 पाकिस्तानी सैनिक मार डाले। पाकिस्तान और तालिबान कभी एक-दूसरे के सहयोगी रहे हैं लेकिन अब दोनों एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गए हैं। दोनों देश एक-दूसरे की सैन्य सम्पत्तियों जिनमें टैंक, हथियार और चौकियां श?ामिल हैं, को नुक्सान पहुंचा रहे हैं। तालिबान के उदय में पाकिस्तान की बहुत बड़ी भूमिका रही है। तालिबान-पाकिस्तान संबंधों की जड़ें शीतयुद्ध के उत्तरार्ध में जाती हैं, जब पाकिस्तान ने अमेरिका और सऊदी अरब के समर्थन से अफगानिस्तान पर सोवियत कब्जे का विरोध करने के लिए मुजाहिदीन लड़ाकों को हथियारबंद करने और उन्हें ट्रेनिंग देने में भूमिका निभाई थी। तब पाकिस्तान की खुफिया एजैंसी आईएसआई ने अफगान मामलों में अपनी भागीदारी को और गहरा किया जिससे आतंकवादी नेटवर्क को बढ़ावा मिला और तालिबान पूरी तरह से विकसित हुआ। पाकिस्तान ने आतंकवाद की खेती कर जो बोया था आज उसी को काट रहा है। जब 1990 के दशक के मध्य में तालिबान पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों के मदरसों से उभरा तो पाकिस्तान ने ही उसे राजनीतिक मान्यता, सैन्य समर्थन और रसद संबंधी सहायता प्रदान की। इस्लामाबाद तालिबान को अफगानिस्तान में रणनीतिक गहराई हासिल करने के लिए एक रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखता था। यह भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के उद्देश्य से बनाया गया एक पुराना सैन्य सिद्धांत था। दो दशकों से अधिक समय तक तालिबान ने पाकिस्तान को क्षेत्रीय राजनीति में मजबूती प्रदान की, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ अमेरिकी युद्ध का दौर भी शामिल है, जब इस्लामाबाद ने एक जटिल दोहरा खेल खेला, सार्वजनिक रूप से अमेरिकी अभियानों का समर्थन करते हुए मुल्ला उमर और बाद में हैबतुल्लाह अखंदजादा जैसे तालिबान नेताओं को शरण दी।

2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी वापसी एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। पाकिस्तान लंबे समय से तालिबान को अफगान राजनीति में शामिल करने के लिए पैरवी कर रहा था, इस उम्मीद में कि काबुल में एक मित्रवत शासन सीमा पर स्थिरता लाएगा और उसे भारत का मुकाबला करने के लिए अधिक मजबूती प्रदान करेगा लेकिन इसके बजाय जो हुआ वह पाकिस्तान की उम्मीदों के विपरीत था। सत्ता में आने के बाद तालिबान ने अपनी स्वतंत्रता का दावा करना शुरू कर दिया। पाकिस्तान के प्रतिनिधि के रूप में काम करने के बजाय, तालिबान नेतृत्व ने राष्ट्रवादी भावना प्रदर्शित की और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे घातक आतंकवादी समूहों पर कार्रवाई करने से इन्कार कर दिया, जो पाकिस्तानी धरती पर हमलों के लिए जिम्मेदार थे। इस्लामाबाद को तालिबान से टीटीपी की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की उम्मीद थी लेकिन तालिबान ने वैचारिक और जनजातीय संबंधों के कारण टीटीपी लड़ाकों को पनाह दी। टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई करने से इन्कार करना पहला बड़ा मतभेद बन गया लेकिन इससे भी बड़ा मुद्दा यह था कि तालिबान अब पाकिस्तान के प्रतिनिधि के रूप में काम करने से इन्कार कर रहा था और एक स्वतंत्र,संप्रभु शक्ति के रूप में उभरना चाहता था,जो पाकिस्तान के लिए एक नया अनुभव था। तालिबान ने पाकिस्तान की तुलना में भारत के साथ गहरे संबंध बनाना बेहतर समझा। अफगानिस्तान पर जब-जब संकट आया, चाहे प्राकृतिक आपदाएं हों, भोजन संकट हो या फिर महामारी, भारत ने गर्मजोशी के साथ अफगानिस्तान की सहायता की। भारत ने अफगानिस्तान के नवसृजन में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई। उनकी संसद, सड़कें, पुल और रेलवे नेटवर्क परियोजनाएं भी भारत ने ही बना कर दी हैं।

जब अमेरिकी सेनाएं अफगानिस्तान में मौजूद थीं तब अमेरिका विरोधी तालिबान समूहों को पाकिस्तान ने शरण दी और तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) को जमकर संरक्षण दिया। उन्होंने तालिबान को बहुत हल्के में लिया। मुनीर यह भूल गए कि तालिबान की खासियत गुरिल्ला युद्ध की रणनीति और दशकों से कई मोर्चों पर युद्ध लड़ने का अनुभव है। पाकिस्तान ने अवैध अफगान प्रवासियों के खिलाफ बदले की कार्रवाई शुरू की और उन्हें निकालना शुरू किया तो तनाव बढ़ गया। पाकिस्तान और तालिबान में एक गुप्त अघोषित गठबंधन था वह अब खुली शत्रुता में बदल गया। भारत के लिए पाक-अफगान युद्ध जोखिम भरा भी है। पाकिस्तान की कार्रवाई नई दिल्ली के साथ तालिबान के बढ़ते संबंधों को रोकने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। तालिबान के लिए पाकिस्तान अब वह अपरिहार्य सहयोगी नहीं रहा जो कभी था। पाकिस्तान के लिए तालिबान अब वह लचीला प्रॉक्सी नहीं रहा जिसे उसने पाला पोसा था। तालिबान के साथ झड़पें ऐसे समय में हो रही हैं जब पाकिस्तान बलूचिस्तान और पीओके में बढ़ती अशांति से जूझ रहा है। इन सभी कारकों से पाकिस्तान की सैन्य और खुफिया क्षमताओं पर दबाव पड़ सकता है। तालिबान-पाकिस्तान संघर्ष ट्रंप की पाकिस्तान से खनिज निकालने की योजना के लिए भी अच्छे संकेत नहीं हैं। लगातार अशांति के कारण यह योजना अव्यावहारिक या लागू करने में कठिन हो जाएगी।

उच्च स्तरीय राजनीति की विशेषताएं

संतोष उत्सुक

व्यंग्य

कुछ क्षेत्रों, व्यक्तियों और चीजों की विशेषताएं सभी को पता होती हैं लेकिन कुछ दिन बाद फिर से कोई बता दे तो तरोताज़ा होती रहती हैं। राजनीति क्षेत्र में भी ऐसी परम्परा है। राजनीति ज़िंदगी को हर तरफ फूल सजे मतभेदों का मैदान बनाए रखती है जहां बड़े से लेकर छोटे राजनेता अलग अलग खेल खेलते रहते हैं। विरोधी के खिलाफ ज़बानी तीर चलाते समय मर्यादा तोड़ना ही असली खेल माना जाता है। इन्हीं यशस्वी खिलाड़ियों दवारा रैलियों में आपत्तिजनक वैमनस्य फैलाते अपशब्दों के जलते भूनते मसाले में पकाए नारे लगाना ज़रूरी होता है तभी शारीरिक जोश बना रहता है। दूसरे के पद की गरिमा भूलने से पहले, अपनी गरिमा भूल जानी चाहिए ताकि दूसरे के पद की गरिमा भूल जाना आसान हो जाए और शालीनता भाग जाए। इस सन्दर्भ में भाषाई मर्यादा की दीवार तोडनी पड़ती है। इसका राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक फायदा यह है कि समाज पर कई तरह का असर पड़ता है। इसे हम कुअसर या सुअसर नहीं कह सकते क्यूंकि समाज बहुत सभ्य और समझदार होता जा रहा है।

कई बार होता है, टिप्पणी की जाती है जो काफी सख्त किस्म की होती है फिर कहा जाता है कि संवैधानिक पदों पर विराजे नेताओं के बारे बेहतर भाषा का प्रयोग करना चाहिए जिसमें शाब्दिक मर्यादा हो। इस बात का भी असर होना ही चाहिए। लेकिन चूंकि उम्दा राजनीति की चारित्रिक विशेषता के अंतर्गत किसी भी रंग और आकार के शब्दों का असर नहीं लेना चाहिए, इसलिए नहीं लिया जाता। वह बात दीगर है कि संवैधानिक पदों पर विराजे नेताओं के मुखमंडल द्वारा, सामान्य नेताओं, विपक्ष या आम आदमी बारे प्रयोग की जाने वाली भाषा बारे कोई नर्म बात तो नहीं की जाती। कहते तो हैं कि इस वजह से सवैंधानिक संस्थाओं का सम्मान हिलने लगता है। कई बार गिर भी जाता है लेकिन अधिकांश नेता तो सम्मान को सामान ही समझते हैं। विरोध के अधिकार को तो वैसे भी सुरक्षित माना जाता है।

उच्च स्तरीय राजनीतिक परिदृश्य में हंगामे, नारेबाज़ी और हुल्लड़ के सहारे कहीं का भी नजारा बदल दिया जाता है। कहीं और का मामला कहीं दूसरी जगह लाया जाता है। दुनिया की बेहद महत्त्वपूर्ण चीज़, 'माफी' मांगने के लिए कहा जाता है। ऐसा लगता है माफी न होकर स्वादिष्ट चाट हो जिसके खाने से गुस्सा मानसिक संतुष्टि में बदल जाएगा। इस मनोरंजक गतिरोध के दौरान कई अहम राजनीतिक परेशानियां इक्कठी होकर कॉकटेल पार्टी करती हैं। उन्हें लगता है कहीं उनका समाधान निकाल लिया गया तो ऐसा मौका कम होता जाएगा।

आक्रामकता के झंडे हिलाते हुए पक्ष और विपक्ष दोनों को, बेचारा वक़्त हाथ जोड़कर समझाता रहता है। मगर उसकी कौन सुनता है। राजनेता उससे पूछते हैं, तुम कौन हो जो हमें समझाने की हिमाकत कर रहे हो। बेशर्मी बार बार ठहाका लगाकर हंसती है, जिस तरह सिर्फ पैसा कमाने के लिए बनाई कमर्शियल फिल्म में नर्तकी, आइटम डांस में फूहड़ तरीके से मुस्कुराकर शरीर प्रदर्शन करती है। राजनीति का व्यवसाय तो चलता ही रहता है। बीच बीच में गधों और खच्चरों को घोड़ा बनाकर पशु व्यापार भी कर लिया जाता है जिससे दूसरे जानवर भी बहुत खुश रहते हैं। उन्हें लगता है कभी न कभी उनका नंबर भी ज़रूर आएगा। राजनीति के मोहल्ले में आशा ही जीवन होता है।

ममता को नहीं है देश की संवैधानिक संस्थाओं की परवाह

योगेंद्र योगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी देश में लोकतांत्रिक सरकारों का अजीब इतिहास लिखने में जुटी हैं। पश्चिम बंगाल सहित देश के कई राज्यों में गैरभाजपा सरकारें हैं, किन्तु देश के संवैधानिक संस्थाओं और केंद्र सरकार के साथ जिस तरह का रवैया मुख्यमंत्री बनर्जी अपना रही हैं, उससे लगता यही है कि उन्होंने तय कर रखा है कि मुद्दा चाहे जैसा भी हो हर हाल में टकराना है। ममता की इस टकराहट से केंद्र सरकार के साथ रिश्ते कटु होते जा रहे हैं, साथ ही देश के लोकतंत्र को नुकसान पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी के तौर-तरीकों से लगता यही है कि उन्हें शीर्ष अदालत के आदेशों की भी परवाह नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के लिए झारखंड और ओडिसा के जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों को लगाया है, ताकि इस कार्रवाई में किसी भी पक्ष द्वारा पक्षपात का आरोप नहीं लगे। इसके बावजूद ममता सरकार हस्तक्षेप से बाज नहीं आ रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार कोलकाता पहुंचे, उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। साथ ही उनके विरोध में काले झंडे भी लहराए गए। मुख्य चुनाव आयुक्त कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर पहुंचे थे, वहां भी उनका विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने %वापस जाओ% के नारे लगाए। कोलकाता में करीब तीन जगहों पर विरोध प्रदर्शनों का सामना किया। विरोध प्रदर्शनों के बीच ज्ञानेश कुमार ने चुनावी राज्य में लाखों बंगाली भाषी नागरिकों का दिल जीतने की कोशिश की। देश में इससे पहले ऐसा रवैया किसी भी राज्य की सरकार ने चुनाव आयोग के साथ नहीं अपनाया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अगले दो महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए वहां पहुंचे। सीएम ममता बनर्जी और अन्य टीएमसी नेता चुनाव आयोग पर एसआईआर के बाद मतदाता सूची से वोटर्स के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए तीन दिन तक धरना दिया।

पश्चिम बंगाल इस तरह की हरकतें तब हो रही हैं, जब सुप्रीम कोर्ट न्यायिक निगरानी में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को अंजाम देने में जुटा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ममता सरकार के प्रति नाराजगी तक जाहिर कर चुका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती दी गई। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को बार-बार

कोर्ट न आने की सलाह दी थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने नाराज़ होकर पूछा, क्या सुप्रीम कोर्ट के पास पश्चिम बंगाल के एसआईआर के अलावा सुनने के लिए कुछ और नहीं है? इससे पहले भी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाने से जुड़े मामलों की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सभी पक्षों को चेताया और कहा कि न्यायिक अधिकारियों पर सवाल उठाने की हिम्मत न करें। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि हमें पता था कि जैसे ही न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा, आप लोग पीछे हट जाएंगे। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने हमें बताया कि 10 लाख मामलों का निपटारा हो चुका है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी से मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि ऐसे आवेदन दाखिल करने की हिम्मत कैसे हुई?

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आपका आवेदन समय से पहले दायर किया गया है और इससे ऐसा लगता है कि आपको न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने अदालत को बताया कि करीब 7 लाख दावों का निपटारा न्यायिक अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है, जबकि पहले 63 लाख दावे विचाराधीन थे और अब करीब 57 लाख मामले शेष हैं। इस पर वरिष्ठ वकील गुरुस्वामी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार न्यायिक अधिकारियों पर सवाल नहीं उठा रही है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हो सकता है कि आपने सीधे तौर पर सवाल न उठाया हो, लेकिन आवेदन में सवाल उठते दिखते हैं। मुख्य न्यायाधीश के रूप में मैं इसे सहन नहीं करूंगा।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि अदालत को विश्वास है कि न्यायिक अधिकारी अपना काम ठीक से कर रहे हैं, लेकिन अतिरिक्त सावधानी के तौर पर राज्य सरकार को निर्देश दिया जाता है कि वह न्यायिक अधिकारियों के काम के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी अनिवार्य कदम ऐसा न उठाया जाए जो इस प्रक्रिया को बाधित करे, जब तक कि उसे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अनुमति न मिल जाए। अदालत ने अपील की व्यवस्था पर भी स्पष्ट किया कि न्यायिक अधिकारी के फैसले के खिलाफ किसी प्रशासनिक निकाय के समक्ष अपील नहीं होगा। इसके बजाय संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दो पूर्व हाईकोर्ट जज या मौजूदा हाईकोर्ट जजों की बेंच गठित कर सकते हैं, जो इन अपीलों पर सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अधिकारियों को सभी जरूरी सुविधाएं दी जाएं। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग कोई भी ऐसा नियम लागू नहीं करेगा जिससे परेशानी हो।

अदालत की निगरानी में मतदाता सूची की पूरी प्रक्रिया संचालित होने के बावजूद ममता सरकार और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस चुनाव आयोग को लगातार निशाना बना रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में एसआईआर के बाद मतदाता सूची से कथित मनमानी तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में चौथे दिन के धरने के दौरान भाषण दिया। ममता ने कोलकाता में एक बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया और कहा कि वह सुपरमैन और सुपर गॉड की तरह व्यवहार कर रहे हैं। सुश्री बनर्जी ने दावा किया कि श्री कुमार ने अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि मई में विधानसभा चुनाव के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होने कहा कि पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को धमकियां दी गई हैं। साहस होना अच्छी बात है, लेकिन झूठी बहादुरी नहीं।

अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कथित तौर पर कहा कि चुनाव से पहले कानून और व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और यदि अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन करने में विफल रहते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। धरने से तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के हित में भगवा पार्टी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में हैं, उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने पार्टी सदस्यों से कहा कि वे भाजपा कार्यकर्ताओं को पकड़ें और विरोध स्थल के पास कथित तौर पर पर्चे बांटने के आरोप में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करें। चुनाव जीतने के इन पैतरों से जाहिर है कि संविधान के तहत देश के लोकतांत्रिक ढांचे में ममता सरकार का यकीन नहीं रह गया है। चुनाव अन्य राज्यों में पहले भी हुए हैं और आगे भी होंगे, किन्तु कानूनी मामलों में ममता बनर्जी जैसा विरोध किसी ने नहीं किया।

मैं कुछ भी कर सकता हूं...ईरान के बाद क्यूबा की बारी, ट्रंप ने तख्तापलट और कब्जे के दिए संकेत

वाशिंगटन

पिछले 50 सालों से बार-बार कहा गया कि क्यूबा की सरकार गिरने वाली है, लेकिन हर बार यह भविष्यवाणी गलत साबित हुई। अब जब अमेरिका पहले से ही मिडिल ईस्ट के युद्ध में उलझा हुआ है, फिर भी ट्रंप की तरफ से क्यूबा को लेकर नए दावे ने फिर से चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि उन्हें क्यूबा पर नियंत्रण करने का सम्मान मिल सकता है। ओवल ऑफिस में अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने लंबे समय से क्यूबा पर अमेरिकी कार्रवाई के बारे में चर्चा सुनी है और उन्होंने संकेत दिया कि वे इस पर अमल कर सकते हैं। उन्होंने क्यूबा को बेहद कमज़ोर राष्ट्र बताया और दावा किया कि वे इसके साथ कुछ भी कर सकते हैं। ट्रंप ने क्यूबा के साथ अमेरिका के दशकों पुराने तनावपूर्ण रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि अब फैसला लेने का वक्त आ गया है। ट्रंप ने कहा कि मैंने पूरी जिंदगी अमेरिका और क्यूबा के बारे में सुना है। मुझे लगता है कि क्यूबा को किसी न किसी रूप में लेना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। मैं इसे आजाद करूं या ले लूं, मुझे लगता है कि मैं इसके साथ जो चाहूं कर सकता हूं। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और क्यूबा के बीच चल रही पर्दे के पीछे की बातचीत में वाशिंगटन ने एक बड़ी शर्त रखी है। अमेरिकी वार्ताकारों ने संकेत दिया है कि क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कानेल को अपना पद छोड़ना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के एकलौते राष्ट्रपति नहीं हैं जो क्यूबा पर सख्त हो रहे हैं। क्यूबा और अमेरिका के बीच की दुश्मनी कई दशकों पुरानी है। 1898 में अमेरिका ने स्पेन को हराया। जिसके बाद स्पेन ने क्यूबा पर अपने सभी दावों को छोड़ दिया। इसे अमेरिका को सौंप दिया। साल 1902 में क्यूबा स्वतंत्र हुआ और टॉमस इस्ट्राडा पाल्मा इसके पहले राष्ट्रपति बने। लेकिव प्लैट संशोधन के कारण द्वीप अमेरिकी संरक्षण में रहा और इसके कारण अमेरिका को क्यूबाई मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार मिला। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने और उनका पहला कार्यकाल शुरू हुआ। ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बराक ओबामा सरकार के ज़्यादातर फैसलों को पलट दिया। उन्होंने क्यूबा पर फिर से सख्ती बढ़ा दी थी।

नाइजीरिया: मैदुगुरी में तीन भीषण धमाकों से दहला बाजार, 23 की मौत और 100 से अधिक घायल

अबुजा, (वार्ता)। नाइजीरिया के मैदुगुरी शहर में सोमवार शाम हुए तीन सिलसिलेवार बम धमाकों में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गयी और 108 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी । हमलों में शहर के व्यस्ततम इलाकों को निशाना बनाया गया है।प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संदिग्ध आत्मघाती हमलावरों ने मंडे मार्केट, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के गेट और पोस्ट ऑफिस क्षेत्र में आईईडी के जरिए ये विस्फोट किए। धमाके उस समय हुए जब इन इलाकों में लोगों की भारी भीड़ मौजूद थी, जिससे हताहतों की संख्या में इजाफा हुआ। विस्फोटों के तुरंत बाद सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम को प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके और किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि वर्तमान में मैदुगुरी में स्थिति सामान्य हो गई है। हालांकि पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

सोशल मीडिया पर जंग नहीं जीती जाती, बड़बोले ट्रंप और उनकी सेना को कीबोर्ड वारियर बताते हुए ईरान ने गजब धोया

तेहरान

ईरान के खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बड़बोलेपन पर पलटवार किया है। इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने कहा कि युद्ध का फैसला बैटल ग्राउंड में होता है सोशल मीडिया पर नहीं। उन्होंने अमेरिकी अभियान के नाम एपिक फ्यूरी का मज़ाक उड़ाते हुए कहा कि इसे एपिक फियर कहना ज़्यादा सही होगा। ये टिप्पणियां ईरान के खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय और सशस्त्र बलों के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने कीं, जिन्होंने मौजूदा तनाव के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका के दृष्टिकोण की आलोचना की।

उन्होंने आगे कहा कि वास्तविक जीत जमीनी अभियानों से मिलती है, न कि ऑनलाइन बयानबाजी से और किसी भी हमले का कड़ा जवाब देने के लिए ईरान की तत्परता पर जोर दिया। ये टिप्पणियां संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई हैं, जहां ईरान कथित तौर पर एक मजबूत जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है, जिसे कुछ अधिकारियों द्वारा अंतिम चरण बताया गया है। बढ़ती बयानबाजी ने वैश्विक चिंताओं को बढ़ा दिया है, क्योंकि दोनों पक्षों के बयान क्षेत्र में पहले से ही नाजुक स्थिति को और भी गंभीर बना रहे हैं।

गौरतलब है कि दो हफ्ते से ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं। ईरान को हरा दिया। इसके बाद भी दुश्मन के समंदर में पांव रखने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। दो दिनों से ट्रंप अपील कर रहे हैं। अभी तक किसी देश ने अपने युद्धपोत भेजने का वादा नहीं किया। ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह इस महीने के अंत में चीन की अपनी बहुप्रतीक्षित यात्रा को स्थगित कर सकते हैं क्योंकि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में मदद करने और ईरान युद्ध के कारण आसमान छू रही तेल की कीमतों को कम करने के लिए बीजिंग पर दबाव बढ़ाना चाहते हैं।

द्रमुक के निरंतर दबाव में आकर केंद्र ने कीलाडी सहित आठ स्थलों की खुदाई को मंजूरी दी: स्टालिन

चेन्नई, (वार्ता)

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने कहा है कि सत्तारूढ़ द्रमुक के निरंतर दबाव के कारण महीनों की देरी के बाद केंद्र सरकार ने कीलाडी सहित आठ स्थलों पर पुरातात्विक खुदाई को मंजूरी प्रदान की है। श्री स्टालिन ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र द्वारा अंततः मंजूरी देना द्रमुक के निरंतर प्रयासों की जीत को दर्शाता है। श्री स्टालिन ने कहा कि द्रमुक ने अभी इस मामले को खत्म नहीं किया है क्योंकि केंद्र में भाजपा सरकार अभी भी कीलाडी उत्खनन रिपोर्ट को दबाए हुए है और पार्टी तब तक नहीं रुकेगी जब तक कि वह रिपोर्ट भी प्रकाशित नहीं हो जाती।

बीमा कंपनियों के खिलाफ शिकायत मिलने पर होती है कार्रवाई :सीतारमण

नयी दिल्ली, (वार्ता)

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में कहा कि बीमा कंपनियों के खिलाफ शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ नियामक द्वारा कार्रवाई की जाती है। श्रीमती सीतारमण ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी पर अनुचित कारोबार के लिए दो करोड़ रुपये का दंड लगाया गया था। वित्त वर्ष 2024-25 में बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस पर दो-दो करोड़ रुपये के जुर्माने लगाये गये थे। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और रॉयल सुंदरम् जेनरल इंश्योरेंस पर एक-एक करोड़ रुपये के जुर्माने लगे हैं।

मंत्री ने कहा कि बिना सहमति के बीमा करने, गलत प्रीमियम बांधने, मैच्योरिटी दावा के निपटान में देरी, ब्याज का भुगतान न करने आदि के लिए भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा-आई) ने बीमा कंपनियों पर ये जुर्माने लगाये हैं। उन्होंने बताया कि यदि कोई बीमा कंपनी कुछ भी गलत करती हैं तो नियामक कार्रवाई करता है। उन्होंने कहा, इस तरह के सभी अपराधों पर ध्यान दिया जाता है, उनकी जांच की जाती है और उसके बाद दंड लगाया जाता है। गलत काम की सजा जरूर मिलती है।

मंत्री ने कहा कि देश में इस बीमा कवरेज और बीमा की राशि दोनों कम है। देश में औसत बीमा प्रीमियम 97 डॉलर प्रति व्यक्ति है जबकि वैश्विक औसत 943 डॉलर का है। सरकार स्थिति में सुधार के लिए काफी काम कर रही है जिसमें स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी शून्य कर दिया गया है।

उन्होंने सदन को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में देश में 58 करोड़ लोगों को 1,17,505 करोड़ का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध था। इसमें सार्वजनिक कंपनियों ने 42,420 करोड़ रुपये का और निजी क्षेत्र ने 37,752 करोड़ रुपये का बीमा कवरेज दिया था। वहीं, एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने 37,331 करोड़ रुपये का कवरेज दिया था।

चीन की बड़ी पहल: ईरान, लेबनान और पड़ोसी देशों को आपातकालीन मानवीय सहायता की घोषणा

बीजिंग, (वार्ता/शिन्हुआ)। चीन ने पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच मानवीय संकट को कम करने के लिए ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने मंगलवार को एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में इसकी आधिकारिक घोषणा की। वर्तमान में चल रहे युद्ध और संघर्षों ने ईरान तथा इस क्षेत्र के अन्य देशों के नागरिकों के लिए असहनीय मानवीय आपदा पैदा कर दी है। उन्होंने कहा, चीन संबंधित देशों के लोगों के प्रति गहरी सहानुभूति रखता है और इस कठिन समय में उनके साथ खड़ा है। चीन का यह कदम उन क्षेत्रों में राहत पहुँचाने के लिए है जहाँ युद्ध के कारण बुनियादी सुविधाओं और जीवन रक्षक वस्तुओं की भारी कमी हो गई है। चीन ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बार फिर शांति बहाली की अपील की है। श्री जियान ने जोर देकर कहा कि चीन शांति को बढ़ावा देने और तत्काल युद्धविराम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखेगा। चीन का लक्ष्य क्षेत्र में जल्द से जल्द स्थिरता बहाल करना है ताकि मानवीय संकट को और अधिक फैलने से रोका जा सके।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ 883 पेज का जवाब दाखिल

प्रयागराज,(वार्ता)

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में आशुतोष ब्रह्मचारी मंगलवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की अग्रिम जमानत अर्जी पर अदालत के आदेश के अनुपालन में अपना लिखित जवाब दाखिल किया। आशुतोष ब्रह्मचारी 883 पेज का लिखित जवाब लेकर हाईकोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इसमें नाबालिग बटुकों के साथ कथित कुकर्म और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े अन्य साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि शंकराचार्य होने के संबंध में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा दाखिल हलफनामे से जुड़े तथ्यों के संबंध में भी साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं।

गौरतलब है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने 27 फरवरी को आदेश जारी कर अंतिम आदेश आने तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। साथ ही सभी पक्षकारों को 12 मार्च तक अपना रिटर्न सबमिशन दाखिल करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि 12 मार्च को सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए आशुतोष ब्रह्मचारी हाईकोर्ट में अपना जवाब दाखिल नहीं कर सके थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने ईमेल के माध्यम से अदालत को सूचित किया था कि सुरक्षा कारणों से वह उस दिन कोर्ट में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। अब उन्होंने अदालत में अपना जवाब दाखिल करते हुए देरी के लिए माफी याचिका भी प्रस्तुत की है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ उनके पास ठोस साक्ष्य मौजूद हैं, जिन्हें वह अदालत में प्रस्तुत कर रहे हैं। इन साक्ष्यों के आधार पर वह हाईकोर्ट में उनकी नियमित जमानत अर्जी का विरोध करेंगे और नाबालिग बटुकों के यौन शोषण के मामले में ट्रायल कोर्ट से सजा दिलाने का प्रयास करेंगे। इसी बीच जिला अदालत में चल रहे एक अन्य मामले में वकीलों के न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण मंगलवार को आशुतोष ब्रह्मचारी का बयान दर्ज नहीं हो सका।

153 डॉलर प्रति बैरल हुआ तेल, श्रीलंका में 4 दिन खुलेंगे सरकारी ऑफिस, अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग का 18वां दिन

नई दिल्ली। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल की जंग का आज 18वां दिन है। इस जंग ने मिडिल ईस्ट में हाहाकार मचा रखा है और तेल का खेल बिगाड़कर रख दिया है। इसी वजह से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। अब तेल की कीमत बढ़कर 153 डॉलर प्रति बैरल हो गई है, जो हाल के समय में सबसे ऊंचे स्तर में से एक मानी जा रही है। इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है, खासकर देशों पर जो तेल के आयात पर निर्भर हैं। इस युद्ध ने होर्मुज स्ट्रेट से होने वाली शिपिंग को बाधित किया है और पूरे क्षेत्र में लाखों नागरिकों को विस्थापित कर दिया है। तेल की कीमतों में अचानक आई इस तेजी की वजह से दुनियाभर में महंगाई बढ़ने का खतरा मंडराने लगा है। परिवहन, बिजली के साथ-साथ जरूरत की चीजों की कीमतों पर इसका असर पड़ सकता है। इन सब के बीच भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका ने सरकारी दफ्तर 4 दिन खोलने की घोषणा की है। यह फैसला ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए लिया गया है। श्रीलंकन सरकार का मानना है कि इस कदम से पेट्रोल और डीजल की खपत में कमी आएगी और देश की आर्थिक स्थिति संभालने में मदद मिलेगी। श्रीलंका इससे पहले भी आर्थिक संकट का सामना कर चुका है।

ईरान : चहारशंबे सूरी त्योहार पर सरकारी रोक

तेहरान,(वार्ता)

ईरान में नए साल (नौरोज़) के आगमन से ठीक पहले मनाए जाने वाले पारंपरिक अग्नि उत्सव %चहारशंबे सूरी% को लेकर इस बार भारी तनाव की स्थिति बनी हुई है। ईरानी प्रशासन ने नागरिकों को चेतावनी जारी करते हुए इस साल किसी भी प्रकार ऐसे त्योहार को मनाने पर रोक लगा दी है जिसमें लोग एक जगह जमा होकर नाचते गाते हैं।चहारशंबे सूरी पर्व फारसी कैलेंडर के अंतिम मंगलवार की रात को मनाया जाने वाला एक प्राचीन उत्सव है। इसमें लोग अलाव जलाकर उसके ऊपर से गुजरते हैं और कूदते हैं, जिसे शुद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक माना जाता है। आधुनिक समय में यह उत्सव आतिशबाजी और दावतों के रूप में तब्दील हो गया है, जो वसंत के आगमन और नौरोज़ की खुशी का संकेत देता है। ईरानी रेड क्रिसेंट, दमकल विभाग और आपातकालीन सेवाओं के जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि मौजूदा युद्ध की स्थिति और सार्वजनिक सुरक्षा को देखते हुए लोगों को सड़कों पर नहीं उतरना चाहिए। प्रशासन का तर्क है कि इस समय चिकित्सा प्रणाली और आपातकालीन संसाधनों को सुरक्षित रखना अनिवार्य है ताकि उन पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

स्वतंत्र पर्यवेक्षकों और विपक्षी नेताओं का मानना है कि उत्सव पर यह रोक सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि असंतोष को दबाने के लिए लगाई गई है। जनवरी में हुए देशव्यापी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद शासन डरा हुआ है। कई प्रांतीय अधिकारियों ने इस उत्सव को राष्ट्रीय व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा करार दिया है। अधिकारियों का दावा है कि दुश्मन इस तरह की भीड़ का फायदा उठाकर अशांति फैला सकता है।

ईरान के पुलिस प्रमुख जनरल अहमदरज़ा रादान ने सुरक्षा बलों और समर्थकों से कहा है कि वे %चहारशंबे सूरी% मनाने के लिए जुटने वाले लोगों को रोकें। वहीं, निर्वासित विपक्षी नेता रज़ा पहलवी ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि शासन इन शांतिपूर्ण उत्सवों को दबाने के लिएघातक बल के इस्तेमाल की धमकी दे रहा है।तेहरान सहित कई बड़े शहरों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है, जिससे इस प्राचीन उत्सव के दिन संघर्ष की आशंका बढ़ गई है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सुपरहीरो का किरदार निभायेंगी अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सिल्वर स्क्रीन पर सुपरहीरो का किरदार निभाती नजर आयेंगी। अदा शर्मा अपने आने वाले प्रोजेक्ट में एक आलसी, भ्रष्ट और पूरी तरह से अनप्रेडिक्टेबल सुपरहीरो का किरदार निभाएँगी।

पारंपरिक सुपरहीरो जहाँ दुनिया को बचाते हैं, वहीं उनका किरदार नियम तोड़ता है, झूठ बोलता है और शायद दुनिया को बचाने के बजाय उसे तबाह करना भी चाह सकता है। हाल ही में सामने आए फर्स्ट लुक ने सोशल मीडिया पर काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फैंस आदा के किरदार वेल्लीकी झलक देखकर उत्साहित हैं और फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस अजीब और अनोखे कॉन्सेप्ट वाला सुपरहीरो दर्शकों को कुछ नया और मनोरंजक देने का वादा करता है। अदा शर्मा ने हमेशा यह साबित किया है कि वे खुद को किसी एक जॉनर तक सीमित नहीं रखतीं। उन्होंने पहली बार हॉरर फिल्म 1920 से ध्यान खींचा, फिर केरला स्टोरी में इंटेंस ड्रामा दिखाया, सनफ्लावर सीज़न 2 में अपनी कॉमिक टाइमिंग दिखाई और कमांडो में हाई-ऑक्टेन एक्शन किया। वहीं बस्तर ः द नक्सल स्टोरीमें उन्होंने एक गंभीर और ग्रिटी किरदार निभाया है।

रवीना टंडन नज़र आएंगी गार्नियर कलर नेचुरल्स के नए कैंपेन में

गार्नियर ने पहली बार अभिनेत्री रवीना टंडन को ब्रांड की बालों का पोषण करने वाली हेयर कलर रेंज, गार्नियर कलर नेचुरल्स, का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस साझेदारी के साथ एक नया कैंपेन शुरू हो रहा है, जिसमें रवीना टंडन नज़र आएंगी। यह कैंपेन, ब्रांड की प्राकृतिक दिखने वाले और चमकदार हेयर कलर्स में भरोसेमंद विशेषज्ञता को रवीना की टाइमलेस अपील के साथ जोड़ता है, जो हर उम्र के लोगों की पसंद है। ब्रांड एंबेसडर रवीना टंडन ने कहा, मैं गार्नियर कलर नेचुरल्स के साथ जुड़कर बहुत खुश हूँ, क्योंकि यह ब्रांड उस भरोसे और आत्मविश्वास की अहमियत को समझता है, जिसकी हर महिला अपने रोज़मर्रा के रूटीन में तलाश करती है। मुझे यह बहुत पसंद है कि गार्नियर कलर नेचुरल्स घर पर ही बालों को रंगना कितना आसान बना देता है, और इसका नतीजा भी बेहद नैचुरल और शानदार होता है। यह तेज़ और सुविधाजनक उपाय मेरी ज़िंदगी में आसानी से घुल-मिल जाता है।

काशिका कपूर की फिल्म आयुष्मती गीता मैट्रिक पास जियोहॉटस्टार पर होगी स्ट्रीम

कशिका कपूर की फिल्म आयुष्मती गीता मैट्रिक पास जल्द ही जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। सामाजिक रूप से प्रासंगिक फिल्म आयुष्मती गीता मैट्रिक जल्द ही जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। इससे दर्शकों को गीता की प्रेरणादायक कहानी और शिक्षा के लिए उसके संघर्ष को फिर से देखने का अवसर मिलेगा। सिनेमाघरों में रिलीज़ के बाद से ही इस फिल्म को उसके अर्थपूर्ण संदेश और भावनात्मक कहानी के लिए सराहा गया है, वहीं मुख्य भूमिका निभाने वाली काशिका कपूर के दमदार अभिनय को दर्शकों ने खास तौर पर पसंद किया है।यह फिल्म महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण के महत्व को उजागर करती है, जो राष्ट्रीय पहल बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की भावना को भी दर्शाती है। ग्रामीण पृष्ठभूमि में आधारित यह कहानी गीता नाम की एक लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सामाजिक दबावों और बाधाओं के बावजूद अपनी पढ़ाई पूरी करने और बेहतर भविष्य बनाने का सपना देखती है।फिल्म की कहानी के केंद्र में काशिका कपूर हैं, जिन्होंने गीता के किरदार को बेहद सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ निभाया है। आयुष्मती गीता मैट्रिक पास की खास बात यह है कि यह मनोरंजन के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी देती है। फिल्म शिक्षा, सशक्तिकरण और साहस जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है और दर्शकों को याद दिलाती है कि शिक्षा किस तरह जीवन बदलने और पारंपरिक सोच को चुनौती देने की ताकत रखती है।यह फिल्म जल्द ही जियोहॉटस्टार पर डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है।

फिल्म 'फॉरेस्ट रेंजर' में दमदार किरदार के लिए मिक्स्ड मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ले रही हैं कृष्णा गौतम

कृष्णा गौतम अपनी आने वाली फिल्म फॉरेस्ट रेंजर के लिए मिक्स्ड मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ले रही हैं। कृष्णा गौतम अपनी आने वाली फिल्म 'फॉरेस्ट रेंजर' के लिये ज़ोरदार तैयारी कर रही हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और इसमें कृष्णा एक दमदार एक्शन रोल में नजर आएंगी। अपने किरदार को पूरी तरह वास्तविक और प्रभावशाली बनाने के लिए वह मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग ले रही हैं।कृष्णा अपनी ट्रेनिंग सेशन्स में लंबे समय तक मेहनत कर रही हैं, जिसमें वे ताकत, फुर्ती और कॉम्बैट तकनीकों पर खास ध्यान दे रही हैं। उनका यह कठोर अभ्यास इस बात को दर्शाता है कि वह अपने किरदार के लिए कितनी समर्पित हैं और स्क्रीन पर एक दमदार एक्शन अवतार पेश करना चाहती हैं। कृष्णा गौतम अपने ट्रेनिंग की कुछ झलकियां भी साझा कर रही हैं, जिससे फैंस को यह देखने का मौका मिल रहा है कि ऐसे चुनौतीपूर्ण किरदार के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है।अपने किरदारों के साथ लगातार नए प्रयोग करने के लिए जानी जाने वाली कृष्णा, फॉरेस्ट रेंजर के जरिए एक्शन जॉनर को एक्सप्लोर करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। फिल्म के निर्माताओं का लक्ष्य इसे 2027 में रिलीज़ करने का है और इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी से दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ने लगा है। दर्शक कृष्णा गौतम को इस नए और दमदार अवतार में बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जहां वह अपने अभिनय का एक बिल्कुल अलग और प्रभावशाली पक्ष पेश करती नजर आएंगी।

सिंदूर कप सीजन 1 का भव्य समापन, पुलिस इंफोर्सेस टीम बनी चैंपियन

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत

नरसिंहपुर स्टेडियम ग्राउंड में मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन, सहयोग क्रीड़ा मंडल गोटेगांव व जिला महिला क्रिकेट टीम नरसिंहपुर के सयुंक्त।तत्वावधान में आयोजित विवाहित महिलाओं की रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता सिंदूर कप सीजन 1 का भव्य समापन गत दिवस शाम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। फाइनल मुकाबले में पुलिस इंफोर्सेस टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एजुकेशन स्ट्राइकर्स को पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया, जबकि एजुकेशन स्ट्राइकर्स टीम को उपविजेता कप से संतोष करना पड़ा तो प्रतियोगिता में एसकेएमजी टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। दो दिनों तक चले इस नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में विवाहित महिलाओं ने मैदान पर अपने खेल कौशल, आत्मविश्वास और उत्साह का अद्भुत प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल और फाइनल मैच जीतने के बाद मैदान पर खिलाड़ियों का जोश, उत्साह और उमंग देखते ही बनती थी। बड़ी संख्या में मातृशक्तियाँ और खेल प्रेमी मैदान में उपस्थित होकर सभी टीमों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। टूर्नामेंट के द्वितीय दिवस पर मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन की उपाध्यक्ष एवं सिंदूर कप की संरक्षक श्रीमती सुमनलता पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा सभी को उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति के लिए शुभकामनाएँ दीं। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन श्री जालम सिंह पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रामस्नेही पाठक, रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. अनंत दुबे, सरपंच कठौतिया श्री इन्द्रेश साहू, सरपंच शासबाहु श्री देवेंद्र पचौरी, जिला अध्यक्ष कायस्थ समाज श्री अजय श्रीवास्तव, श्री सुनील कोठारी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री कंछेदी पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री अजय कुमार साहू, मंडल अध्यक्ष करकबेल श्री भगवत पटेल, श्री सोमेश नारायण श्रीवास्तव, नगर मंडल अध्यक्ष श्री अंशुल नेमा तथा सिंगपुर मंडल अध्यक्ष श्री राघवेंद्र जाट सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर की विशिष्ट मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति भी देखने को मिली, जिनमें श्रीमती सुशीला ममार (जनपद पंचायत अध्यक्ष करेली), श्रीमती संध्या कठोरी (पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष), सुश्री प्रतिज्ञा परिहार (जनपद पंचायत अध्यक्ष कठोरी), सुश्री भारती पटेल (जनपद सदस्य), श्रीमती ज्योति चौहान, श्रीमती शोभा तिवारी, श्रीमती शगुन नामदेव, श्रीमती बैजन्ती झरिया, श्रीमती दीपिका आनंद (करेली), श्रीमती सुषमा तिवारी (शास्त्री वार्ड), श्रीमती सुनीता शर्मा, श्रीमती अर्चना सुरेंद्र सोनी, श्रीमती संगीता सोनी, श्रीमती अंजु साहू, श्रीमती रमा पटेल, श्रीमती लक्ष्मी श्रीवास्तव, एडवोकेट जया शर्मा, श्रीमती गीता वेदी, श्रीमती स्वाति जायसवाल, श्रीमती शालिनी दुबे, श्रीमती उषा प्रजापति एवं श्रीमती शालिनी प्रजापति विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सिंदूर कप के द्वितीय दिवस पहला मैच स्कूल एजुकेशन व सोशल स्पार्क के बीच खेला गया जिसमें सोशल

स्पार्क ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया और 5 ओवर में 52 रन बनाए। इस लक्ष्य को स्कूल एजुकेशन ने मात्र 4 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल विजय हासिल किया और प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड सरोज जाटव के नाम रहा। दूसरा मैच एसकेएमजी विरुद्ध चावरा चैलेंजर्स के मध्य हुआ और एसकेएमजी ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 5 ओवर में 63 रन बनाए। चावरा चैलेंजर्स 5 ओवर में मात्र 52 रन बनाकर 11 रन से यह मैच हार गई और एसकेएमजी टीम की खिलाड़ी गीता लालवानी प्लेयर ऑफ़ द मैच बनी। सिंदूर कप सीजन-1 का फाइनल मैच पोलिस इंफ़ोर्सेस और स्कूल एजुकेशन के बीच हुआ जिसमें पोलिस टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 ओवर में 52 बनाये। स्कूल एजुकेशन 4 विकेट खोकर केवल 42 रन बना सकी और 10 रन से फाइनल हारकर उप-विजेता बनी तो सिंदूर कप की ट्रॉफी पर पोलिस विभाग की टीम ने कब्जा जमकर विजेता का तमगा हासिल किया। वहीं एसकेएमजी टीम अपने अभूतपूर्व प्रदर्शन के साथ तीसरे स्थान पर रही और टीम की खिलाड़ी गीता लालवानी को सिक्सर क्वीन का अवार्ड प्राप्त हुआ। समापन अवसर पर विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीमों सहित सिंदूर कप में हिस्सा लेने वाली समस्त महिला टीम सहित विभिन्न श्रेणियों में खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के समापन अवसर पर खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को सम्मानित करते हुए विभिन्न विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए गए। अनुशासित टीम अवार्ड कायस्थ महासभा नरसिंहपुर द्वारा पीजी कॉलेज की टीम को प्रदान किया गया तथा फेयरप्ले प्ले अवार्ड चावरा टीम के सभी खिलाड़ियों को जाट युवा मोर्चा की तरफ से दिया गया। संतराम पैराडाइस की तरफ से सोशल स्पार्क टीम को इमर्जिंग टीम का अवार्ड प्रायोजित किया गया तो सनातन महासभा ने एसकेएमजी टीम में समस्त खिलाड़ियों को स्पोर्ट एक्सीलेंस का अवार्ड प्रदान किया गया। व्यक्तिगत श्रेणी में इंस्पिरेशन अवॉर्ड श्रद्धा जाट (चावरा चैलेंजर्स), मोस्ट एनर्जेटिक प्लेयर रजनी लोधी (चावरा चैलेंजर्स), फैन फेवरेट प्लेयर रिचा कनौजिया (चावरा चैलेंजर्स) और बेस्ट फील्डर शुभा दुबे (चावरा चैलेंजर्स) को प्रदान किया गया। इसी प्रकार सिक्सर क्वीन गीता लालवानी (एसकेएमजी), बेस्ट गेम चेंजर अर्चना ठाकुर (एसकेएमजी) तथा बेस्ट थ्रो अवॉर्ड रेनू सग्गू (एसकेएमजी) को मिला। फीयरलेस अवॉर्ड शक्ति बागडे (सोशल स्पार्क), मोस्ट एंटरटेनिंग प्लेयर रक्षा पालीवाल (सोशल स्पार्क) तथा बेस्ट क्लच प्लेयर मंजू लता लोधी (सोशल स्पार्क) को सम्मानित किया गया। वहीं कैप्टन कूल अवॉर्ड प्रीति कौरव (पीजी पॉइंटर) को मिला। बेस्ट बॉलर मंजरी उपाध्याय (स्कूल एजुकेशन स्ट्राइकर) और बेस्ट बल्लेबाज सरोज सिंह (स्कूल एजुकेशन स्ट्राइकर) को घोषित किया गया। टूर्नामेंट का सर्वोच्च सम्मान प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट प्रियंका भोसले (पुलिस 11) को दिया गया, जिन्होंने फाइनल मैच में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब हासिल किया, जबकि बेस्ट कैप्टन का अवॉर्ड रश्मि स्थापक को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन नवोदित उभरती एंकर प्रमांशी कौरव और समृद्धि ढिमोले ने किया, जबकि मिस जूही सिंह, यशिता कौशिक और प्रज्ञा मेहरा ने चीयर लीडर्स के रूप में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। इस प्रतियोगिता का आयोजन जिला महिला क्रिकेट टीम द्वारा किया गया तथा इसके प्रमुख प्रायोजक मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन रहे। प्रतियोगिता की संकल्पना क्रीड़ा अधिकारी श्री अर्पित सक्सेना और श्री मनीष कटारे द्वारा की गई। आयोजन समिति में अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी, उपाध्यक्ष इंजी. निशा सोनी, शिखा साहू, अनुराधा पटेल, सचिव प्रगति तिवारी, सह सचिव शिवानी धुर्वे, कोषाध्यक्ष काजल वर्मा, सह-कोषाध्यक्ष वंदना यादव सहित जीजी बाई लोधी, मीना यादव, मानसी मेहरा, भारती पटेल, आरजू कुर्मी, पूर्णिमा प्रजापति, नीता ढिमोले और सुश्री इंदु सिंह का विशेष योगदान रहा। आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति ने कहा गया कि, बेटियों और महिलाओं का उत्साह, आत्मविश्वास एवं खेलों के प्रति उनकी सकारात्मक सोच अत्यंत प्रेरणादायक है। नारी शक्ति का यह स्वरूप समाज को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करता है। हम इस कप को अगले सीजन में और भी अधिक बेहतरीन बनाने का प्रयास करेंगे और इसमें जिले भर की टीम को शामिल करेंगे।

मां की गोद का कंकड़ कंकड़ है शिव शंकर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

मां नर्मदा जीवनदायिनी पुण्य दायिनी और मोक्षदायिनी सलिला हैं।मां का जल अमृतदायी है।लाखों भक्त प्रतिवर्ष मां नर्मदा की परिक्रमा कर मां से साक्षात्कार करते हैं और अपनी मनोकामना पूरी करते हैं। मां नर्मदा एकमात्र ऐसी पवित्र नदी है जो पूर्व से पश्चिम की ओर उल्टी दिशा में बहकर अपने असंख्य भक्तों का उद्धार करती है।उक्ताशय के विचार पंडित रामस्वरूप जी शर्मा ने बरिया बारे हनुमान मंदिर परिसर नरसिंहपुर में मां नर्मदा के पुराण कथा सत्संग में व्यक्त किये। साहित्यकार ओजस्वी कवि अशोक त्रिपाठी ने मां नर्मदा की महिमा का बखान करते हुए कहा कि रेवा मैया की गोद के कंकड़ कंकड़ में शिव शंकर हैं।शिवपुत्री मैखल कन्या अमर कंटक से निकली हैं।मां के दोनों तट पर

अनेकों सिद्ध तीर्थ धाम है जहां देव मुनियों ऋषियों सहित सिद्ध पुरुषों ने तपस्या आराधना की है। इनमें अमरकंटक ओंकारेश्वर महेश्वर ब्राम्हण घाट ममलेश्वर गरुड़ेश्वर मंडलेश्वर सहित अनेक तीर्थों का विशेष महत्व है।मां की भक्ति आराधना परिक्रमा और जलपान से रोग व्याधि दूर होती है।आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ साथ असीम सुख शांति और अनुपम आनन्द मिलता है।

विदित हो कि बरिया बारे हनुमान मंदिर परिसर स्थल पर नरसिंह वरिष्ठ जन परिषद द्वारा प्रतिदिन शाम 5.30 बजे से 6.45 तक सत्संग सभा का आयोजन होता है।संचालन आभार प्रदर्शन पंडित गणेश कुमार चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम में प्रेमशंकर राघव यू एस उपाध्याय धनपत तिवारी डा केदार गुप्ता डा महेश त्रिपाठी विनोद तिवारी बंधु दिनेश श्रीवास्तव अरुण कुमार खरे भोपत साहू घनश्याम नागवंशी रमेश कुमार मेहरा पं. मदन गोपाल शर्मा बी एस मेहरा अशोक नेमा बबलू नेमा कविवर नरेंद्र सराठे सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। पोटो पहचान एनएसपी २

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल बुधवार को जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद? सिंह पटेल बुधवार 18 मार्च को कृषि उपज मंडी में आयोजित जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सहित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल मंगलवार 17 मार्च को रात्रि 8.30 बजे सर्किट हाउस नरसिंहपुर आएंगे और यहां रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन बुधवार 18 मार्च को प्रात~ 9.50 बजे सर्किट हाउस से प्रस्थान कर प्रात~ 10.20 बजे करेली ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवाकछार आएंगे और यहां नल-जल योजना का लोकार्पण करेंगे। इसके पश्चात प्रात~ 11 बजे ग्राम पंचायत देवाकछार से प्रस्थान कर प्रात~ 11.25 बजे ग्राम पंचायत कपूरी में आपका आगमन होगा। आप यहां 127.04 लाख रुपये की लागत से खेदा नदी पर पुल निर्माण का भूमिपूजन करेंग । इसी दिन मंत्री श्री पटेल दोपहर 12.10 बजे ग्राम पंचायत कपूरी से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे मंडी रोड नरसिंहपुर स्थित मून लाईट गार्डन आएंगे और यहां मंडल प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में सम्मिलित होंगे। दोपहर एक बजे मून लाईट गार्डन से प्रस्थान कर दोपहर 01.05 बजे होटल मिनीएचर सांकल तिराहा अमर ज्योति काम्प्लेक्स तीसरी मंजिल नरसिंहपुर में पत्रकार वार्ता लेंगे। आयोजित जिला स्तरीय आत्मा योजनांतर्गत कृषि विज्ञान मेला एवं मिलेट मिशन के तहत मिलेट मेला, दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को नि~शुल्क सहायक उपकरण वितरण, राष्ट्रीय ग्राम स्वरोजगार अभियान अंतर्गत निर्वाचित महिला जन-प्रतिनिधियों का एक दिवसीय जिला स्तरीय सम्मेलन, विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (व्हीबी-जी राम जी) सम्मेलन और जल गंगा संवर्धन अभियान की कार्यशाला में शामिल होंगे।

सिविल अस्पताल करेली में दिव्यांग शिविर आयोजित

269 दिव्यांगजनों का किया गया परीक्षण

करेली (स्वतंत्र मत)

सिविल अस्पताल करेली में सोमवार को आयोजित दिव्यांग शिविर में मेडिकल बोर्ड नरसिंहपुर के अस्थि विशेषज्ञ, एमआर विशेषज्ञ आदि के द्वारा 269 दिव्यांगजनों का परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत पात्र दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड तथा बस/ट्रेन के कंसेशन पास जारी किए गए। उक्त शिविर में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष/उपाध्यक्ष, पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधि, नगर पालिका के अधिकारी/कर्मचारी, जनपद पंचायत के कर्मचारी, सिविल अस्पताल के कर्मचारी,सामाजिक न्याय विभाग के जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, नगरपालिका करेली के कर्मचारी, जनपद पंचायत करेली द्वारा दिव्यांगजनों का सत्यापन एवं ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया भी संपन्न कराई गई।

मुस्लिम समुदाय का पावन पर्व रमजान के 26वें रोजे शबेक़द्र पर सभी मस्जिदों में इबादत का दौर जारी

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

मुस्लिम समुदाय का पावन पर्व रमजान के 26 वे रोजे शबेक़द्र पर सभी मस्जिदों में इबादत का दौर जारी रहा । शबेक़द्र पर रात्री में मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई । मस्जिदों में तराबीह पढ़ाने वाले इमामो को नजराना पेश किया गया । जामा मस्जिद कमेटी अध्यक्ष अबरार खान ने जामा मस्जिद के इमाम हाफिज जुबेर आलम उनके द्वारा तराबीह भी जा रही है मुस्लिम जमात की ओर से इस्तकबाल कर नजराना पेश किया । असलम फलवालो ने भी अध्यक्ष एवं इमाम साहब का फूल माला से स्वागत किया । आशिक हुसैन ने संचालन करते हुए शबेक़द्र के प्रोग्राम में सहयोग करने वाले तमाम मुस्लिम भाईयो

का तहेदिल से शुक्रिया अदा किया ।

रोजा इफ्तार के समय मस्जिद में रोजेदारो की व्यवस्थाओं के उपरांत बाद में समुचित साफ सफाई करने वाले नोजवानो व मस्जिद में यहतकाफ पर बैठे हुए सभी लोगो की दस्तारबंदी की गई । मस्जिद के खिदमतगार राजू भाई को नजराना देकर स्वागत किया गया । हसनी हुसैनी सोसाइटी व गरीब नवाज चौकी द्वारा भी नोजवानो द्वारा किये गए सहयोग की तारीफ कर उनका हौसला बड़ाया शबेक़द्र पर रात्री में रोजेदारों के लिए शहरी का इंतजाम भी किया गया था । मस्जिद में नमाज के उपरांत वतन की खुशहाली एवं तरक्की के लिए दुआएं की गई। फैजाने मदीना मस्जिद व छोटी मस्जिद में भी शबेक़द्र पर तराबीह पढ़ाने वाले हाफिजों को नजराना दिया गया कमेटी की जानिब से इस्तकबाल भी हुआ व वहा पर भी दुआए की गई । मस्जिदों में हाजियो का स्वागत किया गया । शबेक़द्र का पर्व मुस्लिम समुदाय ने उत्साह से मनाया, नमाज ,रोजा, तिलावत इबादत के साथ कब्रिस्तान पहुंचकर मरहहूमो के हक में दुआएं खेर की । जामा मस्जिद के अध्यक्ष अबरार खान ने स्थानीय प्रशासन , पुलिस विभाग, नगरपालिका परिषद से ईद के त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए सहयोग की अपेक्षा की है ।

आरटीई के तहत नि :शुल्क प्रवेश हेतु दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया जारी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

शैक्षणिक सत्र 2026/27 के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (ऋञ्श्व) के अंतर्गत निजी मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन के दस्तावेजों का सत्यापन कार्य जिले के निर्धारित केंद्रों पर जारी है।अभिभावक पोर्टल पर समग्र आईडी एवं आधार सत्यापन के माध्यम से न्यूनतम 3 तथा अधिकतम 10 विद्यालयों का चयन कर 13 मार्च से 28 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वहीं, आवेदन के मूल दस्तावेजों का सत्यापन 14 मार्च से 30 मार्च 2026 तक जिले के 52 जन शिक्षा केंद्रों पर किया जा रहा है।जिला परियोजना समन्वयक मनीष चौकसे ने बताया कि 16 मार्च तक प्रथम चरण में प्राप्त 1401 आवेदनों में से 537 आवेदनों का सत्यापन किया जा चुका है। इनमें विकासखंड चांवरपाठा में 213 में से 66, चीचली में 214 में से 60, गोटेगांव में 293 में से 108, करेली में 262 में से 128, नरसिंहपुर में 171 में से 61 तथा साईंखेड़ा में 248 में से 94 आवेदनों का

दस्तावेज सत्यापन किया गया है।उन्होंने बताया कि सभी सत्यापन केंद्रों पर यह प्रक्रिया 30 मार्च 2026 तक सतत जारी रहेगी। दस्तावेज सत्यापन के दौरान जनशिक्षकों द्वारा अभिभावकों को पूरी प्रक्रिया की जानकारी भी दी जा रही है।पात्र आवेदकों को 02 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से विद्यालय आवंटित किए जाएंगे तथा चयनित अभिभावकों को एसएमएस के माध्यम से सूचना दी जाएगी। आवंटित विद्यालयों में 03 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। यदि प्रथम चरण के बाद सीटें रिक्त रहती हैं तो द्वितीय चरण में पुन: आवंटन किया जाएगा।

विशेष जिला स्तरीय समीक्षा एवं समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विशेष जिला स्तरीय समीक्षा एवं समन्वय समिति- डीएलसीसी की बैठक सोमवार को सम्पन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अग्रणी जिला प्रबंधक, संबंधित विभागों के अधिकारी और जिला समन्वयक- बैंकर्स मौजूद थे। कलेक्टर ने जिले में संचालित शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, आजीविका मिशन एसएचजी, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, जनजातीय विभाग, अंत्यावसायी विभाग, उद्यानिकी विभाग, आरसेटी सहित अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आयोजित बैठक में जिन योजनाओं में लक्ष्य पूरा कर लिया गया है, उसके लिए संबंधित विभाग के और बैंक अधिकारियों को बधाई दी। जिन योजनाओं में लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हुई है, उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों से योजनानुसार लक्ष्य प्राप्ति में आ रही समस्याओं पर चर्चा की। विभागीय योजना अधिकारी से बैंक में आ रही समस्याओं के संबंध में सम्पर्क करने एवं उसे निराकरण करने कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनांतर्गत काशी-अयोध्या यात्रा हेतु आवेदन आमंत्रित

करेली। मध्य प्रदेश शासन के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के आदेशानुसार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत वाराणसी (काशी)ङ्कअयोध्या तीर्थ यात्रा हेतु पात्र श्रद्धालुओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में नगर पालिका परिषद करेली में आवेदन पत्र जमा किए जा रहे हैं। नगर पालिका परिषद करेली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इ̐छुक एवं पात्र नागरिक निर्धारित आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, मूल निवासी प्रमाण पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो संलग्न करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त आवेदन पत्र में शासकीय अस्पताल से चिकित्सक द्वारा कराया गया शारीरिक परीक्षण, चिकित्सक के हस्ताक्षर एवं सील सहित होना आवश्यक बताया गया है। बिना चिकित्सकीय प्रमाण के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नगर पालिका परिषद करेली ने बताया कि इ̐छुक नागरिक अपने आवेदन दिनांक 18 मार्च 2026 तक नगर पालिका कार्यालय करेली में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। योजना के अंतर्गत चयनित यात्रियों को शासन द्वारा नि:शुल्क तीर्थ यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी।

विधायक कप वालीबॉल प्रतियोगिता का समापन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

स्थानीय रूद्र मैदान पुरानी कॉलेज ग्राउंड पर स्पोर्ट्स क्लब के तत्व धान में ग्रामीण स्तरीय विधायक कप वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया द्य विधायक कप में फाइनल मुकाबला चीचली और गाडरवारा की टीमो के बीच हुआ । गाडरवारा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विधायक कप पर अपना कब्जा कर विजेता का खिताब जीता प्रथम पुरस्कार 21 हजार रुपए विजेता टीम को एवं उप विजेता टीम चीचली 11 हजार व तीसरा पुरस्कार गुंदरई की टीम को 51 सौ दिया गया । सभी पुरस्कार एवं आकर्षित ट्राफियां क्षेत्रीय विधायक एवं स्कूल शिक्षा परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह के द्वारा दिए गए । इस प्रतियोगिता में 16 टीमों ने भाग लिया था दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया वही दर्शकों ने भी मैचो का भरपूर आनंद लिया । फाइनल मैच पुरस्कार वितरण समापन समारोह के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों से रूबरू हो उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए एक मंच मिलता है खिलाड़ियों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए रुद्र मैदान के विकास के साथ ही जल्द स्टेडियम का भी निर्माण किया जाएगा । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष पंडित शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि हमारे मंत्री उदय प्रताप सिंह गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र को विकास की मुख्य धारा से जोड़ रहे हैं उनके द्वारा विकास की नई इबारत लिखी जा रही है । वॉलीबॉल प्रतियोगिता में ऑफिशियल रेफरी रवि किशन कौल, शिवम टेकाम ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । कार्यक्रम का संचालन सत्य प्रकाश बसेड़िया एवं आभार प्रदर्शन मंडल मंत्री कपिल दुबे ने किया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 153 आवेदकों की समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष तिवारी ने 153 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, डिप्टी कलेक्टर ज्योति लिल्हारे सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय मद से भूमि अलग करायें

जनसुनवाई के दौरान कछारगांव कौआ रोड तहसील बहोरीबंद निवासी जागेशवर कोल ने कलेक्टर को अपनी शिकायत में बताया कि कछारगांव प.ह.नं. सलैया रा.नि.मं. बहोरीबंद स्थित भूमि खसरा नंबर 564/3 को तहसीलदार के द्वारा शासकीय मद में दर्ज कर दिया गया है। इस वजह से मुझे ऋण नहीं मिल पा रहा है। शासकीय मद से मेरी भूमि को अलग कर ऋण दिलवायें। इस पर कलेक्टर ने बहोरीबंद तहसीलदार को शिकायत का निराकरण करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत खितौली तहसील बरही निवासी कमला चतुर्वेदी ने कलेक्टर को बताया कि पात्र होने के बावजूद जनवरी माह से मुझे लाड़ली बहना योजना की राशि मिलना बंद हो गई है। इस पर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को पात्रतानुसार आवेदिका को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत मवई थाना स्लीमनाबाद निवासी सुनीता दुबे ने कलेक्टर को आवेदन देते हुये बताया कि मेरे पति ओमप्रकाश दुबे का स्वर्गवास नवंबर 2025 में एक्सीडेंट की वजह से हो गया था। मेरे पति सम्बल योजनांतर्गत पंजीकृत श्रमिक थे। अपने पति की मृत्यु के उपरांत मैने सम्बल योजनांतर्गत मिलने वाली अनुग्रह सहायता राशि के लिये ग्राम पंचायत मवई तथा जनपद पंचायत बहोरीबंद में अधिकारियो को आवेदन दिया था। परंतु, अभी तक मुझे अनुग्रह राशि प्रदान नहीं हुई है। इस पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत बहोरीबंद के सीईओ को पात्रतानुसार अनुग्रह राशि दिलाने के निर्देश दिए।

समग्र में नाम सुधार करवायें

जनसुनवाई के दौरान ग्राम पड़रिया पोस्ट कटंगीकला निवासी राजकुमार कोरी ने कलेक्टर से समग्र में सुधार कराने हेतु आवेदन देतु हुये कहा कि समग्र आईडी में मेरा नाम गलत दर्ज है। परंतु, मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सही है। समग्र आईडी में मेरा नाम सुधरवा दीजिए। इस पर कलेक्टर ने ई-गवर्नेंस को समग्र आईडी में आवेदक का नाम सही करने के निर्देश दिए।

धोखाधड़ीः युवक के बैंक खाते से पार हुए 2.96 लाख रुपये

कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया मामला

कटनी (स्वतंत्रमत)

डिजिटल इंडिया के दौर में साइबर अपराधी लगातार आम जनमानस को अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सामने आया है, जहाँ एक युवक के बैंक खाते से अज्ञात जालसाजों ने करीब 3 लाख रुपये की बड़ी राशि पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के मोती बाग माई नदी निवासी आशीष गौतम पिता लालमन गौतम, उम्र 37 वर्ष के साथ यह ऑनलाइन ठगी हुई है। प्रार्थी ने पुलिस को बताया कि 4 मार्च की दोपहर करीब 12:39 बजे उनके बैंक खाते से अज्ञात तरीके से 2,96,000 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। जब प्रार्थी को खाते से इतनी बड़ी राशि कटने की जानकारी मिली, तो उनके होश उड़ गए। बैंक और अन्य माध्यमों से स्थिति स्पष्ट न होने पर अंततः उन्होंने पुलिस की शरण ली। घटना के संबंध में प्रार्थी ने 16 मार्च को कोतवाली थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 269/26 दर्ज किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) (जो पूर्व में आईपीएस की धारा 420 के समतुल्य है) के तहत केस दर्ज किया गया है। कोतवाली पुलिस अब उस डिजिटल ट्रेल की जाँच कर रही है, जिसके माध्यम से यह राशि ट्रांसफर की गई है। पुलिस साइबर सेल की मदद से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह राशि किस खाते में गई है और ठगी के लिए किस तकनीक लिंक, ओटीपी या फिशिंग का इस्तेमाल किया गया।

अग्रहरि वैश्य समाज की मेधावी छात्राओं का हुआ सम्मान

कटनी (स्वतंत्रमत)

गत 15 मार्च अखिल भारतीय अग्रहरि वैश्य समाज कटनी के राष्ट्रीय एवं स्थानीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में नगर के मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। यह सम्मान प्रति वर्ष देश भर के छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या अधिक अंक लाने वाले पर प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रोत्साहन राशि के रूप में दिया जाता है। इसी तारतम्य में वर्ष 2025 के मेधावी छात्रों में कटनी से कु भूमि अग्रहरि, कु. भूमिका अग्रहरि एवं कु. मानसी अग्रहरि का नाम चयनित हुआ। इन छात्राओं के सम्मान में अक्षर नंदन स्कूल नई बस्ती के सभागार में कार्यक्रम रखा गया जिसमें समाज के केंद्रीय सभासदों द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र के साथ नकद राशि, स्मृति चिह्न, स्टेशनरी सामग्री एवं अन्य वस्तुएँ उपहार स्वरूप दी गईं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने छात्राओं के मार्गदर्शन करते हुए उचित दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम में अभा अग्रहरि वैश्य समाज के राष्ट्रीय मंत्री अशोक अग्रहरि मार्गदर्शक एवं सलाहकार सत्यनारायण अग्रहरि एवं प्राचार्य नरेंद्र प्रसाद अग्रहरि, केंद्रीय सभासद श्याम अग्रहरि, विनीत अग्रहरि कटनी से प्रथम महिला केंद्रीय सभासद पुष्पांजलि अग्रहरि, महिला अध्यक्ष सीमा अग्रहरि, उपाध्यक्ष रचना अग्रहरि, महामंत्री शोभा अग्रहरि, पूर्व अध्यक्षा विभा अग्रहरि, पूर्व कोषाध्यक्ष अनीता अग्रहरि, अजय अग्रहरि, विकास अग्रहरि, अनुपमा अग्रहरि, कल्पना अग्रहरि आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन पुष्पाजंलि ने किया।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत महाकौशल प्रांत कार्यसमिति बैठक मां जालपा की नगरी कटनी में सम्पन्न

कटनी अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की प्रांत कार्यकारिणी बैठक अलग-अलग चार सत्रों में हुई सम्पन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

प्रथम सत्र सत्र के प्रारम्भ में विभाग संघचालक विपिन तिवारी, प्रांत अध्यक्ष ध्रुव प्रताप सिंह, प्रांत संगठन मंत्री अजय मिश्रा, प्रांत सह संगठन मंत्री गौरव भदौरिया, जिला अध्यक्ष बृजकिशोर चतुर्वेदी के द्वारा द्वीप प्रज्वलन करके वर्ग का शुभारम्भ किया गया। इस सत्र में जिलाशः वृत्त लिया गया, वर्ग में उपस्थित सभीलोगों का परिचय कराया गया। द्वितीय सत्र में प्रांत सहसंगठन मंत्री गौरव भदौरिया द्वारा ग्राहक पंचायत के कार्यों के लाभ व प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की गई, तत्पश्चात विभाग संघचालक विपिन तिवारी द्वारा कार्यपद्धति एवं संगठन विस्तार में नियमित कार्यक्रम व सतत सम्पर्क का महत्व विषय पर विचार रखा गया। तृतीय सत्र में प्रांत संगठन मंत्री अजय मिश्रा के द्वारा त्रैमासिक कार्य योजना आयाम सह रखी गई, तत्पश्चात सरला केवट के द्वारा महिला आयाम कार्य को गति प्रदान करने हेतु विचार रखे गए एवं संभागीय संगठन मंत्री बृजेश जैन द्वारा ग्राहक परामर्श केंद्र की महत्ता को बताया गया व सुरजीत सिंह द्वारा प्रचार आयाम के महत्व पर प्रकाश डाला गया। चतुर्थ सत्र में प्रांत अध्यक्ष पूर्व विधायक कुंवर ध्रुव प्रताप सिंह के द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन व कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई, और ग्राहक पंचायत को कैसे जन जन पहुंचाया जाए इस पर विस्तार से चर्चा की गई प्रांत सह सचिव कमल शर्मा की भी उपस्थिति रही, बैठक का संचालन प्रांत कार्यसमिति सदस्य अखिलेश पांडेय द्वारा किया गया एवं आभार प्रांत सह कोषाध्यक्ष यश चमड़ियां द्वारा किया गया बैठक में सैकड़ों की संख्या में लोगों की भागीदारी रही।

कटनी पुलिस द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को प्रत्यक्ष रूप से सुनने तथा उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 17 मार्च को प्रातः 12 बजे पुलिस कंट्रोल रूम कटनी में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित हुए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा प्रत्येक प्रकरण में शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को स्पष्ट एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न एवं थानों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधिकारियों ने एक-एक कर सभी फरियादियों की बात सुनी और निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार समयबद्ध निराकरण किया जाए।

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ ने 10 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 17 मार्च को अखिल भारतीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ एवं मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के संयुक्त आवाहन पर आंदोलन के प्रथम चरण मेंभारत के समस्त जिलों में प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली के नाम से 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से सौंपा गया है उसी अनुक्रम में कटनी जिले में भी प्रदीप मिश्रा डिप्टी कलेक्टर को संघ कटनी के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया प्रमुख मांग 8वे वेतन आयोग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को कम से कम 40 प्रतिशत वेतन वृद्धि करते हुए केंद्र के समान राज्य कर्मचारी को भी लाभ प्रदान किया जाए श्रम विरोधी कानून को वापस लिया जाए डी ग्रुप के पदों की पूर्ति सीधी भर्ती से किया जाए सभी राज्य सरकारें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा उषा कार्यकर्ता मध्यान्ह भोजन रसोईया एवं कोटवार को न्यूनतम 30000/ रूपये वेतन प्रदान किया जाए आउटसोर्स माध्यम से भर्ती पर रोक लगाई जाए 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी अंशकालीन एवं सफाई कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान सभी सुविधाएं दी जाए देश के सभी राज्यों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को समान मूल वेतन भत्ते प्रदान किया जाए पुरानी पेंशन योजना लागू किया जाए इन मांगों के निराकरण हेतु संघ के पदाधिकारी अजय गौतम, मनोज श्रीवास, धर्मेंद्र राज, नीलेश पौराणिक, अजीमुद्दीन शाह, राकेश जसूजा, सदस्य बालकदास, सोहन दहिया, विजय गणेशन, रामपाल सिंह उपस्थित होकर ज्ञापन सौंपा गया।

जनसुनवाई में 40 आवेदनों पर महापौर ने की सुनवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर निगम कटनी में आयोजित साप्ताहिक महापौर जनसुनवाई इस बार महज शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद का सशक्त एवं प्रभावी मंच बनकर उभरी है। मंगलवार को मेयर इन काउंसिल कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं और सुझावों के माध्यम से शहर के विकास में सहभागिता भी सुनिश्चित की। सुबह 11 बजे प्रारंभ हुई जनसुनवाई में जलभराव, पेयजल संकट, स्वच्छता व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत, अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों में मौके पर ही त्वरित निर्णय लेते हुए समाधान कर संबंधितों को राहत प्रदान की। जनसुनवाई के दौरान महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए

कार्यालय नगर परिषद विजयराघवगढ़ जिला कटनी (म.प्र.)

ईमेल- cmovijayraghavgarh@mpurban.gov.in

क्र./9126/PWD/NP/2026 वि.गढ़. दिनांक 17/03/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी के पंजीयक कृत ठेकेदार/फर्म से अधोलिखित विवरण अनुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिनांक 02 अगस्त 2021 से प्रभावशील प्रचलित आई.एस.एस.आर. के आधार पर कम/अधिक प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा क्रमांक	कार्य का नाम एवं विवरण	प्राक्कलन राशि (रु. में)	धरोहार राशि (रु. में)	निविदा फार्म का शुल्क	श्रेणी	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7
1	विधायक विकास निधि के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 समुनहाई तालाब में चबूतरा निर्माण कार्य।	1,69,167/-	3383/-	1,000/-	NewPWD Reg	01 माह

शर्तें-

(1) निविदा प्रपत्र कार्यालय नगर परिषद विजयराघवगढ़ के निर्माण शाखा के कक्ष क्रमांक 10 से प्राप्त हो सकेंगे।
(2) निविदा प्रपत्र दिनांक 06/04/2026 कार्यालयीन समय में प्रातः 10:30 बजे से सायं 6:30 बजे तक प्राप्त कि जा सकती है।
(3) बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 08/04/2026 सायं 5:30 बजे तक मान्य होगा।
(4) अमानत राशि एवं अन्य निविदा संबंधित दस्तावेज केवल कार्यालय में उपस्थित होकर जमा किए जावेगें। निविदा दिनांक 07/04/2026 को 12:00 बजे से कार्यालय सभा कक्ष में खोली जावेगी।
(5) टेन्डर फार्म-ए में ठेकेदार को निम्नलिखित दस्तावेज जमा करना अनिवार्य होगा -
(अ) अमानत राशि (EMD) (ब) निर्धारित शपथ पत्र (Affidavit) नवीन प्रारूप अनुसार
(स) लो.नि.वि. (PWD) का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र । (द) पेन नम्बर एवं जी.एस.टी. नं. ।
(6) टेण्डर फार्म एवं NIT के अनुसार अन्य टेक्नीकल बिड दस्तावेज
(7) सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी ।
(8) टेण्डर फार्म में अमानत राशि के साथ अन्य दस्तावेज जमा करना अनिवार्य होगा ।
(9) निविदा के समस्त अधिकार नगर परिषद विजयराघवगढ़ के पास सुरक्षित होगें ।
(10) कार्य की गुणवत्ता सर्वोपरी होगी। कार्य समय सीमा पर पूर्ण करना अनिवार्य होगा, अन्यथा विलंब होने की दशा में कार्यवाही नगर परिषद द्वारा की जावेगी।
(11) निविदाकार को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग एवं शासन के समस्त नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।
(12) निविदा में जी.एस.टी. छोड़कर समस्त करों की कटौती नियमानुसार की जावेगी एवं प्रत्येक देयक के साथ जी.एस.टी. का भुगतान तत समय प्रचलित दर से किया जावेगा।
(13) निविदाकार को दर स्वीकृति उपरांत जिला श्रमपदाधिकारी के पास श्रम आयुक्त के संविदा श्रमिक (विनिमय एवं समाप्ति) अधिनियम 1970 के अंतर्गत प्रारूप-05 तत्काल जमा करना अनिवार्य होगा। तत्पश्चात् ठेकेदार के उक्त पंजीयन निकाय में जमा कराकर अनुबंध संपादित किया जावेगा । पंजीयन निर्धारित अवधि में जमा न होने पर ठेका निरस्त की कार्यवाही की जावेगी ।
(14) निविदा प्रपत्र अनुबंध का एक भाग होगा एवं ऐसी अन्य समस्त नियम एवं शर्तें तथा किसी भी विवाद की स्थिति में जो की उल्लेखित नहीं है के संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश / दिशा निर्देश अंतिम एवं मान्य होंगे ।
(15) अतिरिक्त जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है या कार्यालय नगर परिषद विजयराघवगढ में उपस्थित होकर कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है।

नोट -

(1) निविदाकार को ई.पी.एफ. का पंजीयन प्रमाण देना अनिवार्य होगा ।
(2) निविदाकार लेबर विभाग का पंजीयन प्रमाण दर स्वीकृति उपरांत देना अनिवार्य होगा।
Cost Escalation Clause लागू नहीं होगा।

अध्यक्ष
नगर परिषद विजयराघवगढ़

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद विजयराघवगढ़

हीरापुर कौड़िया सेक्टर की प्रस्फुटन समितियों को प्रशिक्षण देकर कराया दायित्व बोध

नवांकुर संस्था साध्वी जनकल्याण समिति ने किया प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के सेक्टर क्रमांक 5 हीरापुर कौड़िया में साध्वी जन कल्याण समिति कटनी के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की क्षमता वृद्धि हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन ग्राम पंचायत भवन हीरापुर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत हीरापुर कोरिया की सरपंच पुनीता बाई पटेल, उप सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप कुमार बड़गैंया, आनंद विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर अनिल कांबले, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉक्टर तेज सिंह केशवाल और विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र की विशेष उपस्थिति रही। प्रशिक्षण का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए परिचय प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला के प्रथम सत्र में विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र ने 'जीवन में कुछ करना है तो मन को मारे मत बैठो' गीत प्रस्तुत कर उपस्थित प्रतिभागियों को प्रेरणा प्रदान करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का महत्व एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। 'द्वितीय सत्र' में नवांकुर संस्था मंथन समाज विकास समिति बंडा के सेक्टर प्रभारी हीरामणि हल्दकार ने समग्र ग्राम विकास विषय पर विस्तार से जानकारी देते हुए ग्राम के समग्र विकास में प्रस्फुटन समितियों की भूमिका से अवगत कराते हुए कहा कि समुदाय से समन्वय बनाकर कार्य करने से ग्राम के समग्र विकास में सभी की सहभागिता सुनिश्चित होती है। प्रशिक्षण कार्यशाला के 'तृतीय सत्र' में नवांकुर संस्था साध्वी जनकल्याण समिति अध्यक्ष साध्वी निगम द्वारा प्रस्फुटन समितियों के कार्यालय के रखरखाव, कार्य प्रणाली एवं दस्तावेजी करण विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने स्वयं सेवी संस्थाओं के गठन प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए संस्थाओं के पंजीयन, विधान, खाता संचालन, धारा 27-28, प्रबंध कारिणी समिति और साधारण सभा की बैठकों और उनके प्रतिवेदन आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की एवं उपस्थित समितियों को संस्था के पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया। 'चतुर्थ सत्र' में जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केशवाल ने प्रस्फुटन समिति के उपस्थित प्रतिनिधियों को ग्राम में समन्वय बनाकर कार्य करने हेतु व शासन और समाज के बीच में सेतु के रूप में कार्य कर ग्राम में रचनात्मक वातावरण तैयार कर जन भागीदारी से ग्राम की आवश्यकता अनुसार कार्य करने संबंधी जानकारी देते हुए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित आनंद विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर अनिल कांबले के द्वारा जीवन में रचनात्मक सोच रखते हुए तनाव मुक्त रहने के तरीकों के विषय पर जानकारी दी एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समझाया की कैसे हमारी सोच का हमारे कार्य पर असर पड़ता है। प्रशिक्षण में उपस्थित प्रतिभागियों को उनकी सहभागिता के लिए उपस्थित अतिथियों के माध्यम से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों प्रतिभागियों और सहयोगी जनों के प्रति नवांकुर संस्था की सेक्टर प्रभारी साध्वी निगम के द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यशाला में सेक्टर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधियों सहित नवांकुर सखियों की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण कार्यशाला में धर्मेंद्र द्विवेदी, मनदीप टुटेजा, प्रिया राय और निधि सिंह का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

आगा का रनआउट खेल के नियमों के अनुरूप था: एमसीसी

लंदन (वार्ता)। खेल नियमों के सरंक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने ढाका में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा के विवादित रन-आउट पर कहा है कि यह पूरी तरह खेल के नियमों के अनुरुप था। हालांकि उसने यह भी सुझाव दिया कि बंगलादेश 'स्पिरिट ऑफ क्रिकेट' के आधार पर अपनी अपील वापस ले सकता था। एमसीसी ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, खेल के नियमों का संरक्षक एमसीसी ने कहा कि अंपायरों का आगा को आउट देना सही था। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज ने स्वयं गेंद उठाने की कोशिश करके, गेंद को रोकने के कारण आउट होने का जोखिम मोल ले लिया था। नियमों के तहत, अंपायर इससे अलग कुछ और नहीं कर सकते थे। जब विकेट गिरा, तब नॉन-स्ट्राइकर साफ तौर पर अपनी क्रीज से बाहर थे, और गेंद अभी भी खेल में थी। इसलिए, यह आउट है। उन्होंने कहा, गेंद के डेड (निष्क्रिय) होने का तो कोई सवाल ही नहीं था और अक्टूबर में जब नया 'डेड-बॉल' नियम लागू होगा। जो अंपायरों को यह तय करने का अधिक अधिकार देता है कि गेंद 'पूरी तरह से कब स्थिर हो गई है' तब भी यही स्थिति बनी रहेगी। इसलिए, इस बात का कोई आधार नहीं है कि नियमों के अनुसार यह फैसला नॉट-आउट होना चाहिए था, और न ही। उन्होंने कहा, कुछ सुझाव आए हैं कि गेंद को डेड मान लिया जाना चाहिए था। नियमों के तहत यह संभव नहीं है; जब खिलाड़ी आपस में टकराते हैं तो गेंद डेड नहीं हो जाती - अगर ऐसा होता, तो खिलाड़ी ऐसी स्थितियों में जान-बूझकर टकराने की कोशिश करते, जब उन्हें इससे फायदा हो सकता था। गंभीर चोट का कोई खतरा नहीं था, इसलिए इस आधार पर डेड बॉल का फैसला नहीं दिया जा सकता था।

स्मृति मंधाना विमेंस वनडे रैंकिंग में नंबर-1 पर कायम

हरमनप्रीत नंबर-7 पर पहुंचीं, सोफी डिवाइन को 2 स्थान का नुकसान

दुबई।

महिला वनडे रैंकिंग में भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने नंबर-1 स्थान बरकरार रखा है, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं। मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में हरमनप्रीत को जहां एक स्थान का फायदा हुआ, वहीं न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन दो पायदान नीचे खिसककर 9वें स्थान पर पहुंच गई हैं। जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड की मेडि ग्रीन 17वें नंबर पर आई

न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मेडि ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 94 रन की शानदार पारी खेलकर बड़ा फायदा उठाया। उनकी टीम ने यह मैच 200 रन से जीता और सीरीज 3-0 से अपने नाम की। ग्रीन 5 स्थान की छलांग लगाकर 17वें नंबर पर पहुंच गई हैं, उनके 610 रेटिंग पॉइंट्स करियर के सर्वश्रेष्ठ हैं।

अमेलिया केर को दोहरे प्रदर्शन का फायदा

अमेलिया केर ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अंतिम वनडे में 80 रन बनाए और 5 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे बल्लेबाजी रैंकिंग में 21वें से संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं। अन्य खिलाड़ियों में इसाबेल गेज 61वें स्थान पर पहुंचीं।

टी-20 रैंकिंग में डिवाइन की बड़ी छलांग

टी-20 रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। अमेलिया केर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 78 रन की पारी खेलकर 694 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, जो उनका करियर बेस्ट है। जॉर्जिया प्लिमर 50वें से 41वें स्थान पर पहुंचीं। गेंदबाजी में जेस केर 11 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि सोफी डिवाइन 104वें से 79वें स्थान पर आ गई हैं।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 68 रनों से हराया

हैमिल्टन (वार्ता)। डेवन कॉन्वे (60) की अर्धशतकीय पारी के बाद लॉकी फार्ग्युसन और बेन सीयर्स (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 68 रनों से मात दी। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों सीरीज 1-1 से बराबर कर ली हैं। डेवन कॉन्वे को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 15.3 ओवरों में 107 रन ही बना सकी और 68 रनों मुकाबला हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए जॉर्ज लिंडे ने 12 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 33 रन बनाये। इसके अलावा रूबिन हरमन (19), वियान मुल्डर (16), जेसन स्मिथ (13) और जेसन स्मिथ (10) रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फार्ग्युसन और बेन सीयर्स तीन-तीन विकेट लिये। मिचेल सैंटनर को दो विकेट मिले। जिमी नीशम और कोल मैककोन्ची ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 175 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। डेवन कॉन्वे ने 49 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 60 रन बनाये। निक केली 12 गेंदों में (21) और कप्तान मिचेल सैंटनर 14 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुये। कोल मैककोन्ची ने 12 गेंदों में (नाबाद 18) और जॉश क्लार्कसन ने नौं गेंदों में नाबाद 29 रनों की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के लिए वियान मुल्डर ने दो विकेट लिये।

दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को 18 रनों से हराया

हैमिल्टन (वार्ता)।

ताजमिन ब्रिट्स (53), कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट (नाबाद 41) की शानदार बल्लेबाजी के बाद अयाबोंगा खाका (चार विकेट) और एन म्लाबा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने मंगलवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 18 रनों से शिकस्त दी। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली हैं। आज यहां दक्षिण अफ्रीका की महिला ने टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 177 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। सुने लुस और ताजमिन ब्रिट्स की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 62 रन जोड़े। सातवें ओवर में अमेलिया केर ने सुने लुस 21गेंदों में (31) को पगबाधा आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। ताजमिन ब्रिट्स ने 43 गेंदों में पांच चौके

और तीन छक्के उड़ाते हुए 53 रनों की पारी खेली। उन्हें 13वें ओवर में अमेलिया केर ने आउट किया। एनेरी डर्कसन (2), क्लो ट्रायॉन (2) और एन डीक्लर्क (चार) रन बनाकर आउट हुई। लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 33 गेंदों में चार चौके लगाते हुए नाबाद 41 रन बनाये।

कायला रेनेके ने नौ गेंदों में दो चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 28 रन ठोके। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर और जेस केर ने दो-दो विकेट लिये।

178 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की महिला टीम को अयाबोंगा खाका की अगुवाई वाले दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने 19.1 ओवर में 159 रन पर ढेर कर मुकाबला 18 रनों से जीत लिया। न्यूजीलैंड के लिए कप्तान अमेलिया केर ने सर्वाधिक 32 रनों की पारी खेली। इजी शार्प (29), सोफी डिवाइन (25), मैडी ग्रीन (18), ब्रूक हॉलिडे (16) और जेस केर (14) रन बनाकर आउट हुई। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। दक्षिण अफ्रीका के लिए अयाबोंगा खाका चार विकेट लिये। एन म्लाबा को तीन विकेट मिले। एनेरी डर्कसेन, एन डी क्लर्क ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अनाहत सिंह इंडियन ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी

मुम्बई (वार्ता)। स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में बुधवार को इंडियन ओपन 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। 18 मार्च से शुरु होने वाला इंडियन ओपन 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट 22 मार्च तक चलेगा। अनाहत सिंह ने पिछले वर्ष इंडियन ओपन के पहले संस्करण में फाइनल में हांगकांग-चीन की हेलेन टैंग को हराकर महिला खिताब जीता था। 17 साल की यह खिलाड़ी फरवरी में वाशिंगटन में हुए स्क्वैश ऑन फायर ओपन में अपना पहला पीएसए ब्रॉन्ज-लेवल खिताब जीतने के बाद, पूरे आत्मविश्वास के साथ इस संस्करण में उतरेंगी। अनाहत, जो वर्तमान में विश्व में 20वें नंबर पर हैं, इंडियन ओपन 2026 के महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगी।

नीलम सिरोही की नजरें एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप पर

नयी दिल्ली (वार्ता) जाग्रेब ओपन 2026 में रजत पदक जीतने वाली महिला पहलवान नीलम सिरोही ने कहा कि वह किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाली एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप (सीनियर) के लिए जोरदार तैयारी कर रही है। 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम के दौरान बातचीत में नीलम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह बेहद प्रतिस्पर्धी एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी (ट्रायल्स में चुने जाने के बाद), क्योंकि उन्हें लगता है कि यह स्पर्धा एशियन गेम्स की तैयारी के लिए एक अहम कदम होगा। नीलम, जिन्हें 'टारगेट एशियन गेम्स रुप' (टीएजीजी) के जरिए सरकारी मदद मिल रही है, अभी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहे भारतीय शिविर का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, अभी मैं भारतीय शिविर का हिस्सा हूं। कुछ ही दिनों में एशियन चैंपियनशिप के ट्रायल्स होंगे, मुझे उम्मीद है कि अगले महीने मैं चैंपियनशिप में हिस्सा ले पाऊंगी। एशियन गेम्स में हमारे मुख्य प्रतिद्वंद्वियों का आकलन करने के लिए यह एक

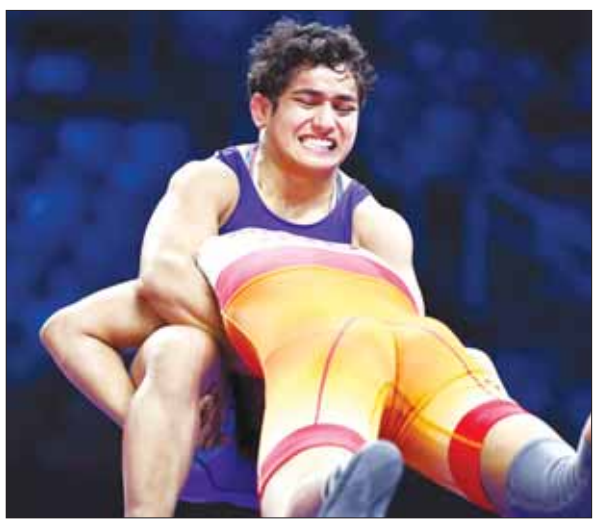

अहम टूर्नामेंट होगा। नीलम ने जापान की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता यूई सुसाकी सराहना करते हुए कहा, च्च्वह मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं, उनकी तकनीकी क्षमताएं बहुत अच्छी हैं, और वह बहुत तेज गति से तकनीकों का इस्तेमाल करती हैं, जिससे उनके दांव बहुत असरदार हो जाते हैं। उन्होंने कहा, मैं पहलवानों के परिवार से आती हूं, मेरे पिता, चाचा और दादा, सभी पहलवान थे। मैं बहुत कम उम्र से ही पहलवान बनना चाहती थी, मेरे पिता ने मेरा साथ दिया। उन्होंने मुझसे पूछा नहीं, बल्कि सबको बताया कि मैं एक पहलवान बनूंगी। आईजी स्टेडियम में चल रहे प्रशिक्षण शिविर की देखरेख कर रहीं भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की कोच भारती ने कहा कि उन्हें कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में ढेर सारे पदक जीतने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम अपने पहलवानों की गति बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

जियो पेमेंट्स बैंक ने शुरू की यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा

मुंबई (वार्ता)। जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) ने मंगलवार को यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि ग्राहक अब बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट टचपॉइंट्स पर क्यूआर कोड स्कैन कर नकद निकाल सकेंगे। उन्हें अपना पैसा निकालने के लिए डेबिट कार्ड या पारंपरिक एटीएम कार्ड की अब जरूरत नहीं होगी।बैंक के अनुसार, नयी सेवा विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर शुरू की गयी है, जहां एटीएम की पहुंच सीमित है। ग्राहक अपने यूपीआई ऐप के माध्यम से अपने लेनदेन को ऑथराइज कर आसानी से नकद प्राप्त कर सकेंगे। जियो पेमेंट्स बैंक ने कहा कि बिना कार्ड नकद निकासी सुविधा से डिजिटल भुगतान और नकद उपयोग के बीच की दूरी कम होगी।

तेल, चीनी के दाम बढ़े- गेहूं नरम, दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को गेहूं की औसत कीमत घट गयी। चावल का भाव गत दिवस के स्तर पर ही रहा। खाद्य तेलों और चीनी के दाम बढ़ गये जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,850 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। गेहूं नौ रुपये सस्ता हुआ और 2,803 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी आठ रुपये उतर गया। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव देखा गया। तुअर दाल की औसत कीमत 26 रुपये प्रति

क्विंटल बढ़ी। उड़द दाल भी 18 रुपये महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 45 रुपये और मूंग दाल की 18 रुपये टूट गयी। चना दाल भी आठ रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 71 रिंगिट फिसलकर 4,583 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.60 प्रतिशत चढ़कर 65.65 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 65 रुपये और सूरजमुखी तेल की 52 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सोया तेल और सरसों तेल 26-26 रुपये महंगे हुए। मूंगफली तेल 25 रुपये और वनस्पति तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 24 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। वहीं, मांग निकलने से चीनी तीन रुपये महंगी हुई।दाल चना 7712.68 रुपये, मसूर काली 8028.86 रुपये, मूंग दाल 10124.38 रुपये, उड़द दाल 10748.99 रुपये।

भारत में पेश हुआ नया रेनो डस्टर

नयी दिल्ली (वार्ता)। रेनो इंडिया ने मंगलवार को देश में नये रेनो डस्टर को बाजार में पेश करने की घोषणा की जिसकी कीमत 10.49 लाख रुपये से शुरू हो रही है। फ्रांसीसी कार निर्माता कंपनी रेनो समूह की कंपनी ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि रेनो डस्टर के टर्बो मॉडल की दिल्ली में एक्स शो-रूम कीमत 10.49 लाख रुपये होगी। कंपनी ने बताया कि इसे भारतीय सड़कों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। टर्बो टीसीई 100 को तीन संस्करणों ऑथेंटिक, इवॉल्यूशन और टेक्नो में पेश किया गया है। इनकी कीमत 10.49 लाख रुपये से 13.49 लाख रुपये तक है। टर्बो टीसीई 160 को चार संस्करणों इवॉल्यूशन, टेक्नो, टेक्नो प्लस और आईकॉनिक में पेश किया गया है। इनकी कीमत 12.99 लाख रुपये से 16.99 लाख रुपये तक है।

जनजातीय होमस्टे मालिकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू

नयी दिल्ली (वार्ता)। पर्यटन मंत्रालय के अधीन भारतीय पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) और जनजातीय कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन और आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनजातीय होमस्टे मालिकों के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन यहां आयोजित समारोह में किया गया। इस पहल का उद्देश्य देशभर में जनजातीय समुदायों द्वारा संचालित होमस्टे के लिए पेशेवर आतिथ्य कौशल को मजबूत करना, सेवा मानकों को बेहतर बनाना और आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पर्यटन मंत्रालय के अधीन आईटीडीसी के आईएचएम अशोक द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के पहले बैच में अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और गुजरात से आए 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के माध्यम से होमस्टे संचालकों को आतिथ्य प्रबंधन, पर्यटक सेवा, स्वच्छता, स्थानीय संस्कृति के प्रस्तुतीकरण और टिकाऊ पर्यटन से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। समारोह में आईएचएम अशोक द्वारा तैयार प्रकाशन ट्राइबल होमस्टे - जनजातीय आवास संचालन एवं विकास नियमावली 2026 का भी विमोचन किया गया। यह नियमावली देशभर में जनजातीय होमस्टे के विकास और पेशेवर प्रबंधन के लिए एक संरचित मार्गदर्शिका के रूप में तैयार की गयी है।यह बहुभाषी संसाधन है और इसे हिंदी तथा गुजराती में भी उपलब्ध कराया गया है, ताकि विभिन्न राज्यों के समुदायों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी

मुंबई (वार्ता)। ऑटो, धातु और निजी बैंकों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 567.99 अंक (0.75 प्रतिशत) चढ़कर 76,070.84 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 172.35 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त में 23,581.15 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले सोमवार को भी दोनों प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से ज्यादा मजबूत हुए थे। ऑटो, धातु, मीडिया, रियलटी, वित्त, निजी बैंकों और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में मजबूत लिवाली के बीच आईटी और एफएमसीजी समूहों के सूचकांक गिरावट में रहे। मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.03 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.65 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।एनएसई में जिन 3,324 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 1,933 के शेयर बढ़त में और 1,296 के गिरावट में रहे। अन्य 95 कंपनियों के शेयर अंतत: अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल का शेयर 5.70 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। टाटा स्टील में 4.41 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.12, बीईएल में 2.39, एलएंडटी में 2.29 और भारती एयरटेल में 2.13 प्रतिशत की तेजी रही। मारुति सुजुकी का शेयर 1.88 प्रतिशत, इंडिगो का 1.55, आईसीआईसीआई बैंक का 1.25, एक्सिस बैंक का 1.18, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.16 और ट्रेंट का 1.14 प्रतिशत मजबूत हुआ। एशियन

पेंट्स, सनफार्मा, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और एनटीपीसी के शेयर भी हरे निशान में रहे। इंफोसिस में 1.37 फीसदी, बजाज फाइनेंस में 1.17 फीसदी और आईटीसी में 1.05 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। हिंदुस्तान यूनीलिवर, टीसीएस, अडानी पोर्ट्स और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी नीचे रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 0.85 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.09 प्रतिशत टूट गया। हांगकांग के हैंग सेंग में 0.13 फीसदी की तेजी रही। यूरोप में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.79 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.42 प्रतिशत ऊपर था।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना: रिपोर्ट

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण भारतीय शेयर बाजारों में जारी अस्थिरता आगे भी बनी रह सकती है। प्रभुदास लीलाधर की वेल्थ मैनेजमेंट इकाई पीएल वेल्थ ने अपनी ताजा रिपोर्ट मार्केट आउटलुक मार्च 2026 में कहा गया है कि आने वाले समय में बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, क्योंकि निवेशक लगातार भू-राजनीतिक घटनाओं और कॉमोडिटी की कीमतों पर नजर बनाये हुए हैं।

हालांकि, भारत का व्यापक आर्थिक माहौल काफी मजबूत है, जो लंबी अवधि के लिए भारतीय इक्विटी बाजार के आकर्षण को और मजबूत करता है। पीएल वेल्थ मैनेजमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंदरबीर सिंह जॉली ने कहा कि बाजार में अस्थिरता आना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।

विद्यार्थी समाज और देश के विकास में सहयोग दें : राज्यपाल

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि आज विक्रम विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर अत्यधिक आनन्द का अनुभव हो रहा है। उन्होंने दीक्षान्त समारोह में उपाधियां प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए सभी के यशस्वी एवं मंगलमय भविष्य की कामना की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि उज्जैन नगरी में आते ही एक अलग प्रकार की अनुभूति होती है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में ही एक विद्यार्थी ने शिक्षा प्राप्त की और आज वे प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। मंगलवार को राज्यपाल श्री पटेल की अध्यक्षता और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागृह सम्पन्न हुआ।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश का राज्यपाल बनने के अगले ही दिन वे भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन के लिए आए और यहीं से उन्हें प्रदेश के सतत विकास और देश की प्रगति के लिए प्रयासरत रहने की प्रेरणा प्राप्त हुई। राज्यपाल श्री पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि आज दीक्षांत के साथ आप सभी ने समाज के उत्थान और देश की एकता के लिए शपथ ली है। विश्वविद्यालय से जो संस्कार आपको मिले है उन्हें जीवन भर स्मरण रखकर कार्य करें। आपके माता-पिता ने आपको शिक्षित करने के लिए बहुत कष्ट उठाए है इसलिए पढ़ लिखकर अपने माता-पिता की सेवा करें। आप जीवन में कुछ भी बन जाओं परंतु अपने माता-पिता और गुरु के प्रति सदैव आभारी रहना, उनकी सेवा करना। शिक्षित होने का उद्देश्य मात्र उपाधि अथवा प्रमाण-पत्र पाना नहीं बल्कि समाज और देश की उन्नति में योगदान देकर एक जिम्मेदार नागरिक भी बनना है।

भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन को बनाया अपनी शिक्षा स्थली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि

ज्ञान-विज्ञान और ध्यान के वैश्विक केन्द्र उज्जैन को भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षास्थली के रूप में चुना। चौसठ कलाओं और 14 विद्याओं की यह धरती शौर्य के प्रतीक सुशासन के पुरोधा, विक्रम संवत के प्रवर्तक, भारतीय सांस्कृतिक चेतना के रक्षक और न्यायप्रियता के प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य की कर्मस्थली रही है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह केवल उपाधि वितरण नहीं बल्कि 7 दशकों के उस समर्पण का परिणाम है, जिसने दुनिया को कुशल मानव संसाधन और श्रेष्ठ स्कॉलर सौंपे हैं। विश्वविद्यालय से सम्राट विक्रमादित्य का नाम जुड़ने से विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों का गौरव बढ़ा है। ऐसे विश्वविद्यालय की उपाधियों से विभूषित होना विद्यार्थियों के लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी-लिट), गोल्ड मेडल और स्नातक उपाधियां प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं बल्कि जीवन में सीखने की एक नई शुरुआत है, यह जीवन का महत्वपूर्ण टर्निंग पाइंट है। बेहतर जीवन के लिए विद्यार्थियों को सीखने की ललक सदैव बनाए रखना होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी देश और प्रदेश के समग्र विकास में सहभागी बनेंगे और जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने कर्तव्य का पूर्ण निष्ठा के साथ निवर्हन करते हुए अपने परिवार, समाज और देश का गौरव बढ़ायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को ससम्मान उपाधियां प्रदान करने के लिए दीक्षांत समारोह की परम्परा आरंभ की गई है।

छात्रावास भवन का किया लोकार्पण

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित नवीन कृषि अध्ययनशाला भवन का लोकार्पण एवं एमईआरयू परियोजना अंतर्गत नव श्रृंगारित भर्तृहरि छात्रावास का लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सम्पादित पुस्तकों ईकोस एण्ड एक्सप्रेशन्स, कंटूर्स ऑफ थॉट, रागात्मिका सहित 4 पुस्तकों का विमोचन भी किया। उपाधियाँ प्रदान करने के बाद विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भारद्वाज ने सभी उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को उपदेश देकर शपथ दिलाई।

निकली अकादमिक शोभायात्रा

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के प्रारंभ में राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यपरिषद सदस्यों व संकाय अध्यक्षों के साथ समूह चित्र खिंचवाया। इसके बाद दीक्षांत समारोह की अकादमिक शोभा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा और नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव शामिल रहें।

सम्राट विक्रमादित्य के मूर्तिशिल्प पर अर्पित की पुष्पांजलि

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक परिसर स्थित सम्राट विक्रमादित्य के मूर्तिशिल्प पर पुष्पांजलि अर्पित की। एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। समारोह के प्रारंभ में राष्ट्रगीत वंदेमातरम और राष्ट्रगान जन-गण-मन हुआ। अतिथियों ने माँ वाग्देवी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

हथकरघा इकाई की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य अतिथियों ने हथकरघा इकाई की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। आचार्य विद्यासागर पीठ एवं संस्था द्वारा अतिथियों को हाथ से बनी हथकरघा सामग्री भेंट की। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज और कुल सचिव अनिल कुमार शर्मा ने राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्प-गुच्छ, पारिजात का पौधा, शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से होगी गेहूँ खरीदी : राजपूत

गेहूँ उपार्जन के लिये 19 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से की जाएगी। गेहूँ की खरीदी शासकीय कार्य दिवसों में सुबह 8 से रात 8 बजे तक की जाएगी। उन्होंने बताया है कि सरकार ने गेहूं खरीदी पर 40 रुपये अतिरिक्त बोनस देने का भी फैसला लिया है। अब प्रदेश में गेहूं की खरीदी 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है। गत् वर्ष 15 लाख 44 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। जिला इंदौर में 71713, झाबुआ में 7120, धार में 44466, अलीराजपुर में 476, खण्डवा में 35104, बुरहानपुर में 523, बड़वानी में 4724, खरगोन में 27557, शाजापुर में 73878, नीमच में 19445, उज्जैन में 123281, आगर-मालवा में 42446, मंदसौर में 65195, देवास में 76442, रतलाम, 45912, अशोक नगर में 16454, दतिया में 19118, शिवपुरी में 21312, ग्वालियर में 13763, गुना में 22914, भिण्ड में 12788, मुरैना में 10893, श्योपुर में 17617, डिण्डौरी में 4478, मण्डला में 19611, जबलपुर में 49642, कटनी में 52126, सिवनी में 53288, नरसिंहपुर में 38416, छिन्दवाड़ा में 29163, बालाघाट में 4383, पांढुर्णा में 863, नर्मदापुर में 71831, बैतूल में 18686, हरदा में 40273, भोपाल में 37129, रायसेन में 76264, विदिशा में 86479, सीहोर में 101793, राजगढ़ 98537, सीधी में 12813, सिंगरौली में 10970, महूगंज में 8018, सतना में 56376, मैहर में 19787, रीवा में 46923, अनुपपुर में 882, शहडोल में 9479, उमरिया में 13445, टीकमगढ़ में 15552, निवाड़ी में 4116, सागर में 75791, पन्ना में 30052, दमोह में 39938 और जिला छतपुर में 34378 किसानों ने पंजीयन कराया है।

जिला कोर कमेटी की बैठक भोपाल में संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रभारी मंत्री एवं वरिष्ठ मंत्रिमंडल सदस्य इंदर सिंह परमार के भोपाल स्थित निवास पर भाजपा की जिला कोर समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

कार्यालय मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, जिला-सिवनी

नगर पालिका चौराहा, एन.एच. 7 मार्ग, जिला-सिवनी (म.प्र.) 480661
Email ID : cmoseoni@mpurban.gov.in Phone : 07692221301
पत्र क्रमांक/7975/भण्डार शाखा/नं.पा.प/2026 सिवनी, दिनांक 16/03/2026

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद सिवनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए ई-टेडरिंग के माध्यम से तालिका में वर्णित कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है ईच्छुक पंजीकृत फर्म/ठेकेदार/विक्रेता नियत तिथि एवं समय में ई-टेंडरिंग के माध्यम से ई-निविदायें दर प्रस्तुत कर सकते हैं ई-निविदा का विस्तृत विवरण http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा में किसी प्रकार का संसोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य दिवस अनुमानित लागत	निविदा फार्म शुल्क अमानत राशि	अंतिम दिनांक
1	2	3	4	5	6
	2026_UAD_491198	फायर सामग्री (अग्नि सुरक्षा संयत्र) विभिन्न प्रकार के आइटमों के स्पेशिफिकेशन के अनुसार दर वर्ष 2026-2027 के लिए आमंत्रित करने बावद्।	12 माह 22 लाख रुपए	5000/- 22,000/-	21/04/2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन www.mptenders.gov.in /वेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं कया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिवनी

विक्रमोत्सव का आयोजन 19 मार्च को प्रस्तावित

दमोह (स्वतंत्र मत)। राज्य शासन द्वारा 19 मार्च गुरुवार को प्रात: 10 बजे से पीएम श्री ज्ञानचंद श्रीवास्तव स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में विक्रमोत्सव 2026 का आयोजन प्रस्तावित है। विक्रमोत्सव के सफल आयोजन पूर्वान्ह में सूर्य उपासना कार्यक्रम प्रमुख मंदिरों एवं शासकीय भवनों पर महराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा उपलब्ध कराये गये ब्रह्माध्वज स्थापित किये जायेंगे। महराजा विक्रमादित्य की जीवनी पर आधारित नाट्य प्रस्तुति स्थानीय नाट्य विद्यालय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जायेगी। तत्संबंध में जिला कलेक्टर अनिल राठौर ने विक्रमोत्सव कार्यक्रम वर्ष 2026 की समस्त कार्यवाही किये जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह प्रवीण फुलपगारे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। संचालन एवं समन्वय हेतु तकनीकी सहायक जिला पंचायत दमोह प्रकाश गौतम को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है साथ ही लेखापाल/सह लिपिक जन अभियान परिषद दमोह श्रीतेश जैन को कार्यक्रम विशेष सहयोग/मंचीय व्यवस्था हेतु नियुक्त किया गया है।

किसानों का दल नीमच के लिए रवाना

दमोह (स्वतंत्र मत)।

आत्मा योजनांतर्गत किसान कल्याण वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में दमोह जिले के किसानों को औषधीय फसलों की खेती एवं उनके विक्रय से संबंधित प्रशिक्षण एवं भ्रमण हेतु अपर कलेक्टर मीना मसराम, मनोज खरे, हेमंत पटेल, उपसंचालक कृषि जीएल अहिरवार, परियोजना संचालक आत्मा जेएल प्रजापति की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर कृषकों के दल को औषधीय फसलों के उत्पादन के गुर सीखने एवं उनकी मार्केटिंग

हेतु नीमच भ्रमण एवं प्रशिक्षण हेतु कृषकों के दल को को रवाना किया गया। ज्ञात हो कि कृषि उपज मंडी समिति नीमच एशिया की सबसे बड़ी औषधीय फसलों की मंडी है।

किसानों के नाम पर लूट और धोखा बंद करे सरकार : कुणाल चौधरी

अखिल भारतीय कांग्रेस सचिव कुणाल चौधरी की प्रेस कॉन्फ्रेंस

भोपाल (स्वतंत्र मत)। आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल, में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार और केंद्र सरकार पर किसानों के मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां किसानों के हित में नहीं, बल्कि उनके शोषण का माध्यम बन चुकी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश में किसानों की फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी सही तरीके से नहीं हो रही है। सरकार ने किसानों को राहत देने के नाम पर 575 प्रति क्विंटल बोनस देने का वादा किया था, लेकिन मात्र 40 बढ़ाकर अपनी पीठ थपथपाने का काम कर रही है। उन्होंने स्पष्ट रूप से मांग की कि सरकार किसानों को एमएसपी पर 575 बोनस दे और इस 40 रुपए बोनस की धोखाधड़ी को तुरंत बंद करे। किसानों का असली कल्याण तो यूपीए की मनमोहन सिंह की सरकार में हुआ जहां हमने गेहूं एवं अन्य फसलों पर लगातार 10 वर्षों की सरकार में 33प्रतिशत से लेकर 45 प्रतिशत तक प्रतिवर्ष एमएसपी बढ़ाने का कार्य किया साथी लगभग 70000 करोड़ का देश के किसानों का कर्ज माफ करने का कार्य किया।

खरीदी की तारीख में बदलाव से किसान परेशान

कुणाल चौधरी ने कहा कि पहले 16 मार्च से गेहूं खरीदी शुरू होने की बात कही गई थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 1 अप्रैल कर दिया गया है। यह निर्णय किसानों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि रूस्कपर खरीदी की तारीख बढ़ाकर किसानों को राहत दी जाए और 31 अप्रैल तक खरीदी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने का पर्याप्त समय मिल सके।

किसान कल्याण वर्ष या किसान शोषण वर्ष

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मनाए जा रहे कृषि कल्याण वर्ष पर सवाल उठाते हुए श्री चौधरी ने कहा यह कैसा कृषि कल्याण वर्ष है, जहाँ किसानों को राहत देने के बजाय उन्हें लूटा जा रहा है उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों से सूदखोरी कर रही है और कर्ज के नाम पर उन्हें फंसाने का काम कर रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री पर भी निशाना

उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर भी सीधा हमला करते हुए कहा कि वे किसानों के हितैषी नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों के नाम पर कर्ज लेकर उनसे धोखा किया जा रहा है और काले धन को सफेद करने का धंधा चलाया जा रहा है।

युवक पर चाकू से हमला

दमोह (स्वतंत्र मत)। आपसी विवाद के चलते कोतवाली थाना क्षेत्र के चैनपुरा मदरसा के पास सोमवार रात एक युवक पर डंडे और चाकू से हमला किया गया। घायल को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घायल युवक ने इस हमले का पड़ोस में रहने वाले अयूब और उसके पुत्र पर लगाया है। पुलिस ने घायल के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। चैनपुरा निवासी जुबेर खान ने पुलिस को बताया कि सोमवार रात वह अपने घर जा रहे थे। गली में कुर्सी पर बैठे अय्यूब खान ने उन्हें रोका। जब जुबेर रुके तो अय्यूब ने उन्हें धमकी दी, निकलने से मना किया और गाली-गलौज करते हुए डंडे से हमला कर दिया। जुबेर के अनुसार अय्यूब के बेटे ने उन पर चाकू से हमला किया और मौके से फरार हो गया।

निषादराज जयंती को लेकर बैठक आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। 23 मार्च को निषादराज जयंती पर शाम 4 बजे महाराणा प्रताप स्कूल के मैदान से आयोजित विशाल शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर रैकवार, केवट, बर्मन, धुरिया, कहार, माझी समाज की कामकाजी बैठक का आयोजन दिनांक 18 मार्च को शाम 7 बजे आमचौपरा स्थित जहान्वी कुंज में कामकाजी टौली बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें समस्त वार्डों के प्रमुख लोगों को सादर आमंत्रित किया गया है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 17/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शिवांजलि भोला केडिया पति श्री हर्षवर्धन केडिया ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक पार्ट आफ 1194-1195, 217 यूनिर्वसिटी क्वाटर के सम्पत्ति पिन क्रमांक 2000236755 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2763 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री हर्ष वर्धन केडिया पिता स्व. संतोष कुमार केडिया का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 17/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री वीरेन्द्र कुमार मट्टू पिता स्व. भगवान दास मट्टू ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती भाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. के 567 चग्गर फार्म शकर जी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000378518 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1453 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र रिलीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्री प्रभात कुमार पिता नरेश सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 17/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति रीतू जायसवाल पति सुदीश जायसवाल ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मीबाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 11 जीवन कालोनी के पास सम्पत्ति के पिन क्रमांक से नया पिन 1004379612 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1250 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 1100 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री विजय कोरी पिता स्व. हजारी लाल कोरी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 17/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीप्ति यादव पति सुरेन्द्र यादव ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक ब्लाक क्र. 6 कजरवारा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1002146876 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1743 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री प्रवीण सिंह पिता श्री राजा बहादुर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 17/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आलोक मेहरोत्रा पिता स्व. लक्ष्मी नारायण मेहरोत्रा ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक 630 डेनिंग रोड सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000399703 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1530 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 1150 व.फु. प्रथम तल 1150 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र, त्याग पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमती लक्ष्मी मेहरोत्रा पिता/पति स्व. लक्ष्मी नारायण मेहरोत्रा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मदर टेरेसा नगर कालोनी जबलपुर में स्थित भवन कमांक Jr. LIG-345 श्रीमती सविता पाण्डेय पति रव. श्री ओमनारायण पाण्डेय के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 29.05.2004 को आवटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती सविता पाण्डेय पति स्व. श्री ओमनारायण पाण्डेय ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनाक 13.10.2025 के माध्यम से श्रीमती सुषमा राय पति श्री श्याम लाल को विक्रय किया है। अतः श्रीमती सुषमा राय पति श्री श्याम लाल द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण भवन / भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी, जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक/सं.क्र.-03/एम/25-26/510 जबलपुर, दिनांक 17/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रतिभा जेन पति संजय जैन (सम्पत्ति पिन 1000610930) सुख सागर लाइफ स्पेश, ललपुर रोड ग्वारीघाट ने भवन क्रमांक फ्लैट नं. 303, टॉवर-सी वार्ड ग्वारीघाट तृतीय तल 1223 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्र. फ्लैट नं. 303, टॉवर-सी वार्ड ग्वारीघाट गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) खन्ना प्रो. एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. नि. के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर संभागीय कार्यालय, संभाग क्र. 03 शक्ति भवन रोड, रामपुर, नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण एवं दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-03, रामपुर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक/सं.क्र.-03/एम/25-26/512 जबलपुर, दिनांक 17/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रिया सिंह पति सुरेन्द्र सिंह (सम्पत्ति पिन 1000610930) सुख सागर लाइफ स्पेस, ललपुर रोड, ग्वारीघाट ने भवन क्रमांक फ्लैट नं. ए-304, टॉवर-ए, वार्ड ग्वारीघाट तृतीय तल 1223 व.फु. विकय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्र. फ्लैट नं. ए-304, टॉवर-ए वार्ड ग्वारीघाट गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) खन्ना प्रो. एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर संभागीय कार्यालय, संभाग क्र. 03 शक्ति भवन रोड, रामपुर, नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण एवं दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-03, रामपुर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक/सं.क्र.-03/एम/25-26/513 जबलपुर, दिनांक 17/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शालिनी सिंह पति शैलेन्द्र सिंह सम्पत्ति पिन नं. 1000610930 सुख सागर लाइफ स्पेस, ललपुर रोड ग्वारीघाट ने भवन क्रमांक फ्लैट नं. ए-303 टॉवर-ए वार्ड ग्वारीघाट तृतीय तल 1223 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्र. फ्लैट नं. ए-303 टॉवर-सी वार्ड ग्वारीघाट गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) खन्ना प्रो. एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर संभागीय कार्यालय, संभाग क्र. 03 शक्ति भवन रोड, रामपुर, नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण एवं दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-03, रामपुर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक/सं.क्र.-03/एम/25-26/511 जबलपुर, दिनांक 17/03/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती ऊषा सिंह पति महेन्द्र सिंह सम्पत्ति पिन नं. 1000610930 सुख सागर लाइफ स्पेस, ललपुर रोड ग्वारीघाट ने भवन क्रमांक फ्लैट नं. 202 टॉवर-सी, वार्ड ग्वारीघाट द्वितीय तल 1223 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्र. फ्लैट नं. 202 टॉवर-सी वार्ड ग्वारीघाट गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) खन्ना प्रो. एडं इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर संभागीय कार्यालय, संभाग क्र. 03 शक्ति भवन रोड, रामपुर, नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण एवं दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-03, रामपुर
नगर निगम, जबलपुर

गोल्डन मिनट्स में बचाई जा सकती है हृदयाघात से पीड़ित व्यक्ति की जान

जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च ने चलाया जन-जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) की बेसिक लाइफ सपोर्ट टीम द्वारा 17 मार्च, मंगलवार को हितकारिणी सभा में सीपीआर एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया पर एक जन-जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीवनरक्षक तकनीकों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर प्रतिक्रिया के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना था। यह कार्यक्रम प्रो डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य (प्रभारी) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जो बीएलएस टीम की अध्यक्ष भी हैं। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. आराधना धन्यबाद, विभागाध्यक्ष एवं टीम इंचार्ज द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में संकाय सदस्यों एवं नर्सिंग ट्यूटरों का भी सक्रिय सहयोग रहा।

इस कार्यक्रम की दृष्टि यह थी कि समाज में लोगों को बुनियादी जीवनरक्षक कौशल के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में वे प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दे सकें और किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में सहायता कर सकें।

ऑक्सीजन की आपूर्ति बनाए रखने मिलती है सहायता

कार्यक्रम का मिशन आम जनता को बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं सीपीआर तकनीकों के बारे में शिक्षित करना तथा लोगों को हृदयाघात और श्वसन अवरोध जैसी आपातकालीन स्थितियों में आत्मविश्वास के साथ तुरंत कार्य करने के लिए प्रेरित करना था। सीपीआर एक आपातकालीन जीवनरक्षक प्रक्रिया है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब किसी व्यक्ति का हृदय धड़कना बंद कर देता है या उसकी सांस रुक जाती है। यह स्थिति हृदयाघात, डूबने, घुटन, बिजली के झटके या गंभीर दुर्घटना के कारण हो सकती है। सीपीआर के माध्यम से मस्तिष्क और अन्य महत्वपूर्ण अंगों तक रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति बनाए रखने में सहायता मिलती है, जब तक कि चिकित्सा सहायता उपलब्ध न हो जाए। एक और महत्वपूर्ण समस्या यह है कि आम जनता में सीपीआर के बारे में जागरूकता बहुत कम है। शोधों से पता चलता है कि बहुत कम मामलों में ही अस्पताल पहुंचने से पहले आसपास के लोग पीड़ित को सीपीआर प्रदान करते हैं, जिसके कारण जीवित बचने की संभावना कम हो जाती है। इसलिए समुदाय में बेसिक लाइफ सपोर्ट और सीपीआर तकनीकों की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है।

करवाई गई हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस

आयोजन में प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस भी करवाई गई, जिससे वे स्वयं सीपीआर की तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कर सकें। प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि हृदयाघात के पहले चार मिनट को गोल्डन मिनट्स कहा जाता है और इस समय पर दिया गया सीपीआर किसी व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। इस कार्यक्रम में सक्रिय योगदान देने वाले भानुप्रिया राजक (सहायक प्राध्यापक), अरविंद यादव (सहायक प्राध्यापक), प्रियंका गैगोल (सहायक प्राध्यापक), आशीष दाउद (नर्सिंग ट्यूटर), मोहम्मद अलीम (नर्सिंग ट्यूटर), शुभांगी केवट (नर्सिंग ट्यूटर) तथा साक्षी पटेल (नर्सिंग ट्यूटर) शामिल रहे।

सेंट्रल स्कूलों में ईडब्ल्यूएस बच्चों को एडमीशन तो नवोदय में क्यों नहीं?

मप्र हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब, प्रवेश से वंचित हो रहे लाखों छात्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देशभर के 650 से ज्यादा नवोदय विद्यालयों में 2019 के संवैधानिक प्रावधान के बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानी ईडब्ल्यूएस के छात्रों को प्रवेश में शामिल नहीं किए जाने के मुद्दे पर मप्र हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। इस मामले में हाईकोर्ट ने एक सप्ताह में जवाब देने के निर्देश दिए हैं। दरअसल इस मामले की सुनवाई मंगलवार को जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ में हुई। कोर्ट ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद तय की है। जबलपुर निवासी छात्रा नव्या तिवारी की ओर से उनके अभिभावक धीरज तिवारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि नवोदय विद्यालयों की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण और वंचित वर्ग के प्रतिभाशाली छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है, लेकिन वर्तमान प्रवेश नीति में ईडब्ल्यूएस वर्ग को शामिल नहीं किया गया है।

सभी वर्गों के लिए प्रावधान मौजूद, ईडब्ल्यूएस के लिए नहीं - याचिका में बताया गया कि नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के दौरान, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ग्रामीण छात्र, बालिकाएं और दिव्यांग छात्र के लिए आरक्षण और प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए कोई आरक्षण या अलग व्यवस्था नहीं है, जिससे यह वर्ग पूरी तरह वंचित रह जाता है। याचिका में कहा गया है कि संविधान के 103वें संशोधन (2019) के तहत अनुच्छेद 15(6) जोड़ा गया, जिसमें ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए शैक्षणिक संस्थानों में 10 प्रतिशत तक आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इसके बावजूद नवोदय विद्यालयों की प्रवेश नीति में इसे लागू नहीं किया गया, जिसे संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी बताया गया है।

एक ही मंत्रालय, नियम अलग-अलग - याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विकास मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत संचालित केंद्रीय विद्यालय में ईडब्ल्यूएस वर्ग को प्रवेश का लाभ मिलता है। वहीं उसी मंत्रालय के अधीन संचालित नवोदय विद्यालयों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसे याचिका में भेदभावपूर्ण और असंगत बताया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला - याचिका में अथर्व चतुर्वेदी बनाम राज्य मध्यप्रदेश (10 फरवरी 2026) फैसले का हवाला दिया गया है, जिसमें ईडब्ल्यूएस छात्रों को अवसर न मिलने को गंभीर मुद्दा माना गया था। याचिकाकर्ता के अनुसार, देशभर में नवोदय विद्यालयों में करीब 2.9 लाख छात्र अध्ययनरत हैं। ऐसे में 2019 से अब तक बड़ी संख्या में ईडब्ल्यूएस छात्र अवसर से वंचित रहे हैं। इस मामले को लेकर अधिवक्ता विकास मिश्रा ने कहा कि यह सिर्फ एक छात्रा का मामला नहीं, बल्कि देशभर के लाखों छात्रों से जुड़ा मुद्दा है। जरूरत पड़ने पर इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाया जाएगा। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल उपस्थित रहे।

शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है खेलकूद

संभाग स्तरीय शिक्षक अधिकारी-कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय महाकौशल महाविद्यालय द्वारा उचित शिक्षा खेल कैलेंडर के अनुरूप संभाग स्तरीय शिक्षक अधिकारी कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार से किया गया। जिसमें इंदौर, डिंडोरी, नरसिंहपुर, मंडला, जबलपुर एवं कटनी जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 50 वर्ष के ऊपर के आयु वर्ग के एवं 50 वर्ष के नीचे आयु वर्ग के बैडमिंटन, टेबल, टेनिस, शतरंज, लॉन टेनिस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों में खिलाड़ी शामिल रहे। प्रतियोगिता का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अल्केश चतुर्वेदी, प्रोफेसर अरुण शुक्ल जबलपुर टीम मैनेजर डॉक्टर नेहा दवे के द्वारा किया गया। आयोजन सचिन डॉक्टर ज्योति जुनगरे ने मंच संचालन करते हुए प्रतियोगिता की विस्तार से जानकारी दी। उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ अल्केश चतुर्वेदी ने कहा कि खेलकूद शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है, जो अनुशासन टीमवर्क और जीवन में उर्जा बनाए रखते हैं। प्रो.अरुण शुक्ल ने कहा कि खेल शारीरिक विकास और मानसिक मजबूती और तनाव रूप करने के साथ ही मनोरंजन का एक प्रमुख साधन है।

पड़ोसी को डंडा मारकर फोड़ा सिर

जबलपुर। घमापुर थाना अंतर्गत सरकारी कुआं क्षेत्र में बच्चों के बीच हो रहे विवाद को शांत कराना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस के अनुसार, सोनू यादव (37) जब मैदान में खेल रहे बच्चों को समझा रहे थे, तभी आरोपी शैलेंद्र उर्फ लालू यादव डंडा लेकर वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने सोनू के सिर और हाथ पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 296(बी), 118(1) और 351(2) के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पड़ोसी दुकानदारों ने चुराया बारह लाख का माल

ओमती थानाक्षेत्र की घटना, मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ओमती थानातंर्गत होम एपलाइस व उसके स्पेयर पार्ट्स की थोक दुकान से बाजू के व्यापारियों ने सूनेपन का फायदा उठाकर बारह लाख तीस हजार रुपये का माल कर दिया। पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि नर्मदा नगर गोरखपुर निवासी 36 वर्षीय सुखप्रीत कौर रैत की विक्टोरिया अस्पताल के सामने हितकारिणी मार्केट में होम एपलाइस व स्पेयर पार्ट्स की थोक दुकान है। जो कि अपने व्यापार के काम से विगत 1 फरवरी को दिल्ली गई थी। उसके दूसरे दिन उनका भाई और कर्मी दुकान बंद कर घर चले गये। इसके बाद तीन फरवरी को उनके भाई ने सूचना दी कि दुकान से कीमती सामान गायब है। जब उन्होंने आकर देखा तो आरओ के 2 बाक्स, इंडक्शन का 1 बाक्स, मिक्सर ग्राइन्डर का 1 बाक्स, शीलिंग फेन के स्टेटर सेमीटोन कम्पनी के 2 बाक्स, कूलर की मोटर के 3 कार्टून, कूलर पम्प के 2 कार्टून, मिक्सी के बुस का 1 कार्टून तथा 3 चैक जो हरे माधव इलेक्ट्रानिक्स के द्वारा दिये गये थे। जिसमें 1180000 रूपये एवं 820000 रूप्ये तथा 12, 30000 रूपये जो उसके नाम सुखप्रीत कौर रैत के नाम से लिखे थे वो भी चोरी हो गये है।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

चोरी गया सामान उसकी दुकान के बाहर गैलरी में रखा था, चोरी गये सामान का बिल पृथक से पेश करेगी। उसके मोबाइल में हरे माधव इलेक्ट्रानिक्स जो कि उसकी दुकान से लगी हुई है दुकान मालिक चंद्र कुमार चावला एवं राजा चावला से अच्छे व्यापारिक संबंध होने के कारण उनकी दुकान में लगे सीसीटीव्ही कैमरे का एक्सेस उसके मोबाइल में था। जब उन्होंने दुकान के कैमरे चैक किये जिसमें सीसीटीव्ही फुटेज में विगत 2 फरवरी की रात लगभग 9 बजे चंद्रकुमार चावला एवं राजा चावला के द्वारा हमारी दुकान के तरफ से उपरोक्त सामग्री अपनी दुकान हरे माधव इलेक्ट्रानिक्स में ले जाकर रखते हुये दिखाई दे रहे हैं। हरे माधव इलेक्ट्रानिक्स के संचालक चंद्र कुमार चावला एवं राजा चावला के द्वारा मिलकर उसकी दुकान के स्पेयर वर्ल्ड से चोरी की गई है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

सराफा व्यापारी से नौकर ने पार किए 1.80 लाख

जबलपुर। पाटन थाना क्षेत्र के थापक वार्ड निवासी एक सराफा व्यापारी के साथ उसके ही विश्वसनीय कर्मचारी द्वारा धोखाधड़ी और चोरी का मामला सामने आया है। आरोपी कर्मचारी ने व्यापारी की कार से 1 लाख 80 हजार रुपये की नकदी पार कर दी और मौके से फरार हो गया। फरियादी अमित सोनी (40 वर्ष), जो सोने-चांदी के क्रय-विक्रय का व्यवसाय करते हैं, ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती 4 फरवरी 2026 को वह अपने कर्मचारी सुमित यादव के साथ निजी कार से सराफा बाजार जबलपुर गए थे। उनके पास एक काले बैग में 100 ग्राम सोना और 1 लाख 80 हजार रुपये नकद थे, जिसे उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से सुमित को थमाया था। रात में बाजार बंद होने के कारण वे जेवरात की खरीदारी नहीं कर सके और घंटाघर स्थित होटल क्लार्क टावर में खाना खाने रुक गए। खाना खाते समय जब अमित ने बैग के बारे में पूछा, तो सुमित ने बड़ी चतुराई से कहा कि बैग सुरक्षित रख दिया है। मालिक ने कर्मचारी पर भरोसा किया और वापस घर लौट आए। अगले दिन 5 फरवरी को जब अमित सोनी ने बैग चेक किया, तो उसमें सोना तो मौजूद था, लेकिन 1.80 लाख रुपये गायब थे। सुमित से पूछताछ करने पर वह टालमटोल करने लगा और यह कहकर घर से निकल गया कि उसने पैसे सीट के नीचे छिपाए थे।

कम दर पर अनुबंध कर दिलाया अच्छे निर्माण का भरोसा, बाद में मुकर गई कम्पनी

इंटीरियर कंपनी स्ट्रक्चर मेकर्स प्रा.लि को उपभोक्ता कोर्ट का नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। उपभोक्ता न्यायालय ने इंटीरियर डिजाइन कंपनी स्ट्रक्चर मेकर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके मालिक सिद्धार्थ खरे को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता निखिल भट्ट की ओर से अधिवक्ता कार्तिक जग्गी ने अदालत के समक्ष पक्ष रखते हुए बताया कि संबंधित इंटीरियर कंपनी ने पहले कम दर पर कार्य करने का अनुबंध किया, लेकिन बाद में अपने ही अनुबंध से पलटते हुए उससे इनकार कर दिया। अधिवक्ता के अनुसार कंपनी ने अनुचित व्यापार प्रथा अपनाते हुए याचिकाकर्ता को भ्रमित किया और कार्य को लेकर लगातार टालमटोल करती रही।

जवाब देना किया बंद

कोर्ट में बताया गया कि निर्धारित समयावधि में काम पूरा नहीं किया गया। इतना ही नहीं, कंपनी की ओर से याचिकाकर्ता के फोन कॉल और संदेशों का जवाब देना भी बंद कर दिया गया। अधिवक्ता ने यह भी कहा कि कंपनी द्वारा जो आंशिक कार्य किया गया, वह भी सेवा में कमी (डिफिशिएंसी ऑफ सर्विस) की श्रेणी में आता है। अधिवक्ता के तर्कों का संज्ञान लेते हुए उपभोक्ता न्यायालय ने कंपनी और उसके मालिक को नोटिस जारी कर मामले में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

विज्ञान दिवस पर हुई अनेक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

हितकारिणी महाविद्यालय देवताल गढ़ा में दो दिवसीय विज्ञान दिवस का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् एवं हितकारिणी महाविद्यालय देवताल गढ़ा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय विज्ञान दिवस का प्रथम दिवस उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। रत्न कुमारी देवी सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता डॉ. भास्कर राव (सीपेट, भोपाल) ने अपने उद्बोधन में विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान एवं तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ते हुए इसके व्यावहारिक उपयोगों पर भी विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षता डॉ नीलेश पाण्डेय ने की। इस अवसर पर डॉ ममता पाठक, डॉ पुष्पा शुक्ला, डॉ सरिता शर्मा, डॉ अंजना मिश्रा, प्रो संदीप परिहार, प्रो श्रद्धा सेन, प्रो अंकिता, प्रो सौम्या, डॉ मीना, प्रो मोनिका उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे रंगोली, पोस्टर, विज्ञान मॉडल एवं क्विज का आयोजन किया गया, जिनमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आज होगा पुरस्कार वितरण का आयोजन - आयोजन के द्वितीय दिवस पर आज प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया जाएगा तथा उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित नित्य निरंजन खंपरिया रहेंगे। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ सुनीता शर्मा विभाग अध्यक्ष जंतु विज्ञान आदर्श महाविद्यालय अध्यक्षता शिवदत्त मिश्रा करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुकुल खंपरिया उपसभापति हितकारिणी सभा और संदीप गोलछा अध्यक्ष हितकारिणी प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय, डॉ रोहित मिश्रा डीन हितकारिणी डेंटल कॉलेज रहेंगे। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. संगीता शुक्ला ने जानकारी दी कि यह आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है और इसका सकारात्मक प्रभाव निश्चित रूप से देखने को मिलेगा।

बेलगाम वाहनों ने चार को मारी टक्कर

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। मंझौली थाना क्षेत्रांतर्गत लडोई तिराहा पर बस का इंतजार कर रहे तीन व्यक्तियों को एक बेलगाम कार चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। इसी प्रकार गोरखपुर में मॉर्निंग वॉक के दौरान बेटे के साथ रोड पार कर रहीं एक महिला को बुलेरों के चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। चारों घायलों को उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उक्त दोनों मामलों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर उन्हें विवेचना में लिया है।

मंझौली और गोरखपुर क्षेत्र की घटना

मंझौली पुलिस ने बताया कि कटंगी बिलखरवा निवासी 29 वर्षीय शेखर पटेल अपने पिता मनोज पटेल के साथ काम से मंझौली गया था। रात्रि करीब साढ़े आठ बजे पिता-पुत्र दोनों लडोई तिराहे पर बस का इंतजार कर रहे थे, जहां पर उनकी मुलाकात पवन विश्वकर्मा निवासी सूरतलाई माढ़ोताल एवं विनय विश्वकर्मा निवासी जैन मंदिर के पास गढ़ा से हुई। उसी दौरान जबलपुर तरफ से आ रही सफेद रंग की कार क्रमांक एमपी 04 सीएफ -3601 के चालक ने तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मनोज पटेल, पवन विश्वकर्मा, विनय विश्वकर्मा को टक्कर मार दी। जिससे तीनों को चोटे आ गई। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। जिसके बाद घायलों को एम्बूलेंस से उपचार के लिये जबलपुर भिजवाया गया। इसी प्रकार गोरखपुर पुलिस ने बताया कि इंद्रानगर निवासी 37 वर्षीय रोहित लोधी मंगलवार सुबह करीब साढ़े सात बजे नगर निगम जोन रामपुर कार्यालय के सामने अपनी मॉ कौशल्या लोधी के साथ मार्निंग वॉक से रोड पार कर रहा था। उसी दौरान एमपीईबी की तरफ से सफेद रंग की बुलेरो क्रमांक एमपी 51 टी 0960 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसकी मॉ कौशल्य बाई को टक्कर मार दी। जिससे उन्हें गंभीर चोटे आ गई। बुलेरो चालक ने अपना नाम सौरभ ठाकुर बताया जो अपना आधारकार्ड व्हाटसएपर भेजा फिर डिलीट कर दिया। वाहन मालिक का नाम गोपाल सिंह आया है। जिन्होंने इलाज का

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**